अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com
उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र
आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, अयोध्या, झांसी, अम्बेडकरनगर, एटा, औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुल्तानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 20 लखनऊ, गुरुवार, 31 जुलाई 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

बिजलीकर्मियों के अवकाश पर 30 सितंबर तक रोक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एमवीवीएनएल) की ओर से जारी एक निर्देश में सभी कर्मचारियों की छुट्टियों पर 30 सितंबर तक रोक लगा दी है। ऊर्जा विभाग में अंदरूनी खींचतान और तनाव के बीच कर्मचारियों के अवकाश पर 30 सितंबर तक रोक लगा दी गई है। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एमवीवीएनएल) की प्रबंधक निदेशक रिया केजरीवाल ने इसका आदेश जारी कर दिया है। आदेश में कहा गया है कि बरसात के मौसम में बिजली व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए 30 सितंबर तक किसी भी कर्मचारी को कोई छुट्टी नहीं दी जाएगी। बरसात की वजह से होने वाली फॉल्ट को लेकर यह फैसला किया गया है। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने प्रदेश में लंबित घरेलू और व्यावसायिक कनेक्शनों का निस्तारण हर हाल में 30 सितम्बर तक करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में सभी मंडल आयुक्तों और जिलाधिकारियों को पत्र जारी करते हुए कहा गया है कि जिन उपभोक्ताओं को शुल्क जमा करने के बाद अभी तक कनेक्शन नहीं मिला है, उन्हें तत्काल प्राथमिकता पर जोड़ा जाए। सभी अवर अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंताओं को व्यक्तिगत उत्तरदायित्व सौंपा गया है।

सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को किया ढेर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारतीय सेना के जवानों ने बुधवार को दो आतंकवादियों को ढेर करके घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। रक्षा प्रवक्ता ने कहा, एक घुसपैठ विरोधी सफल अभियान में भारतीय सेना के सतर्क जवानों ने नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराया।

युवाओं को जॉब क्रिएटर बना रही सीएम युवा स्कीम: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को उद्यमिता की राह दिखाने वाले प्लेटफॉर्म को बताया 'आत्मनिर्भर भारत की नींव'

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीएम युवा कॉन्क्लेव एवं एक्सपो-2025 का किया शुभारंभ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को राजधानी लखनऊ में सीएम युवा कॉन्क्लेव एवं एक्सपो-2025 का भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत संचालित सीएम युवा योजना को प्रदेश के लाखों युवाओं के लिए ''स्वरोजगार से स्वावलंबन तक की यात्रा'' का माध्यम बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक इस योजना के अंतर्गत 68,000 से अधिक युवाओं को 2751 करोड़ रुपए का ब्याजमुक्त एवं गारंटी मुक्त ऋण उपलब्ध कराया गया है। योजना के अंतर्गत 10 प्रतिशत मार्जिन मनी की सुविधा भी राज्य सरकार द्वारा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि यूपी के युवाओं में अनलिमिटेड पोटेंशियल है। सीएम युवा इन युवाओं को मंच और मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है, जिससे उनका भविष्य उज्जवल हो सके। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि हर जिले से कम से कम 50 युवाओं को लाकर इस प्रदर्शनी को दिखाया जाए, ताकि उन्हें योजनाओं, स्टार्टअप संसाधनों और मार्केट एक्सेस की सही जानकारी मिल सके। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने फ्रेंचाइजी व्यवसाय, बिजनेस ऑन व्हील्स व अन्य इनोवेटिव व्यवसायों के ब्रांड्स/मशीनरी की प्रदर्शनी का उ?द्घाटन एवं मशीनरी सप्लायर्स पोर्टल 'यूपी मार्ट' की लॉन्चिंग भी की। इस दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष 17 एमओयू भी किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएम युवा योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसकी ब्याजमुक्त और गारंटीमुक्त संरचना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पूंजी की कमी, ट्रेनिंग का अभाव, और गाइडेंस की दिक्कत इन सभी समस्याओं का समाधान इस योजना के माध्यम से किया गया है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ योजना नहीं, एक आंदोलन है। यह हर उस युवा के लिए अवसर है, जिसके पास सपना है लेकिन साधन नहीं। उन्होंने मंच पर अपनी सफलता की कहानी सुनाने वाले युवाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इन सभी की कहानियों में एक समानता है और वह यह कि जो सपना उन्होंने देखा, सीएम युवा योजना के माध्यम से सरकार ने उसे पूरा किया। सीएम युवा उद्यमी स्कीम ने पूंजी की कमी को दूर किया, ट्रेनिंग की समस्या का समाधान किया, आत्मनिर्भर युवा के मिशन को धरातल पर उतारा। अनेक युवा अलग-अलग क्षेत्र में इस स्कीम का लाभ ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण और युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज हमारे संस्थान एक तरह से 'टापू' बन चुके हैं, जिनका समाज और स्कीमों से जुड़ाव टूटता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब जानकारी नहीं होती, तो युवा गलत स्कीम में फंसते हैं। कर्ज के बोझ से टूट जाते हैं। पलायन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। सीएम युवा योजना न केवल युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित कर रही है, बल्कि उन्हें ''जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर'' भी बना रही है। सीएम योगी ने बताया कि उत्तर प्रदेश की हस्तशिल्प, कुटीर और एमएसएमई इंडस्ट्री को पुनर्जीवित करने के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं। आज उत्तर प्रदेश में कोई भी नया उद्यम शुरू करने पर पहले 1000 दिन तक किसी प्रकार की लाइसेंस बाध्यता नहीं है।

नवागंतुक डीएम मेधा रूपम ने पदभार किया ग्रहण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गौतम बुद्ध नगर। आज नवांगतुक जिलाधिकारी मेधा रूपम ने कोषागार, कलैक्ट्रेट परिसर, सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा पहुंचकर विधिवत रूप से गौतम बुद्ध नगर जनपद के जिलाधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया। इस दौरान नवागंतुक जिलाधिकारी के साथ निवर्तमान जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा भी उपस्थित रहे। उन्होंने नवागंतुक जिलाधिकारी को चार्ज सौंपा व जिलाधिकारी का पदभार ग्रहण करने हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की।

उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी मेधा रूपम 2014 बैच की आईएएस अधिकारी है। इनका जनपद कासगंज से गौतम बुद्ध नगर के लिए स्थानांतरण हुआ है। यह ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं जिला अधिकारी हापुड़ के पद पर भी कार्य चुकी है। कार्यालय में पदभार ग्रहण करने के उपरांत नवागंतुक जिलाधिकारी ने अधिकारियों से संक्षिप्त परिचय प्राप्त किया एवं जिले के प्रशासनिक कार्यों की प्राथमिकताओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जिले में सुशासन, पारदर्शिता एवं जनसुविधा को सर्वोपरि रखते हुए प्रशासनिक कार्यों का संचालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने पर विशेष फोकस रहेगा तथा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी कार्यक्रमों एवं योजनाओं को प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने का काम किया जाएगा। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, अपर जिलाधिकारी भू0/अ0 बच्चू सिंह, राजेश कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक भैरपाल सिंह, मुख्य वरिष्ठ कोषाधिकारी शिखा गुप्ता, उप जिलाधिकारी जेवर अभय सिंह, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, उप जिलाधिकारी सदर चारुल यादव, सिटी मजिस्ट्रेट विवेक भदोरिया, डिप्टी कलेक्टर अभिषेक शाही, दुर्गेश सिंह, तहसीलदारगण तथा अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सैन्य कार्रवाई रोकने में अमेरिकी राष्ट्रपति की कोई भूमिका नहीं: जयशंकर

एजेंसी

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक बार फिर दोहराया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ भारत की सैन्य कार्रवाई को रोकने में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कोई भूमिका नहीं थी।

श्री जयशंकर ने राज्यसभा में 'पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक आपरेशन सिंदूर' पर मंगलवार को अधूरी रही चर्चा की बुधवार को शुरूआत करते हुए कहा कि सैन्य कार्रवाई को रोकने को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कोई बातचीत नहीं हुई थी। उन्होंने कहा, 'दोनों नेताओं के बीच 22 अप्रैल से लेकर 16 जून के बीच टेलीफोन पर कोई भी बात नहीं हुई थी। विदेश मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय कूटनीति की विफलता के विपक्ष के आरोपों को नकारते हुए कहा कि भारतीय कूटनीति बिल्कुल सही दिशा में थी। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की गयी। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के साजिशकर्ताओं और सीमा पार आतंकवाद की निंदा की जबकि मुंबई आतंकवादी हमले के बाद हुए ब्रिक्स सम्मेलन में जो बयान जारी किया गया था उसमें सीमा पार आतंकवाद का कोई जिक्र नहीं था। श्री जयशंकर ने कहा कि जर्मनी फ्रांस, रूस और यूरोपीय संघ ने भी पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की। श्री जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए 25 अप्रैल को बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि यह तब हुआ जब पाकिस्तान सुरक्षा परिषद का सदस्य था और भारत इस विश्व संगठन से बाहर था। विदेश मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सैन्य बलों के शौर्य की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने बहावलपुर और मुरीदके में आतंकवादी ठिकानों को पूरी सटीकता के साथ धवस्त किया। ये पाकिस्तान में आतंकवाद के गढ थे। यही नहीं, पाकिस्तान के कई हवाईअड्डों को भी निशाना बनाया गया। यह ऑपरेशन सिंदूर की बड़ी कामयाबी थी। उन्होंने कहा कि जो लोग ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी के सबूत मांगते हैं, उन्हें यूट्यूब पर जाकर आतंकवादियों की मौत के बाद उनकी अंत्येष्टि के दृश्य देखने चाहिए।

कछौना में राष्ट्रीय प्रस्तावना कार्यालय का उद्घाटन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

हरदोई। हरदोई के कछौना में आज राष्ट्रीय प्रस्तावना मीडिया समूह के कार्यालय का उद्घाटन हुआ। एक भव्य समारोह में एमएलसी अशोक अग्रवाल और अखिल भारतीय साहित्य परिषद के अध्यक्ष, प्रख्यात समाजसेवी और राष्ट्रीय प्रस्तावना के समूह संपादक डाक्टर सुशील चंद्र त्रिवेदी मधुपेश ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रस्तावना मीडिया समूह के संरक्षक संजीव श्रीवास्तव ने मीडिया ग्रुप का परिचय देते हुए बताया कि हमारे ग्रुप की मौजूदगी प्रिंट के साथ-साथ डिजिटल माध्यम में भी है। राष्ट्रीय प्रस्तावना दैनिक अखबार और मासिक मैगजीन के साथ-साथ यूट्यूब न्यूज चैनल के रूप में भी सक्रिय रूप से मौजूद है। राष्ट्रीय प्रस्तावना का नेटवर्क पूरे उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में भी है और हमें भविष्य में इसका और विस्तार करना है। संपादक हरिनाथ सिंह ने मुख्य अतिथि और विधान परिषद सदस्य अशोक अग्रवाल सहित सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि हमें अपने ग्रुप को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। वहीं विधायक अशोक अग्रवाल ने उम्मीद जताई कि राष्ट्रीय प्रस्तावना जन सरोकार के मुद्दों को इसी तरह उठाता रहेगा।

समूह संपादक डाक्टर सुशील चंद्र त्रिवेदी मधुपेश ने राष्ट्रीय प्रस्तावना के हरदोई ब्यूरो चीफ ललित पाण्डेय, कछौना संवाददाता दुर्गेश कुमार सिंह सहित संस्थान से जुड़ने वाले सभी संवाददाताओं को राष्ट्रीय प्रस्तावना चैनल की माइक आईडी और परिचय पत्र प्रदान किए। स्थानीय संपादक दिनेश कुमार गर्ग ने कहा कि अब हमारे परिवार का विस्तार हो रहा है जो हमें नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। समन्वय सम्पादक अभयानंद शुक्ल ने एक शेर के माध्यम सभी अतिथियों और संवाददाताओं का स्वागत किया। लखनऊ ब्यूरो चीफ पीयूष त्रिपाठी ने सभी संवाददाताओं से कहा कि हमें टीम भावना के साथ अपने नेटवर्क को मजबूत करना होगा। कार्यक्रम की शुरुआत आचार्य रमेश चन्द्र मिश्र द्वारा भगवान गणपति की आराधना के साथ हुई। कार्यक्रम में कछौना ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि संचित अग्रवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष राधारमण, कछौना नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी दिव्यांशी शुक्ला सहित तमाम गणमान्य लोग, राष्ट्रीय प्रस्तावना के संपादकीय सलाहकार दिनेश दुबे, शहाबाद संवाददाता मोहम्मद उमैर खान, मल्लावां संवाददाता विपिन कुमार सोनी सहित राष्ट्रीय प्रस्तावना ग्रुप के तमाम संवाददाता और सम्पादकीय कर्मी उपस्थित थे।

उप्र में 11 से 16 अगस्त तक चलेगा विधानसभा का मानसून सत्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 11 अगस्त से शुरू होगा और 16 अगस्त तक चलेगा। हालांकि सदन की कार्यवाही महज चार दिन ही चलेगी। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप दूबे ने बताया कि, उत्तर प्रदेश विधानसभा का 11 अगस्त से 16 अगस्त तक चलेगा। सदन की कार्यवाही सोमवार, मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को चलेगा। शनिवार को 15 अगस्त और 16 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की वजह से अवकाश रहेगा। गौरतलब है कि, उत्तर प्रदेश विधान मंडल के मानसून सत्र की तारीखों का ऐलान पहले ही कर दिया गया था।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाने संबंधित सांविधिक संकल्प लोक सभा में पारित

एजेंसी

नयी दिल्ली। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की अवधि छह महीने और बढ़ाने से संबंधित सांविधिक संकल्प बुधवार को लोक सभा में ध्वनिमत से पारित हो गया।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने संकल्प पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि मणिपुर में शांति बहाल हो रही है, वहां कानून-व्यवस्था की स्थिति सुधर रही है। वहां राष्ट्रपति शासन के दौरान हिंसा की एक मात्र घटना हुई जिसमें एक व्यक्ति की जान गयी। राज्य में चार महीने से हिंसा की कोई घटना नहीं हुई। उन्होंने कहा कि वहां शांति व्यवस्था बहाल करने के लिए राष्ट्रपति शासन जरूरी है। उनका यह भी कहना था कि मणिपुर में हिंसक घटनाओं में बाहर के लोगों की संलिप्तता रही है। श्री रॉय ने कहा कि मणिपुर सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास मोदी सरकार की प्राथमिकताओं में है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में पूर्वोत्तर का 78 बार दौरा किया है। पूर्वोत्तर के विकास और वहां के लोगों के सशक्तीकरण के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। सरकार का पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास पर पूरा ध्यान है इसलिए 'एक्ट ईस्ट, एक्ट फास्ट, एक्ट फर्स्ट' का नारा दिया गया है।

आंतरिक जांच के आधार पर न्यायिक कार्यभार वापस लेना सही: सुप्रीम कोर्ट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की रिट याचिका पर फैसला सुरक्षित रखते हुए बुधवार को कहा कि देश के मुख्य न्यायाधीश आंतरिक जाँच के आधार पर न्यायिक कार्यभार वापस ले सकते हैं।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए जी मसीह की पीठ ने कहा कि न्यायाधीश संरक्षण अधिनियम की धारा 3(2) आंतरिक प्रक्रिया शुरू करने और न्यायाधीश से न्यायिक कार्य वापस लेने की अनुमति देती है। पीठ ने कहा कि इस मामले में आंतरिक प्रक्रिया में किसी भी अधिकार का उल्लंघन नहीं हुआ है, क्योंकि (शीर्ष अदालत के पिछले फैसलों के आधार पर) यह संविधान के अनुच्छेद 141 अनुसार कानून सही है। शीर्ष अदालत ने कहा कि आंतरिक जाँच के आधार पर मुख्य न्यायाधीश न्यायिक कार्यभार वापस ले सकते हैं लेकिन संसद सिफारिश को स्वीकार या अस्वीकार करने के लिए स्वतंत्र है। पीठ ने टिप्पणी की, ल्लमुख्य न्यायाधीश केवल एक डाकघर की तरह काम नहीं कर सकते। गंभीर कदाचार का सामना करने पर देश के मुख्य न्यायाधीश समिति की जांच के आधार पर संबंधित न्यायाधीश के बारे में राष्ट्रपति को सिफारिश कर सकते हैं। न्यायपालिका के संरक्षक के रूप में राष्ट्र के प्रति उनका कुछ कर्तव्य है। हम चुप रहकर केवल एक फैसला सुना सकते थे, लेकिन यह अन्याय होगा। न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायाधीश को हटाने के लिए मुख्य न्यायाधीश द्वारा राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को की गई सिफारिश की वैधता पर सवाल उठाया। उन्होंने तर्क दिया कि यदि आंतरिक प्रक्रिया न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर सकती है, तो यह संविधान के अनुच्छेद 124 का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि यह असामान्य है क्योंकि न्यायमूर्ति वर्मा के मामले में जाँच शुरू करने से पहले कोई औपचारिक शिकायत नहीं की गई थी।

महाभारतकालीन महात्मा विदुर की कुटी का होगा सर्वांगीण विकास : जयवीर सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने बिजनौर जिले में स्थित ऐतिहासिक और महाभारतकालीन स्थल विदुर कुटी के पर्यटन विकास की महत्वाकांक्षी योजना को हरी झंडी दे दी है। इस स्थल के लिए राज्य सरकार ने अनुमानित 20 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की है। यह जानकारी बुधवार को उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि कुरुवंश के महामंत्री महात्मा विदुर की तपोस्थली विदुर कुटी का ऐतिहासिक महत्व है। प्रदेश सरकार इस धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को संवारने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग विदुर कुटी को पर्यटन की दृष्टि से और अधिक आकर्षक बनाने पर कार्य कर रहा है, जिससे आगंतुकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। पर्यटन विभाग विदुर कुटी स्थल विकास के माध्यम से बिजनौर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाने का प्रयास कर रही है। पर्यटन विकास के अंतर्गत प्रवेश द्वार, सौंदर्यीकरण, प्रकाश व्यवस्था, सूचना केंद्र, शौचालय, पेयजल व्यवस्था, विश्राम स्थल का निर्माण जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। पर्यटन मंत्री ने बताया कि विदुर कुटी स्थल की विकास परियोजना न केवल क्षेत्र के धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहित करेगी, बल्कि इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। बिजनौर जिले के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) लकड़ी पर

नक्काशी उद्योग को विशेष रूप से लाभ मिलेगा। विभाग के प्रयास से क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान के साथ स्थानीय कारीगरों की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि बिजनौर में इको टूरिज्म विकास की भी अभूतपूर्व संभावनाएं हैं। जिले में अमानगढ़ टाइगर रिजर्व और हैदरपुर वेटलैंड प्रमुख स्थल हैं। अमानगढ़ टाइगर रिजर्व 95 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है, जो वन्यजीवों और प्रकृति प्रेमियों की पहली पसंद बनकर उभरा है। बाघों समेत कई दुर्लभ प्रजातियों के जीवों की उपस्थिति इसे वन्यजीव प्रेमियों के लिए विशेष स्थल बनाती है। वहीं, हैदरपुर वेटलैंड भी पर्यटकों को खासा आकर्षित करती रही है। यह वेटलैंड पक्षी प्रेमियों के लिए स्वर्ग समान है, जहां सर्दियों के मौसम में देश-विदेश से प्रवासी पक्षी देखने को मिलते हैं। पर्यटन विभाग द्वारा संचालित होम स्टे पर्यटकों के लिए सस्ते दरों पर उपलब्ध हैं। बिजनौर का यह इको टूरिज्म मॉडल न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि सतत विकास की दिशा में भी अहम कदम साबित हो रहा है। महात्मा विदुर ने महाभारत युद्ध को टालने के लिए महाराज धृतराष्ट्र को समझाने का प्रयास किया था, लेकिन दुर्योधन के मोह में धृतराष्ट्र ने उनकी सलाह को अनसुना कर दिया। तत्पश्चात महात्मा विदुर हस्तिनापुर में अपना सब कुछ छोड़कर गंगा के पूर्वी छोर पर आए और गंगा किनारे कुटी बनाकर रहने लगे थे। मान्यता है, कि महाभारत काल में श्रीकृष्ण कौरवों को जब समझाने में असफल रहे, तो वह महात्मा विदुर की कुटी में आए थे। विदुर आश्रम में महात्मा विदुर के पदचिन्ह आज भी संगमरमर पर सुरक्षित है, जिसके दर्शन के लिए लोग उमड़ते हैं। उनकी विदुर नीति लोकमानस में आज भी लोकप्रिय है। चाणक्य नीति की तरह विदुर नीति को भी प्रमुख स्थान दिया गया है।

केंद्र में यूपी कैडर के आईपीएस अधिकारियों का दबदबा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कैडर के पांच आईपीएस अधिकारी इस समय केंद्र में पांच प्रमुख केंद्रीय बलों की कमान संभाले हुए हैं। ऐसा मौका कई वर्षों बाद आया है जब यूपी के पांच आईपीएस केंद्र में प्रतिनियुक्ति के दौरान प्रमुख केंद्रीय बलों के प्रमुख बने हैं जबकि कुछ अन्य आईपीएस अधिकारियों के प्रतिनुक्ति की मंजूरी भी मिल चुकी है जो जल्द ही वह अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगे।

केंद्र सरकार की ओर से जारी इम्पैनलमेंट की सूची के अनुसार यूपी कैडर के पांच आईपीएस अफसरो का केन्द्र में डीजी रैंक पर इंपैनलमेंट हुआ है। इसमें लखनऊ के एडीजी जोन सुजीत पांडे, कानपुर पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार, एडीजी रेलवे प्रकाश डी का केंद्र में डीजी रैंक में इंपैनलमेंट हुआ है। सुजीत पांडे का केंद्र में स्पेशल डायरेक्टर सीबीआई बनाए जाने की संभावना है जबकि अखिल कुमार का विदेश मंत्रालय में जाना तय माना जा रहा है। यूपी सरकार से एनओसी मिलते ही दोनों अफसर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाएंगे इससे पहले उत्तर प्रदेश कैडर के 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी संजय सिंघल को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) का नया महानिदेशक बनाया गया है। नए महानिदेशक के रूप में नियुक्ति के साथ यूपी आईपीएस कैडर ने प्रमुख केंद्रीय बलों का नेतृत्व करने वाले वे पांचवें अधिकारी बन गए हैं। दरअसल संजय सिंघल से पहले राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के महानिदेशक के रूप में सफी एहसान रिजवी, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक के रूप में दलजीत चौधरी, विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) के महानिदेशक के रूप में आलोक शर्मा, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के महानिदेशक के रूप में पीयूष आनंद और एसएसबी के महानिदेशक के रूप में संजय सिंघल शामिल हैं। कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने मंगलवार को सिंघल की पदोन्नति को मंजूरी दे दी। वर्तमान में बीएसएफ में विशेष महानिदेशक के रूप में कार्यरत हैं। वह 31 अगस्त को महानिदेशक अमृत मोहन प्रसाद की सेवानिवृत्ति के बाद 1 सितंबर को पदभार ग्रहण करने वाले हैं। सिंघल 31 दिसंबर, 2028 को अपनी सेवानिवृत्ति तक या अगले आदेश तक इस पद पर रहेंगे। उत्तर प्रदेश पुलिस के पूर्व महानिदेशक विक्रम सिंह के मुताबिक न केवल राज्य के लिए, बल्कि समग्र रूप से भारतीय पुलिस सेवा के लिए भी अत्यंत गौरव का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि कई वर्षों के बाद एक ही कैडर के पांच आईपीएस अधिकारियों को केंद्रीय अर्धसैनिक और विशिष्ट बलों का नेतृत्व सौंपा गया है। यह उत्तर प्रदेश कैडर की प्रतिभा को दर्शाता है। संजय सिंघल ने ईमानदारी, प्रशासनिक कौशल और परिचालन विशेषज्ञता के क्षेत्र में ख्याति अर्जित की। उन्हें पुलिस नियमों और राष्ट्रीय सुरक्षा ढाँचों की गहरी समझ के लिए जाना जाता है। 2008 और 2015 के बीच उन्होंने भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) में उप महानिरीक्षक और बाद में महानिरीक्षक के रूप में विशिष्ट सेवा प्रदान की थी।

हंसराज अहीर पहुंचे लखनऊ, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया स्वागत

राष्ट्रीय प्रसतवना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं दर्ज़ा प्राप्त केन्द्रीय मंत्री हंसराज अहीर बुधवार को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पहुंचे। यहां उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व भाजपा पिछड़ा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने हंसराज अहीर का स्वागत किया। इससे पूर्व उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक लखनऊ स्थित अपने आवास पर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आये आगंतुकों से भेंट कर उनकी समस्याओं को सुना एवं त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उत्तर प्रदेश में एमबीबीएस व बीडीएस सीटों पर प्रवेश को लेकर च्वाइस फीलिंग कल से

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा के अंतर्गत एमबीबीएस व बीडीएस की तकरीबन 13000 सीटों पर प्रवेश को लेकर पहले चरण की ऑनलाइन च्वाइस फीलिंग की प्रक्रिया गुरुवार से शुरू होगी। नीट यूजी की प्रवेश प्रक्रिया के तहत प्रदेश में सरकारी व निजी क्षेत्र में स्थापित मेडिकल कालेजों में एमबीबीएस की तकरीबन 10000 सीटें हैं, जबकि बाकी बची सीटें बीडीएस के अंतर्गत आती हैं। इन सीटों पर प्रवेश के लिये काउंसलिंग की प्रक्रिया चिकित्सा शिक्षा निदेशालय की तरफ से सम्पन्न कराई जाती है। निदेशालय की तरफ से जारी ऑनलाइन काउंसिलिंग कार्यक्रम के अंतर्गत ऑनलाइन च्वाइस फीलिंग की प्रक्रिया 31 जुलाई से लेकर अगस्त तक तक चलेगी। च्वाइस फिलिंग के दौरान अभ्यर्थी अपने मेरिट के हिसाब से सीटें लॉक कर सकेंगे। च्वाइस फीलिंग के लिए वही अभ्यर्थी योग्य होंगे, जिन्होंने रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूर्ण कर ली होगी और उनके मूल अभिलेखों का ऑनलाइन सत्यापन हो चुका होगा।

यूपी में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गूंज रही है 'कबूल है' की आवाज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सामूहिक विवाह योजना के तहत उत्तर प्रदेश में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 'कबूल है' कि आवाज भी गूंज रही है। यूपी में बीते आठ साल में अब तक मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत सरकार 4,77,680 लोगों के हाथ पीले करा चुकी है जबकि योजना पर 2378.1189 लाख रुपये खर्च कर चुकी है। कुल मिलाकर योजना में अल्पसंख्यकों की भी भागीदारी बढ़ चढ़ कर देखने को मिल रही है।

सामूहिक विवाह योजना के तहत केवल अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के निर्धन परिवार ही नही अपितु सामान्य और अन्य पिछड़ा वर्ग सहित अल्पसंख्यक वर्ग के परिवारों की भी बेटियां शामिल हैं। समाज कल्याण विभाग के अनुसार वित्तीय सत्र 2017-18 में जहां अल्पसंख्यक वर्ग के 1635 लोगों के सरकार ने निकाह कराया तो वहीं पर अन्य पिछड़ा वर्ग के 4957, एससी/एसटी के तहत 7141 और सामान्य वर्ग की 847 जोड़ों की शादियां कराई। वित्तीय सत्र 2018-19 में जहां अल्पसंख्यक वर्ग के 4973 लोगों के सरकार ने निकाह कराया तो वहीं पर अन्य पिछड़ा वर्ग के 13866, एससी/एसटी के तहत 21623 और सामान्य वर्ग की 1853 जोड़ों की शादियां कराई। इसी तरह 2019-20 में जहां अल्पसंख्यक वर्ग के 6040 लोगों के सरकार ने निकाह कराया तो वहीं पर अन्य पिछड़ा वर्ग के 15417, एससी/एसटी के तहत 23737 और सामान्य वर्ग की 1903 जोड़ों की शादियां हुई। 2020-21 में जहां अल्पसंख्यक वर्ग के 1878 लोगों के सरकार ने निकाह कराया तो वहीं पर अन्य पिछड़ा वर्ग के 6901, एससी/एसटी के तहत 13226 और सामान्य वर्ग की 775 जोड़ों की शादियां कराई। 2021-22 में जहां अल्पसंख्यक वर्ग के 5160 लोगों के सरकार ने निकाह कराया तो वहीं पर अन्य पिछड़ा वर्ग के 15256, एससी/एसटी के तहत 27155 और सामान्य वर्ग की 2073 जोड़ों की शादियां कराई। इसी प्रकार 2022-23 में जहां अल्पसंख्यक वर्ग के 8096 लोगों के सरकार ने निकाह कराया तो वहीं पर अन्य पिछड़ा वर्ग के 31903, एससी/एसटी के तहत 57973 और सामान्य वर्ग की 2902 जोड़ों की शादियां कराई। 2023-24 में जहां अल्पसंख्यक वर्ग के 8535 लोगों के सरकार ने निकाह कराया तो वहीं पर अन्य पिछड़ा वर्ग के 33913, एससी/एसटी के तहत 56903 और सामान्य वर्ग की 5589 जोड़ों की शादियां कराई। जबकि 2024-25 में जहां अल्पसंख्यक वर्ग के 9381 लोगों के सरकार ने निकाह कराया तो वहीं पर अन्य पिछड़ा वर्ग के 31518, एससी/एसटी के तहत 49812 और सामान्य वर्ग की 4837 जोड़ों की शादियां कराई हैं।

निदेशक समाज कल्याण कुमार प्रशांत के अनुसार योजना के तहत एक ही छत के नीचे सभी वर्गों के बेटियों की शादी कराई जा रही है। इसमें पंडित जहां मंत्रोच्चार के बीच शादियां कराते हैं, वही कंाजी या मौलवी निकाह पढाते हैं। उन्होंने कहा कि योजना के तहत सरकार जहां पहले 51 हजार एक जोड़े पर खर्च करती थी, वहीं अब इस धनराशि को बढ़ाकर एक लाख रुपया कर दिया गया है। इसमें 51 हजार नगद माध्यम से देने का प्राविधान है।

लखनऊ में ड्यूटी में गैरहाजिर मिले नौ डॉक्टर, कटेगा एक दिन का वेतन

लखनऊ। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण लखनऊ मंडल के अपर निदेशक डॉ. जीपी गुप्ता ने ड्यूटी में नदारद रहने वाले नौ डाक्टरों का एक दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ जनता को मिल रहा है या नही, इसको लेकर वर्चुअल भ्रमण पर निकले डा गुप्ता को लखनऊ की 10 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) व आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) में से महज एक ही स्थान पर डॉक्टर ने वीडियो कॉल रिसीव किया, जबकि नौ डॉक्टरों ने कॉल रिसीव नही किया। ऐसे में एडी लखनऊ ने मंगलवार को सीएमओ को निर्देश जारी कर स्पष्टीकरण लेने के साथ ही एक दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया है। दरअसल, अपर निदेशक डॉ. जीपी गुप्ता ने बीते 22 जुलाई को सुबह 11:15 बजे से वर्चुअल माध्यम से पारा, आजाद नगर, जुगौली, मवैया, जियामऊ, महानगर, नाका, वृंदावन, खदरा और दौलतगंज पीएचसी के अधीक्षकों को सामान्य कॉल और वीडियो कॉल किया।

कांग्रेस ने भाजपा पर लगाया सुरक्षा में नाकामी का आरोप

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने केंद्र सरकार पर बड़े आतंकवादी हमलों को रोकने में नाकाम रहने और राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में विदेशी दबाव के आगे झुकने का आरोप लगाया है। राय ने हाल ही में मीडिया से बातचीत में कहा कि इंडियन एयरलाइंस के विमान अपहरण, पुलवामा हमला, पहलगाम त्रासदी और संसद हमले जैसे आतंकवादी हमलों को रोकने में सरकार असफल रही है। उन्होने पूछा, अगर भाजपा उतनी ही सक्षम है जितना वह दावा करती है, तो वह इन घटनाओं को रोकने में नाकाम क्यों रही। सरकार ने आतंकवादी मसूद अजहर को बिरयानी खिलाने के बाद उसे रिहा भी कर दिया। यह ऐसी बात है जिसके लिए देश को उन्हें जवाबदेह ठहराना चाहिये। उन्होने आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापारिक दबाव के कारण 'आपरेशन सिंदूर' अभियान रोक दिया गया। उन्होंने कहा, ल्ल प्रधानमंत्री को यह बताना चाहिए कि अभियान क्यों रोका गया। अगर सरकार सतर्क होती, तो पहलगाम जैसे हमलों को रोका जा सकता था। राय ने दोनों देशों के बीच जल और व्यापार संबंधों के निलंबन के बावजूद भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैचों के जारी रहने की भी आलोचना की। यह आरोप लगाते हुए कि ये मैच जुए और वित्तीय हितों से प्रेरित हैं, उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बेटे और बीसीसीआई सचिव जय शाह की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने मांग की, यह मैच तुरंत रद्द किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर, राय ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारतीय सेना की अटूट प्रतिबद्धता की प्रशंसा की।

आईएफएटी दिल्ली 2026 उत्तर भारत की पर्यावरण टेक्नोलॉजी को बदलने के लिए तैयार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारत के तेज़ी से बढ़ते उद्योग और इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों ने पर्यावरण पर होने वाले इसके असर को उजागर किया है। इसी को ध्यान में रखते हुए, आईएफएटी दिल्ली पहली बार राजधानी में 22 से 24 अप्रैल 2026 तक भारत मंडपम में आयोजित होने जा रहा है, जो भारत में सस्टेनेबिलिटी की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। लगभग 60 सालों से आईएफएटी दुनियाभर में पर्यावरण से जुड़ी नई टेक्नोलॉजी की शुरुआत का केंद्र रहा है, और भारत में भी इसकी एक मजबूत पहचान बन चुकी है। मुंबई में इसके 11 सफल आयोजन यह साबित करते हैं कि जब तकनीकी विशेषज्ञ, नीति निर्माता और नगर निकाय एक साथ आते हैं, तो स्थायी बदलाव लाना संभव हो जाता है। अब मेस्से मुएनचेन इंडिया इसी जोश और उत्साह को दिल्ली लेकर आ रहा है। मेस्से मुएनचेन इंडिया के सीईओ और आईएमईए के प्रेसिडेंट भूपिंदर सिंह ने बताया कि आईएफएटी दिल्ली भारत के पर्यावरण टेक्नोलॉजी क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक पल है। इस प्रदर्शनी को अहम मंत्रालयों के करीब आयोजित करके, हम सिर्फ नई टेक्नोलॉजी नहीं दिखा रहे हैं, बल्कि उन्हें सीधे भारत की नीतियों का हिस्सा भी बना रहे हैं। उद्योगों पर ईपीआर नियमों, प्रदूषण नियंत्रण मानकों और नगर निगम के कचरा प्रबंधन लक्ष्यों को पूरा करने का दबाव बढ़ता जा रहा है। ऐसे में उत्तर भारत, भारत की पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी को निभाने में अहम क्षेत्र की भूमिका निभा रहा है। इसी जरूरत को देखते हुए आईएफएटी दिल्ली 2026 की शुरुआत हो रही है। राजधानी में इस दूसरे बड़े आयोजन को लाकर मेसे म्यूनचेन इंडिया एक जरूरी अंतर को भरने का काम कर रहा है।

दिल्ली की पहचान एक नीति और शासन केंद्र के रूप में चल रही सरकारी और निजी भागीदारी और नियमों पर संवाद को ठोस मजबूती देती है। इससे राज्य सरकारों, नगर निकायों और क्षेत्रीय उद्योग संगठनों की भागीदारी भी बढ़ती है, जो अक्सर राष्ट्रीय मंचों पर कम दिखते हैं। इसके नतीजतन एक ऐसा समावेशी और संतुलित पर्यावरण तंत्र होगा, जहाँ नई टेक्नोलॉजी दक्षिण भारत से उत्तर भारत की ओर सिर्फ आएगी ही नहीं, बल्कि उत्तर भारत के औद्योगिक विकास का हिस्सा भी बनेगी। इस व्यापार मेले में देश-विदेश के प्रमुख समाधान प्रदाता और उच्च स्तर के निर्णय लेने वाले लोगों के एक साथ आने की उम्मीद है, जिनमें शहरी योजनाकार, ईएसजी प्रमुख और सिटी इंजीनियर शामिल हैं। प्रदर्शनी में उन्नत जल शुद्धिकरण टेक्नोलॉजी, अगली पीढ़ी की रीसाइक्लिंग प्रणाली, विकेन्द्रीकृत गंदे पानी के समाधान और वेस्ट-टू-एनर्जी जैसी टेक्नोलॉजी दिखाई जाएंगी। सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एजुकेशन (सीईई) के सीनियर प्रोग्राम डायरेक्टर तुषार जानी ने बताया कि ठोस कचरा प्रबंधन से जुड़े विशेषज्ञों के लिए आईएफएटी दिल्ली एक बेहतरीन मंच होगा, जहाँ वे सीधे सरकार और उद्योग से जुड़े खरीदारों से जुड़ सकेंगे, इसमें शामिल लोग ऐसे खास मेलजोल से फायदा उठाएंगे, जो बातचीत को सीधे अनुबंधों में बदल सकती है।

घर के बाहर बरामदे में सो रहे किसान की चाकू से गोदकर हत्या

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। माल थाना अंतर्गत मड़वाना गांव में उस वक्त हड़कम्प मच गया। जब देर रात घर के बाहर बरामदे में सो रहे किसान राजू (45) की चाकू से गोदकर निर्मम हत्या कर दी गई। वारदात के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। बुधवार सुबह पत्नी ममता ने खून से लथपथ पति को देखा तो वह शोर मचाने लगी और ग्रामीणों की भीड़ भी एकत्र हो गई। जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीमों ने कुछ अहम साक्ष्य एकत्र किए। परिजनों से पूछताछ के बाद शव को पोस्टमार्टम में भेज राजू के चार करीबियों के खिलाफ हत्या की सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। फिलहाल, पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ कर जानकारी जुटाई जा रही है। एडीसीपी उत्तरी जितेंद्र दुबे के मुताबिक, माल के मड़वाना गांव निवासी राजू खेती-बाड़ी करता था। पत्नी ममता ने बताया कि मंगलवार रात करीब बजे पति राजू ने गांव के बाहर बहादुर, अमित और अशोक के साथ शराब पी थी। नशेबाजी के दौरान किसी बात को लेकर पति का झगड़ा भी हुआ था। जिसके बाद पति राजू वहां से घर लौट आए थे। आरोप है कि सोते वक्त उन्ही लोगों ने पति की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। ममता का कहना है कि आरोपितों ने रात करीब तीन-चार बजे वारदात को अंजाम दिया है। उन्होंने बताया कि बेटी काजल नागपंचमी पर मायके आई थी और रात 12 बजे तक सभी लोग जाग रहे थे। सुबह करीब छह बजे जब ममता ने दरवाजा खोला तो राजू का शव खून से सना पड़ा था।

अखिलेश के लिए सनातनी बहू-बेटियो की अस्मिता से बढ़कर मुस्लिम वोट बैंक

- डिम्पल पर विवादित टिप्पणी के मामले में अखिलेश की चुप्पी पर बोले अखण्ड आर्यावर्त के अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी बोले

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने सांसद डिम्पल यादव को लेकर मौलाना रशीदी की विवादित टिप्पणी पर अभी तक उनके पति और सपा मुखिया अखिलेश यादव की चुप्पी से सिद्ध हो गया है कि अखिलेश यादव के लिए सनातनी बहू-बेटियो की अस्मिता से बढ़कर मुस्लिम वोट बैंक ज्यादा महत्वपूर्ण है। जिसके लिए जो अपनी पत्नी की अस्मिता के लिए नहीं बोल सका, वह प्रदेश की बहू-बेटियो की रक्षा कैसे कर सकता है। श्री त्रिवेदी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मौलाना रशीदी की डिम्पल पर की गई टिप्पणी पूरे सनातनी समाज पर प्रहार करने वाली है, इसलिए सरकार को मौलाना रशीदी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। श्री त्रिवेदी ने कहा कि मुस्लिम वोट बैंक के लिए अपनी पत्नी डिंपल यादव के खिलाफ विवादित टिप्पणी पर चुप्पी साधने वाले अखिलेश यादव जैसी सोच रखने वाले सनातनी समाज के लोगों ने अपने ही सनातनी समाज और धर्म को नुक़सान पहुंचाने का काम किया है। श्री त्रिवेदी ने कहा कि अब समय आ गया है कि सनातन समाज को अपनी बहू-बेटियो के मान-सम्मान के लिए अखिलेश यादव जैसे लोगों की सोच रखने वालों का सनातन समाज से बहिष्कार कर देना चाहिए। वहीं संविधान की रक्षा के नाम लोकतंत्र की बात करने वाली समाजवादी पार्टी में जरा सा भी लोकतंत्र बचा है तो समाजवादी पार्टी के कार्यकारिणी को तत्काल आवश्यक बैठक बुलाकर सनातन विरोधी और बहू-बेटियो के मान-सम्मान पर ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणी पर चुप्पी साधने वाले राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पार्टी से निलंबित कर बाहर का रास्ता दिखाना चाहिए।

राष्ट्रीय लोकदल की प्रदेश स्तरीय सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक सम्पन्न

- प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय ने की अध्यक्षता, पंचायत चुनाव व विधानसभा की तैयारी पर ज़ोर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल द्वारा आज प्रदेश कार्यालय, लखनऊ में सदस्यता अभियान के क्षेत्रीय प्रभारियों एवं क्षेत्रीय अध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय ने की, जबकि संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सदस्यता प्रभारी श्री आदित्य विक्रम सिंह ने किया। बैठक में राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व विधायक श्री शिवकरण सिंह भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में जिलेवार, विधानसभा स्तर और बूथ स्तर तक सदस्यता अभियान को तेज़ करने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि आगामी पंचायत चुनाव और फिर विधानसभा चुनाव बहुत निकट हैं, ऐसे में संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करना समय की आवश्यकता है। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय ने कहा, राष्ट्रीय लोकदल का सदस्यता अभियान केवल एक संगठनात्मक कवायद नहीं, बल्कि आम जनता से सीधे संवाद का माध्यम है। हमारा लक्ष्य हर गाँव, हर वार्ड, हर बूथ तक पहुंच बनाना है। पूर्व विधायक एवं राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवकरण सिंह ने कहा कि एन डी ए सरकार की नीतियों से जनता को सीधे लाभ पहुंच रहा है। राष्ट्रीय लोकदल एक मजबूत विकल्प बनकर उभरेगा। इसके लिए सदस्यता अभियान को पंचायत स्तर तक फैलाना जरूरी है। सदस्यता प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष आदित्य विक्रम सिंह ने कहा, हम प्रत्येक क्षेत्रीय प्रभारी से क्षेत्रवार रिपोर्ट लेंगे और बूथवार कार्य योजना के साथ आगे बढ़ेंगे। हमारी प्राथमिकता है ऽ सक्रिय सदस्य, बूथ पर कार्यकर्ता और चुनावी तैयारी। प्रदेश संगठन महासचिव अजित राठी ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल का यह सदस्यता अभियान संगठन के पुनर्गठन, जनसंपर्क विस्तार और राजनीतिक वैकल्पिक शक्ति निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल उत्तर प्रदेश के मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने बताया कि बैठक में अवध, बुंदेलखंड, काशी, प्रयागराज, कानपुर, रुहेलखंड, संत कबीर, तराई और हस्तिनापुर जैसे क्षेत्रों के अध्यक्ष व सदस्यता प्रभारी उपस्थित रहे। सभी ने अपने-अपने क्षेत्रों की रिपोर्ट प्रस्तुत की और सदस्यता अभियान को लेकर अपने अनुभव साझा किए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पंचायत चुनाव के पूर्व बूथ स्तर तक संगठन की पुनः समीक्षा की जाएगी। बैठक में राष्ट्रीय सचिव विजय श्रीवास्तव, वसीम हैदर, रजनीकांत मिश्रा, चंद्रबली यादव, राजवीर सिंह, रामवीर सिंह, विवेक चौधरी, रामसजीवन पटेल, चौधरी राम सिंह पटेल, पी के पाठक, सूर्य नारायण सिंह, चंद्रकांत अवस्थी, रमावती तिवारी, अफसर अली, सत्य प्रकाश तिवारी आदि पदाधिकारियों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय हरदोई की प्रबंध समिति की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने केंद्रीय विद्यालय आय व व्यय के दस्तावेजों का निरीक्षण किया। कार्यक्रम की शुरुआत में केंद्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहम्मद राशिद ने जिलाधिकारी व अन्य अतिथियों का हरित पौध देकर स्वागत किया। इसके उपरांत जिलाधिकारी व अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ बैठक की औपचारिक शुरुआत हुई। कक्षा 6 की बच्चियों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया जिस पर संगीत वादन संगीत शिक्षक शंकर लाल ने हारमोनियम से साथ दिया। जिलाधिकारी ने नन्हे मुन्ने तबला वादक नित्यम व आकाश से परिचय लिया। जिलाधिकारी ने पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय मलिहामऊ को रीजन में सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने के लिए बधाई दी। उन्होंने विद्यालय के परीक्षा परिणाम की जानकारी ली तथा विद्यालय प्रबंधन से 95 प्रतिशत से अधिक अंक वाले बच्चों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ।उन्होंने कहा कि साइंस व मानविकी में कक्षा 10 वह 12 में सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाले बच्चों की सूची उपलब्ध कराई जाए। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि विद्यालय में वोकेशनल लैब का उद्घाटन 5 सितंबर को कर लिया जाए। विद्यालय परिसर में वाई.फाई सुविधा का सुदृढ़ीकरण किया जाए। आवश्यकतानुसार उपकरणों की खरीद की जाए। जिलाधिकारी ने विद्यालय के प्रधानाचार्य से रिक्त पदों की जानकारी ली। प्रधानाचार्य ने अवगत कराया कि अर्थशास्त्र व इतिहास के पदों पर स्थाई नियुक्ति नहीं है। इसके लिए मानदेय के आधार पर शिक्षकों को रखा गया है। जिलाधिकारी ने श्रेणीवार विद्यालय में प्रवेश की जानकारी ली। उन्होंने STEM के बारे में जाना। विद्यालय प्राचार्य ने बताया कि STEM के अंतर्गत बच्चे मॉडल इत्यादि का निर्माण करते हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि अटल टिंकरिंग लैब को अधिक उपयोगी बनाया जाए। स्कूल को वाई.फाई से लैस किया जाए। लैब में ब्लूटूथ से चलने वाली कार का मॉडल इत्यादि तैयार कराया जाए। सड़क सुरक्षा पर प्रोजेक्ट तैयार किया जाए। जिलाधिकारी ने इसके उपरांत लर्निंग एवं आंकिक कौशल प्रशिक्षण की जानकारी ली। विद्यांजलि कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने विद्यालय को फाइव स्टार श्रेणी मिलने पर प्रबंधन को बधाई दी। प्राचार्य ने विद्यांजलि के बारे में जिलाधिकारी को अवगत कराया कि इसके अंतर्गत लोग विद्यालय को आवश्यक वस्तुओं व सेवाओं का दान करते हैं। जिलाधिकारी ने विद्यालय प्रबंधन से उसकी वर्तमान जरूरत के बारे में जानकारी ली। प्रबंधन ने बताया कि यूपीएस व उसकी बैटरीए 1 केवी इनवर्टरए 5 केवीए का सोलर सिस्टम 10 अलमारी 10 टीचर टेबल की आवश्यकता है। जिलाधिकारी ने तत्काल इन उपकरणों की उपलब्धता के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने हेतु संबंधित को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने विद्यालय में बच्चों के टेस्ट आदि की जानकारी ली। विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि बच्चों का मासिक व त्रैमासिक टेस्ट तथा अर्ध वार्षिक व वार्षिक परीक्षा करायी जाती है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि बच्चों के लिए रेमेडियल क्लास व रेमेडियल टेस्ट की व्यवस्था की जाए। 5 सितंबर से बच्चों को प्रतिशत सप्ताह 2 घंटे की रिमेडियल क्लास कराई जाए। विद्यांजलि में गणित, विज्ञान, अंग्रेजी आदि की रेमेडियल कक्षाएं वॉलिंटियर्स के माध्यम से चवाई जाएं। कॉलेज के प्राचार्य ने जिलाधिकारी को विद्यालय की हाल में अर्जित उपलब्धियों के बारे में बताया। इसके साथ ही उन्होंने प्रस्तावित कार्यक्रमों के बारे में भी बताया। जिलाधिकारी ने विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया कि विद्यांजलि के अंतर्गत आवश्यकताओं की एक सूची बनाकर प्रेषित की जाए। कक्षा 6 के बच्चों को पब्लिक स्पीकिंग कराई जाए ताकि उनके अंदर आत्मविश्वास पैदा हो सके। उन्होंने एडोलोसेंट एजुकेशन के बारे में जानकारी ली तथा निर्देशित किया कि बच्चों को गुड टच व बैड टच के बारे में अच्छी तरह से बताया जाए। बैठक कक्ष में चाइल्डलाइन द्वारा बनाई गई गुड टच व बैड टच पर आधारित एक लघु फिल्म दिखाई गई। जिलाधिकारी द्वारा संबंधित शिक्षकों को निर्देशित किया गया कि कक्षा एक से पांच तक के बच्चों को यह फिल्म दिखाई जाए तथा इसके बारे में बताया जाए। इसके अतिरिक्त उन्होंने कहा कि बॉडी डिस्मॉर्फिफ़िया के कारण किसी बच्चे को हतोत्साहित न होने दें। जैसे यदि कोई बच्चा अधिक वजन का है तो लोग उसका मजाक उड़ा सकते हैं या उसे गलत तरीके से छू सकते हैं ऐसे बच्चों के अंदर आत्मविश्वास पैदा करने के लिए प्रयास किए जाएं। बैठक के अंत में विद्यालय के प्राचार्य मोहम्मद राशिद ने जिलाधिकारी व अन्य सदस्यों को प्रेरक पुस्तक भेंट की। जिलाधिकारी ने भौतिक विज्ञान की प्रयोगशाला का निरीक्षण किया तथा विभिन्न प्रयोग मॉडलों को देखा। उन्होंने रसायन विज्ञान की प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया तथा शिक्षक से रासायनिक पदार्थ, बीकर, परखनली आदि सामग्री व उपकरणों की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। मंच का संचालन लाइब्रेरियन आदेश ने किया। इस अवसर पर समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

क्रय केंद्र मंडी परिसर में खरीदेंगे किसानों की मूंगफली: नेनेराम

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। किसानों की मूंगफली की उपज खरीदने के लिए खोले गए सरकारी क्रय केंद्र मंडी परिसर से बाहर होने पर किसानों को नही मिल पा रहा था इसका लाभ। एसडीएम ने मंडी सचिव को निर्देश देकर क्रय केंद्र सेंटरो को मंडी परिसर में लगवाने को कहा।

बुधवार को मंडी पहुँचे एसडीएम नेनेराम ने मंडी सचिव अमित यादव को निर्देश देते कहा कि किसानों की मूंगफली की उपज खरीदने के लिए खोले गए सरकारी क्रय केंद्रों को मंडी में लगवाए जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके। मंडी सचिव अमित यादव ने बताया कि 21 जुलाई 2025 से मूंगफली खरीद के लिए क्रय केंद्र शुरू किए गए थे जो मंडी परिसर से बाहर खरीद कर रहे थे। मंडी में मूंगफली का भाव 45 सौ रुपये कुंटल से 51 सौ रुपए कुंटल का है जब कि सरकार रेट 6783 रुपए कुंटल है। मंडी सचिव ने एसडीएम के निर्देश पर मंडी परिसर में प्लेटफार्म नंबर दो पर एसएफसी के अंडर नेफेड, व पीसीयू क्रय केंद्रों को अपने अपने केंद्र खोलने को कहा प्लेटफार्म 2 पर नेफेड का बोर्ड मूंगफली खरीद के लिए टांग दिया गया। नेफेड की खरीद हरदोई के व्यापारी अभय व पीसीयू के पंकज कर रहे है। पीसीएफ नेफेड की मूंगफली खरीद की लिमिट 5 हजार कुंटल है पीसीयू की लिमिट का अभी निर्धारण नही किया गया खरीद के दरमियान एक मंडी कर्मचारी व एक कर्मी एसडीएम कार्यालय से तैनात रहेगा। मंडी में व्याप्त गंदगी व कीचड़ व पेयजल के ठिकानों पर व्याप्त जलभराव व गंदगी की समस्या पर उन्होंने कहा कि अभी मैने 1 जुलाई को कार्यभार ग्रहण किया है उक्त समस्याओं को जल्द ही दूर किया जाएगा। मंडी परिसर में 12 दुकानें खाली पड़ी है जिनका आवंटन व्यापारियों को नही किया गया जिसपर उन्होंने कहा कि ये दुकानें एससीए एसटी व्यक्तियों के लिए है लेकिन यहाँ कोई व्यापारी इस कास्ट का नहीं है शासन से अन्य कॉस्ट को दुकानें एलाट करने के लिए डिमांड भेजेंगे। वहा से परमिशन मिलने पर दुकानों का आवंटन किया जाएगा।

परमाणु शक्ति सम्पन्न होने के कारण वैश्विक स्तर पर भारत को गम्भीरता से लिया जा रहा है: नमिता त्रिपाठी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हरदोई में 'भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के जन्म शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत' 'भारत की विदेश नीति और अटल जी' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का आरम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य एवं कार्यक्रम के समन्वयक डॉ0 अजित आनन्दमणि द्वारा भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। अटल बिहारी बाजपेयी के कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए बी0एड0 तृतीय समेस्टर के छात्र अमन दुबे ने उनके द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ में दिये गये भाषण को रेखंकित किया।

बी0एड0 तृतीय सेमेस्टर की छात्रा ज्योति यादव ने श्री बाजपेयी के विदेश नीति विभिन्न आयामों की चर्चा की। पूर्णिमा सेन ने बताया कि श्री बाजपेयी की विदेश नीति, आदर्शवाद एवं यथार्थवाद के समन्वय का बेहतर उदाहरण है। बी0एड0 तृतीय की छात्रा तरूशिखा ने श्री अटल बिहारी बाजपेयी द्वारा आयोजित भारतीय प्रवासी दिवस की चर्चा की जिसमें भारतीय डायस्थोरा के लोगों का मनोबल बढ़ाया है। बी0एड0 तृतीय सेमेस्टर की छात्रा लकी तिवारी ने वैश्विक स्तर पर द्विपक्षीय सम्बन्धों को मजबूत करने में श्री बाजपेयी की विदेश नीति को सफल बताया। बी0एड0 तृतीय सेमेस्टर की छात्रा निधि मिश्रा ने श्री बाजपेयी की सरकार द्वारा परमाणु परीक्षण के बाद घोषित 'नो फस्ट यूज' की योजना को रेखांकित किया। कार्यक्रम के समापन पर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बी0एड0 विभाग की सहायक प्रोफेसर नमिता त्रिपाठी ने बताया कि पहलगाम की घटना और भारत द्वारा की गई कठोर कार्यवाही इस बात का प्रमाण है कि परमाणु शक्ति सम्पन्न होने के कारण वैश्विक स्तर पर भारत को गम्भीरता से लिया जा रहा है। कार्यक्रम में डॉ0 शैलजा शर्मा एवं राजकिशोर पाण्डेय ने अपनी गरिमामई उपस्थिति से प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया।

रोजगार मेले मे 35 अभ्यर्थियों को किया गया चयनित

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय, हरदोई द्वारा एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन जिला सेवायोजन कार्यालयए हरदोई में किया गया जिसमें 03 कम्पनियों ने भाग लिया। आयोजित रोजगार मेले में लगभग 85 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। जिसमें कम्पनी के अधिकारियों ने उपस्थित अभ्यर्थियों को कम्पनी एवं उससे सम्बन्धित कार्य तथा प्राप्त वेतन व भत्ते के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इच्छुक अभ्यर्थियों ने आवेदन के रूप में कम्पनी द्वारा निर्धारित प्रपत्र को भरकर परीक्षाध्साक्षात्कार में भाग लिया। साक्षात्कार में सफल 35 अभ्यर्थियों को चयनित किया गया।

फ्लैगशिप योजनाओं पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला

राष्ट्रीय प्रस्तावना

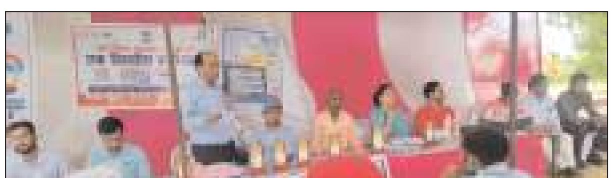

हरदोई। मेरा युवा भारत, हरदोई, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालयए भारत सरकार के तत्वावधान में केंद्र एवं राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं के विषय में जनजागरुकता के लिए टड़ियावां के मोहमदापुर ग्राम में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला युवा अधिकारी प्रतिमा वर्मा ने विभिन्न विभागों से आए प्रतिनिधियों के स्वागत करने के साथ उपस्थित युवाओं को कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्य बताया। कार्यशाला में डॉ० सुशील कुमार कन्नौजिया, अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, टड़ियावां द्वारा स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की जानकारी दी गई। जिला उद्योग केंद्र से अपर सांख्यिकीय अधिकारी, जगत नारायण सिंह यादव द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना एवं अन्य लाभकारी योजनाओं के विषय में बताया गया। कौशल विकास विभाग से स्टेट हेड, दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना रामप्यारे प्रसाद द्वारा युवाओं के लिए विभिन्न आवासीय एवं गैर आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। जिला परियोजना अधिकारी, नमामि गंगे अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा अर्थगंगा परियोजना से युवाओं को जुड़ने के लाभ बताए गए और इससे जुड़ने की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। लीड बैंक से ग्रामीण स्व रोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक विक्रांत ओझा द्वारा विभिन्न स्वरोजगार प्रशिक्षण योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला में 70 से अधिक युवाओं एवं अन्य ग्रामवासियों की उपस्थिति रही। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत ग्रामवासियों द्वारा पौधरोपण भी किया गया। जिला युवा अधिकारी द्वारा कार्यशाला को सफल बनाने के लिए विभिन्न विभागों से आए अतिथियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम संयोजन एवं संचालन संदीप कुमार पाल, युवा मंडल अध्यक्षए मोहमदापुर द्वारा किया गया।

चोरों ने कबाड़ की गोदाम का ताला काट कर चोरी की घटना को दिया अंजाम

इसी गोदाम में हुई चोरी फोटोः राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। कोतवाली क्षेत्र के खेड़ा अजमत स्थित कबाड़ की एक गोदाम में चोरों ने मंगलवार बुधवार की मध्य रात्रि 03:00 बजे के आसपास गोदाम का पीछे के दरवाजे का ताला काट कर कबाड़ चोरी कर लिया और आराम से चलते बने। घटना की लिखित तहरीर पीड़ित गोदाम मालिक द्वारा कोतवाली में दी गई है। खेड़ा बीबीजयी के रहने वाले आसाराम की पाली रोड पर खेड़ा अजमत में कबाड़ की गोदाम है। मंगलवार बुधवार की मध्य रात्रि 03:00 बजे के आसपास चोरों ने उनकी गोदाम के पीछे के दरवाजा के ताले तोड़कर चोर घुसे। और प्लास्टिक, लोहा, पीतल और स्टील चोरी कर ले गए। सुबह आसाराम जब अपनी गोदाम पर पहुंचे तो सामान गायब देखकर दंग रह गए। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची। घटना की लिखित तहरीर गोदाम मालिक द्वारा पुलिस को दी गई है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार त्रिपाठी ने बताया घटना संज्ञान में है जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

बाइक टकराई, तीन घायल

शाहाबाद (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। सकाहा मंदिर से वापस लौट रहे एक बाइक सवार को दूसरे बाइक सवार ने टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार, उसकी पत्नी तथा बेटी घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। बिहारिमपुर थाना पाली का रहने वाला दाताराम 26 जुलाई को दोपहर अपनी पत्नी शांति देवी और पुत्री ज्योंति के साथ बाइक से सकाहा शिव मंदिर पर जल चढ़ाकर वापस लौट रहा था। वह जैसे ही बेहटा गोकुल गांव पहुंचा पीछे से आ रहे तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दी जिससे तीनों घायल हो गए। दाताराम का हाथ टूट गया। पत्नी और बेटी को काफी चोटे आई हैं। सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। बाइक नंबर के आधार पर बाइक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराए गयी।

फरियादियों के प्रार्थना पत्र लिखवाने के नाम पर यदि किसी ने पैसा लिया तो उसकी खैर नहीं: एसपी

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थानों के बाहर खोखो व गुमटियों पर दलाल जमा रहते थे लेकिन अब थानों में नि:शुल्क लिखे जायेगें फरियादियों के

प्रार्थना पत्र पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन के आने के बाद से अब यह प्रकिया लागू की गई है थाने से लेकर एसपी ऑफिस तक फरियादी अब खुद ही अपनी फरियाद लेकर मिलता है। इसी कड़ी में एसपी नीरज कुमार जादौन ने एक बड़ा आदेश दिया है जिसकी सभी प्रशंसा कर रहे हैं, एसपी ने थाने के बाहर गुमटियों पर मौजूद रहने वाले तथा कथित दलालों व फरियादियों की तहरीर लिखने वालों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन ने दो टूक शब्दों में कहा यदि किसी फरियादी की फरियाद संबंधी प्रार्थना पत्र लिखने पर किसी प्रकार की धन की वसूली की गई तो उसके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसपी नीरज कुमार जादौन ने स्पष्ट किया कि फरियादी स्वयं नहीं लिख पाता है तो वह कोतवाली में मुंशी या दीवान से एप्लीकेशन लिखवाएगा जिसकी वीडियो ग्राफी भी कराई जाएगी। जिससे यह सिद्ध होगा कि जो फरियादी बोल रहा है, प्रार्थना पत्र में वही लिखा है या कोई संशोधन किया गया। कहीं-कहीं तो थाने के बाहर गुमटी वाले फरियादियों से तीन से 400रू तक मोटी रकम वसूल करते थे, साथ ही थाने के अंदर पैरवी करने के नाम पर एप्लीकेशन लिखने वाले दलाली का धंधा भी जोर-जोर से करते हुए दिखाई पड़ रहे थे। पंचायत चुनाव के नजदीक आने पर इस तरीके की एप्लीकेशन की बाढ़ सी आ जाती है। थाने के बाहर गुमटी / खोखो को पर बैठने वाले दलाल किस्म के लोग धारा बढ़ाने के नाम पर मोटी रकम वसूल कर एप्लीकेशन लिखते हैं लेकिन, पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन की सख्ती के चलते अब यह संभव नहीं हो पाएगा।

युवक ने चाचा को पीट कर घायल किया

शाहाबाद (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के अचोली दुलारपुर निवासी एक महिला को उसके भतीजे ने पीट कर घायल कर दिया। घटना की नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई। समिना पत्नी सलीम के अनुसार उसके जेठ शरीफ उर्फ कल्लू का पुत्र अब्दुल रहमान शराब पीकर उसे अक्सर गाली गलौज करता है। बकौल पीड़िता 29 जुलाई को शाम 04:00 बजे वह अपने दरवाजे पर बैठी थी। उसी समय अब्दुल रहमान शराब पीकर आया और गंदी.गंदी गालियां देने लगा। गालियां देने से उसे मना किया तो उसने उसकी पिटाई कर दी जिससे उसे काफी चोटे आई हैं। घटना की नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

लेटकर जलाभिषेक करने जा रहा युवक

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पांचाल घाट फर्रुखाबाद से जल

भरकर पंद्रह दिन से लेट कर चल रहा एक शिव भक्त सकाहा में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेगा। कोतवाली के पसगमा गांव का रहने वाला 20 वर्षीय युवक मोहित सिंह अपने को कट्टर हिंदू बताता है। मोहित सिंह के अनुसार पिछले 15 दिन से वह पांचाल घाट से जल भरकर लेट कर आ रहा है मंगलवार को शाम हरदोई शाहजहांपुर हाईवे पर डाक बंगले के पास पहुंचा। यहां पर मोहित सिंह को देखने के लिए भारी भीड़ एकत्रित हो गई। मोहित सिंह के साथ उसके सहयोगी और परिजन साथ में चल रहे हैं। मोहित सिंह ने बताया भगवान भोलेनाथ का वह भक्त है। अपनी अटूट श्रद्धा के चलते वह लेट कर सकाहा मंदिर पहुंचेगी और वहां भोलेनाथ को जल चढ़ाएगा।

सीमेंट ब्रिक प्लांट के चौकीदार की हत्या का खुलासा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पुलिस गिरफ्त में हत्यारे फोटोः राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। कोतवाली क्षेत्र के हुंसेपुर के निकट सीमेंट ब्रिक प्लांट के चौकीदार की 18ध19 जुलाई की रात में हुई गई हत्या के मामले में सर्विलांसए स्वाट और पुलिस की संयुक्त टीम ने दो को आला कत्ल के साथ गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। पकड़े गए दोनों अभियुक्तों को जेल भेज दिया गया। 19 जुलाई को तेजा पुत्र रामसरन निवासी ग्राम हूंसेपुर गांव से कुछ दूर स्थित सीमेंट ब्रिक्स बनाने के प्लांट पर चौकीदारी का कार्य करते थे। उसका शव सीमेंट ब्रिक्स बनाने के प्लांट से कुछ दूरी पर मिला था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुँचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया तथा फील्ड यूनिट द्वारा मौके पर साक्ष्य संकलन की कार्यवाही की गई। शव को नियमानुसार पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी भेजा गया। मृतक के पुत्र मुकेश उर्फ गुड्डू पुत्र तेजा की तहरीर के आधार पर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर परिजनों से वार्ता कर प्रकरण में न्यायोचित कार्यवाही करने का भरोसा दिया गया। अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु स्वाटएसर्विलांस एवं पुलिस टीम को निर्देशित किया गया। 25 जुलाई को जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक के समक्ष थाना लोनार क्षेत्र के रामबरन पुत्र कप्तान निवासी जगदीशपुर पेश हुए जो दिनांक 06/07 जुलाई की रात्रि में अपने ट्यूबवेल पर सो रहे थे जिनके साथ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा मारपीट की गयी थी जिसमें उनको गम्भीर चोटें आई थी। जिसके सम्बन्ध में थाना लोनार पुलिस ने अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा दोनों घटनाओं की जांच के लिये स्वाट सर्विलांस की टीम को लगाया गया। टीम की मदद से अंकित पुत्र आशाराम निवासी ग्राम पंडितपुरवा कोतवाली देहात और रामसेवक पुत्र किशोरी लाल निवासी ग्राम मढिया कोतवाली देहात को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त 02 अदद साइकिल व अभियुक्तों की निशानदेही पर आला कत्ल 02 डंडे बरामद किये गये। पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ करने पर ज्ञात हुआ कि उनके द्वारा अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर हूंसेपुर स्थित सीमेन्ट ब्रिक्स बनाने के प्लान्ट में लगे जनरेटर के अल्टीनेटर से तांबे का तार चोरी करने के लिये गये थे। ईटें बनाने के प्लान्ट पर झोपडी में सो रहे मृतक तेजा द्वारा अभियुक्तों को देख लेने पर उन्होंने डंडे से वार कर गम्भीर रुप से घायल कर दिया था जिससे उसकी मृत्यु हो गयी। जिसके उपरांत अभियुक्तों द्वारा अल्टीनेर से तांबे का तार चोरी कर मोके से फरार हो गये। गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर दिनांक 6.7 जुलाई की रात्रि में थाना लोनार के ग्राम जगदीशपुर के बाहर ट्यूबवेल पर सो रहे एक व्यक्ति के साथ मारपीट की थी। इस संबंध में थाना लोनार पर अभियोग पंजीकृत है। अभियुक्तों ने ये भी बताया कि रात में शराब पीने के बाद में ट्यूबवेल व जनरेटर से चोरी करते थे। पुलिस अधीक्षक द्वारा घटना के सफल अनावरण करने वाली टीम को 25000/- रुपये पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की गयी है।

चोरों ने नकब लगाकर नकदी सहित ढाई लाख के समान पर हाथ साफकिया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

इस तरह चोरों ने लगाई नकब फोटोः राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम कपूर बहोरन में सोमवार मंगलवार की मध्य रात्रि तकरीबन 2:00 बजे चोरों ने एक घर को अपना निशाना बनाया और नगदी सहित जेवर तथा सामान पर हाथ साफकर दिया। घटना की लिखित तहरीर पीड़ित द्वारा पुलिस को दी गई है। कपूरपुर बहोरन गांव निवासी श्रीमती गुड्डी के अनुसार सोमवार मंगलवार की मध्य रात्रि में 2:00 बजे के आसपास चोरों ने उसके घर में नकब लगाकर रूपये 100,000 की नगदी सहित जेवर और सामान चोरी कर लिया। गुड्डी जब सुबह उठी तो घर का सारा सामान बिखरा हुआ देखकर रोने लगी। उसने चेक किया तो भैंस बेच कर मां का इलाज करने के लिए रखी गई 20,000 की नकदी एवं यूकेलिप्टस के पेड़ बेच कर रखी गए नकदी सहित काफी जेवर और सामान गायब था। पीड़ित ने बेहटा गोकुल थाने में तहरीर दी। पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस ने जांच पड़ताल की है । प्रभारी निरीक्षक ने बताया जल्द ही चोरी का खुलासा किया जाएगा।

तकनीक और छंटनी

पिछले कुछ वर्षों में भारत में बड़े पैमाने पर होने वाले तकनीकी परिवर्तनों के प्रति खासा उत्साह देखा गया है। देश में सामाजिक व आर्थिक स्तर पर तेजी से डिजिटल परिवर्तन को जनसाधारण ने भी उत्साह के साथ अंगीकार किया है। इस उम्मीद के साथ कि बदलते वक्त के साथ कदमताल करना अपरिहार्य है। आकांक्षा यह भी कि तकनीकी बदलाव के दौर में दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश में रोजगार के नये अवसर भी सृजित हों। ऐसे परिदृश्य में देश की प्रतिष्ठित मानी जाने वाली टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज यानी टीसीएस द्वारा बारह हजार से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा एक परेशान करने वाला घटनाक्रम है। यह संख्या संस्था के कुल कार्यबल का दो फीसदी बैठता है। निस्संदेह, छंटनी का यह फैसला आईटी क्षेत्र में आसन्न संकट की आहट को ही दर्शाता है। कहा जा रहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से प्रेरित तकनीकी हस्तक्षेप और वैश्विक स्तर पर मांग को लेकर उत्पन्न अनिश्चितताओं के चलते भारत की प्रतिष्ठा का पर्याय रहा आईटी सेवा उद्योग संरचनात्मक बदलाव की ओर बढ़ रहा है। इस बाबत टीसीएस की दलील है कि इन नौकरियों में कटौती कौशल की कमी और अपने विकसित होते व्यावसायिक मॉडल में कुछ कर्मचारियों को फिर से नियुक्त करने में असमर्थता के चलते की गई है। हालांकि, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का दावा है कि इस कदम के पीछे एआई से प्रेरित उत्पादकता वृद्धि नहीं है। उद्योग या बाजार की प्राथमिकताएं भी नहीं हैं। लेकिन मौजूदा समय में यह कदम लागत-अनुकूलन पहलों के चलते अन्य आईटी सेवा कंपनियों में भी छंटनी को बढ़ावा दे सकता है। इसमें दो राय नहीं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कारोबार के नियमों में मौलिक बदलाव के चलते, भविष्य के लिये तैयार रहना हर व्यावसायिक उद्यम के एजेंडे में सबसे ऊपर होगा। इस नई हकीकत को देखते हुए, एक सवाल सबसे ज्यादा विचलित करने वाला यह है कि यह तकनीकी बदलाव अनिवार्य रूप से कर्मचारियों की कीमत पर होना चाहिए? बताया जाता है कि टीसीएस ने एआई को उन्नत करने और प्रशिक्षण में भारी निवेश किया है। इसके उपरांत बताया जा रहा है कि अब वह कई माध्यम से वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को सेवा में बनाये रखने में असमर्थता जता रही है। यह मानना कि नई तकनीक के साथ संवेदनशील समायोजन हमेशा लाभदायक नहीं रहता, की सोच ने एक खतरे की घंटी बजा दी है। देश के बड़े व छोटे व्यवसायों द्वारा नए तकनीकी मॉडल को आंख बंद करके अपनाने से एक परेशान करने वाले परिदृश्य का खतरा सामने नजर आ रहा है। इन उद्योगों को चिंता है कि तकनीकी बदलाव की स्पर्धा के इस परिदृश्य में कहीं वे पीछे न रह जाएं। इस अनिश्चित समय में, एक उम्मीद की किरण,यदि कोई है, तो वह है भारत का पिछले कुछ वर्षों में बड़े पैमाने पर सफलता से तकनीकी परिवर्तन को स्वीकार करना। देश ने हर सामाजिक और आर्थिक स्तर पर तेजी से डिजिटल तकनीक को सहजता से स्वीकार किया है। एआई को अपनाने के लिये उसी तरह सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के समर्थन-सहयोग की आवश्यकता है। सार रूप में कहें तो एक भारतीय दृष्टिकोण, जो मानव संसाधन और परिवर्तन के अनुकूल होने की उसकी क्षमता को महत्व देता है। निस्संदेह, भारत एआई के उपयोग के मामले में अमेरिका व यूरोप नहीं हो सकता। दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले देश में बेरोजगारी का संकट किसी से छिपा नहीं है। देश में श्रमबल का कौशल विकास धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है। सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में आईटी पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। टीसीएस के इस फैसले से आईटी पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे उन लाखों छात्रों और डिग्री लेकर निकल रहे उत्साही इंजीनियरों में निराशा व्याप्त होगी। भारत में बढ़ता रोजगार संकट केंद्र सरकार से निरंतर हस्तक्षेप की मांग करता है। हाल ही में हरियाणा में कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित दो दिवसीय परीक्षा में लाखों प्रत्याशियों का शामिल होना बताता है कि बेरोजगारी किस पैमाने पर है। यह भी कि उनके लिये अवसर बेहद कम हैं।

आकांक्षा यह भी कि तकनीकी बदलाव के दौर में दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश में रोजगार के नये अवसर भी सृजित हों। ऐसे परिदृश्य में देश की प्रतिष्ठित मानी जाने वाली टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज यानी टीसीएस द्वारा बारह हजार से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा एक परेशान करने वाला घटनाक्रम है। यह संख्या संस्था के कुल कार्यबल का दो फीसदी बैठता है। निस्संदेह, छंटनी का यह फैसला आईटी क्षेत्र में आसन्न संकट की आहट को ही दर्शाता है।

आतंकवाद पर भारत की निर्णायक कार्रवाई

मयंक चतुर्वेदी

भारत सरकार की ओर से बताया भी गया, कैसे इस अभियान में 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया और पाकिस्तान के 11 हवाई ठिकानों को भी तबाह किया गया था। वास्तव में 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए नृशंस हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इस हमले में 26 निर्दोष लोगों को केवल उनके धर्म के आधार पर निशाना बनाया गया, जो इस्लामिक कलमा नहीं पढ़ पाए उन्हें गोलियों से भून दिया गया। तब यह जरूरी भी था कि आतंक का जवाब उसी भाषा में दिया जाए जिसे ये आतंकवादी समझते हैं, ताकि फिर ये सिर उठाने की हिम्मत करने के पहले कई बार सोचें जरूर कि इसका अंजाम क्या होगा!

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों द्वारा आतंकियों के खिलाफ चलाया गया ताजा अभियान 'ऑपरेशन महादेव' एक बार फिर यह रेखांकित करता है कि भारत अपने एक भी आतंकवादी दुश्मन को नहीं छोड़ेगा। जम्मू-कश्मीर में इस अभियान के अंतर्गत उन तीन आतंकियों को मार दिया, जिन्होंने पहलगाम में हुए नरसंहार से भारत की आत्मा को छलनी करने की हिम्मत की थी। वस्तुतः यह मुठभेड़ ऐसे समय में हुई है जब देश में 'ऑपरेशन सिंदूर' की गूंज बनी हुई है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थित आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों के प्रशिक्षण शिविर शामिल थे। भारत सरकार की ओर से बताया भी गया, कैसे इस अभियान में 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया और पाकिस्तान के 11 हवाई ठिकानों को भी तबाह किया गया था। वास्तव में 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए नृशंस हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इस हमले में 26 निर्दोष लोगों को केवल उनके धर्म के आधार पर निशाना बनाया गया, जो इस्लामिक कलमा नहीं पढ़ पाए उन्हें गोलियों से भून दिया गया। तब यह जरूरी भी था कि आतंक का जवाब उसी भाषा में दिया जाए जिसे ये आतंकवादी समझते हैं, ताकि फिर ये सिर उठाने की हिम्मत करने के पहले कई बार सोचें जरूर कि इसका अंजाम क्या होगा! इस संदर्भ में वस्तुतः भारत की हालिया कार्रवाइयाँ यह दर्शाती हैं कि वह अब न तो आतंकी हमलों को 'स्थानीय घटनाएँ' मानकर टाल रहा है, और न ही कूटनीतिक औपचारिकताओं में उलझ रहा है। यदि हम जम्मू-कश्मीर को लेकर ही पिछले पांच वर्ष का आंकड़ा देखते हैं तो ध्यान में आता है कि वर्ष 2020 में 225 आतंकवादी मारे गए, जिसमें 207 कश्मीर में और 18 जम्मू में। साथ ही 635 ओजीडब्ल्यू (संदिग्ध सहयोगी) गिरफ्तार किए गए। वर्ष 2021 में 171 आतंकवादी ढेर हुए, जिनमें 149 स्थानीय और 22 पाकिस्तानी थे । 2022 में 172 आतंकी ढेर हुए, जिनमें 42 विदेशी थे। 100 नए शामिल, उनमें से 65 मारे गए और 17 गिरफ्तार हुए। सक्रिय आतंकियों की संख्या दहाई में आ गई। वर्ष 2023 की बात की जाए तो जम्मू क्षेत्र में वर्ष भर में 81 आतंकवादी मारे गए, 214 गिरफ्तार किए गए। इसी तरह से 2024 के दौरान पूरे वर्ष भर में जम्मू-कश्मीर में 75 आतंकवादी मारे गए, जिनमें लगभग 60 प्रतिशत पाकिस्तानी थे। वहीं, 2025 (जनवरी से जुलाई तक ऑपरेशन सिंदूर (5ऽ7 मई) में पहले 100 से अधिक आतंकवादी ढेर किए गए। फिर ऑपरेशन महादेव समेत कुल आठ आतंकवादी मारे गए हैं। ये आँकड़े स्पष्ट करते हैं कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध अब केवल रक्षात्मक नहीं, आक्रामक और रणनीतिक दृष्टिकोण अपना रहा है। ऑपरेशन सिंदूर और महादेव जैसे अभियानों से यह संदेश गया है कि भारत आतंकवाद के स्रोतों को केवल अपने भूभाग में ही नहीं, सीमा पार भी समाप्त करने की सामर्थ्य और इच्छा रखता है। आज यह पूरे विश्व को भारत सरकार की ओर से स्पष्ट कर दिया गया है इन कार्रवाइयों का उद्देश्य केवल बदला लेना नहीं, बल्कि यह स्पष्ट संदेश देना भी है कि आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बात अब 'ऑपरेशन महादेव' की; जब भारतीय सुरक्षा बलों ने पहलगाम आतंकी हमले (22 अप्रैल 2025) के मास्टरमाइंड और अन्य आतंकवादियों को निशाना बनाने के लिए लगाया गया तो उक्त अभियान का नाम रखा गया 'ऑपरेशन महादेव।' जब जम्मूकश्मीर के दचिगाम और लिडवास क्षेत्रों में तीन पाकिस्तानी लश्करएतैयबा के आतंकवादी, जिनमें प्रमुख था सुलेमान शाह उर्फ़ हाशिम मुसा को 28 जुलाई 2025 को सुरक्षा बलों ने सफलतापूर्वक ढेर किया तो यह ऑपरेशन सभी के बीच चर्चा का विषय बन गया। आखिर 'ऑपरेशन महादेव' ही क्यों तब समझना होगा कि ऑपरेशन का नाम ़महादेव़ इसलिए रखा गया क्योंकि यह कार्रवाई महादेव चोटियों वाले जंगल क्षेत्र में हुई, जो श्रीनगर के पास है। लिडवास, हारवान, और दाचिगाम राष्ट्रीय उद्यान जैसे इलाके इस पर्वतीय क्षेत्र में आते हैं, जिसे स्थानीय लोग ''महादेव हिल्स'' या ''महादेव ट्रेक'' के नाम से जानते हैं। चूंकि आतंकवादियों का ठिकाना महादेव चोटी के आसपास के इलाके में था, इसलिए इस नाम को ऑपरेशनल कोडनेम के तौर पर चुना गया। फिर यह नाम भारत की सांस्कृतिक पहचान का भी प्रतीक है, जो इसे केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि एक संदेशवाहक मिशन बनाता है। क्योंकि सतातन संस्कृति में 'महादेव' न्याय और संहार के देवता हैं। वे न्याय, संहार के साथ ही पुनर्सृजन के स्वरूप माने जाते हैं। फिर इस ऑपरेशन का उद्देश्य भी था, निर्दोषों की हत्या का बदला लेना, आतंकी साजिश को समाप्त करना और क्षेत्र में पुनः शांति स्थापित करना। इस सन्दर्भ में ''महादेव'' नाम अपने आप में न्याय के संकल्प और सच्चाई की विजय का प्रतिनिधित्व करता है। दूसरा कारण यह भी है कि ऑपरेशन का नाम 'महादेव' रखना सुरक्षा बलों की ओर से देश के दुश्मनों को एक मनोवैज्ञानिक और नैतिक संदेश देना भी था। भारत न केवल बदला लेता है, बल्कि धर्म, सिद्धांत और न्याय के आधार पर आतंक का अंत करता है। यह नाम आतंकियों और उनके समर्थकों के लिए एक चेतावनी है कि भारत की सैन्य कार्रवाई सिर्फ हथियार नहीं, संवेदनशील उद्देश्य लेकर आती है। कहना होगा कि मोदी सरकार ने आतंकवाद से निपटने के लिए कोई समझौता नहीं की नीति अपनाई है। इसका अर्थ है कि आतंकवादियों से किसी भी प्रकार की बातचीत, नरमी या समझौता की गुंजाइश नहीं रखी जाएगी, चाहे वे देश के भीतर हों या सीमा पार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 से ही हर मंच पर यह दोहराया है कि ़आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है।़ उन्होंने संयुक्त राष्ट्र, जी20, एसीओ और अन्य मंचों पर पाकिस्तान को स्पष्ट रूप से आतंकवाद का प्रायोजक बताया है। यही कारण है कि जब भी पाकिस्तान ने भारत पर आतंकवादी हमला किया है, उसे मुंहतोड़ जवाब दिया गया, फिर वह 2016 की उरी हमले के बाद की गई भारतीय सेना की एलओसी पार जाकर आतंकियों के लॉन्च पैड्स को नष्ट करने की सर्जिकल स्ट्राइक हो या पुलवामा हमले के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक, जिसमें 26 फरवरी को वायुसेना ने पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी शिविरों पर हमला किया था। वस्तुतः यह नीति दर्शाती है कि मोदी सरकार आतंकी हमले के बाद केवल चेतावनी देने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि निर्णायक जवाब देने की क्षमता और इच्छाशक्ति रखती है। देश में इस वक्त आतंकवाद पर भारत की निर्णायक कार्रवाई होते हुए चहुंओर देखा जा सकता है। फिर वह जिहादी, इस्लामिक आतंकवाद हो, नक्सली माओवादी आतंक हो या अन्य किसी प्रकार का आतंकवाद।

बीबिपुरः एक गांव की कहानी, जो अब किताबों में पढ़ाई जाएगी

डॉ. प्रियंका सौरभ

'बेटी के नाम नेमप्लेट', 'लाडो सरोवर', खुले में शौच से मुक्ति और महिला सशक्तिकरण जैसे प्रयासों ने इसे एक मॉडल गांव बनाया। पूर्व सरपंच प्रह्लाद डांगरा के नेतृत्व में यह गांव सोच और समाज दोनों बदलने में सफल रहा। बीबिपुर अब सिर्फ एक गांव नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के लिए एक आशा की किरण और बदलाव का प्रतीक बन चुका है। कभी एक सामान्य-सा गांव और आज देशभर के बच्चों के लिए प्रेरणा- हरियाणा का बीबिपुर गांव अब सिर्फ नक्शे पर मौजूद एक बिंदु नहीं रहा, बल्कि सामाजिक बदलाव और विकास का जीवंत प्रतीक बन चुका है।

हरियाणा का बीबिपुर गांव अब देशभर के छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। सीबीएसई बोर्ड ने इसकी सामाजिक क्रांति की कहानी कक्षा आठवीं के पाठ्यक्रम में शामिल की है। 'बेटी के नाम नेमप्लेट', 'लाडो सरोवर', खुले में शौच से मुक्ति और महिला सशक्तिकरण जैसे प्रयासों ने इसे एक मॉडल गांव बनाया। पूर्व सरपंच प्रह्लाद डांगरा के नेतृत्व में यह गांव सोच और समाज दोनों बदलने में सफल रहा। बीबिपुर अब सिर्फ एक गांव नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के लिए एक आशा की किरण और बदलाव का प्रतीक बन चुका है। कभी एक सामान्य-सा गांव और आज देशभर के बच्चों के लिए प्रेरणा- हरियाणा का बीबिपुर गांव अब सिर्फ नक्शे पर मौजूद एक बिंदु नहीं रहा, बल्कि सामाजिक बदलाव और विकास का जीवंत प्रतीक बन चुका है। इतना ही नहीं, अब बीबिपुर गांव की यह अनूठी कहानी कक्षा आठवीं के छात्रों को भी पढ़ाई जाएगी। ऋष्ट्क बोर्ड ने इसे अपने सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम में शामिल कर लिया है। यह न केवल एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, बल्कि पूरे ग्रामीण भारत के लिए एक संदेश भी है- परिवर्तन संभव है, अगर सोच बदले। बदलाव की शुरुआतः एक बीज से विशाल वटवृक्षबीबिपुर गांव, हरियाणा के जींद जिले में स्थित है। यह वही राज्य है, जहां लिंगानुपात के असंतुलन, बाल विवाह और सामाजिक भेदभाव जैसे मुद्दे दशकों तक चर्चा का विषय रहे हैं। लेकिन इसी हरियाणा की मिट्टी से उभरा बीबिपुर, जिसने इन सभी धारणाओं को तोड़कर नई मिसाल कायम की। वर्ष 2010 में गांव के पूर्व सरपंच प्रह्लाद डांगरा ने एक ऐसी पहल की शुरुआत की, जो आगे चलकर सामाजिक क्रांति में बदल गई। उनका सपना था – एक ऐसा गांव, जहां बेटी को सम्मान मिले, जल-संरक्षण हो, महिलाएं सशक्त हों, और समाज खुले में शौच से मुक्त हो। नेमप्लेट पर 'लाडो' का नामबीबिपुर गांव की सबसे चर्चित और क्रांतिकारी पहल रही- ''बेटी के नाम नेमप्लेट''। यह विचार बेहद सरल, मगर सामाजिक रूप से बेहद प्रभावशाली था। आज तक अधिकांश घरों की पहचान पुरुष सदस्य के नाम से होती थी, लेकिन बीबिपुर में घरों की पहचान बेटियों के नाम से शुरू हुई। इस पहल ने सिर्फ एक संकेत बदला नहीं, बल्कि सोच बदल दी। बेटियों को घर का गौरव मानने की दिशा में यह पहला साहसी कदम था। गांव के सैकड़ों घरों में बेटियों के नाम की तख्तियां लगीं और एक नई सामाजिक चेतना जागी। लाडो सरोवरः बेटियों के नाम जल-स्रोतगांव में 'लाडो सरोवर' की स्थापना सिर्फ जल संचयन का प्रयास नहीं था, बल्कि यह उस सोच का सम्मान था जो बेटियों को प्रकृति के साथ जोड़ती है। यह एक प्रतीक बन गया- जीवन देने वाले जल और जीवन की जननी 'बेटी' के बीच के अटूट संबंध का। लाडो सरोवर ने गांव को पर्यावरणीय जागरूकता की राह पर भी अग्रसर किया और जल संरक्षण की प्रेरणा दी। खुले में शौच से मुक्ति और स्वच्छता की अलखबीबिपुर की सबसे बड़ी जीत उस समय मानी गई जब उसने खुले में शौच से पूरी तरह मुक्ति पा ली। शौचालय निर्माण को प्राथमिकता दी गई और इसके पीछे शर्म नहीं, स्वास्थ्य और गरिमा की भावना को रखा गया। महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान मिला, बच्चों को बीमारियों से राहत, और गांव को नई पहचान। 'सोच बदली तो गांव बदला'प्रह्लाद डांगरा और उनकी टीम ने एक नारा दिया- सोच बदली तो गांव बदला। यह नारा महज शब्दों की जुगलबंदी नहीं थी, यह हर बीबिपुरवासी के दिल की आवाज थी। पुरुषों की मानसिकता में बदलाव आया, महिलाओं को निर्णय लेने का अधिकार मिला, बेटियों को शिक्षा और सम्मान मिला, और गांव की तस्वीर बदलने लगी। महिला पंचायतें और जागरूकता कार्यक्रमगांव में महिला ग्राम सभाओं का आयोजन हुआ, जहां महिलाएं खुलकर अपनी समस्याएं और सुझाव रखती थीं। यह लोकतंत्र का सच्चा रूप था, जिसमें आधी आबादी भी पूरी भागीदारी निभा रही थी। शराबबंदी, दहेज, बाल विवाह और घरेलू हिंसा जैसे मुद्दों पर खुलकर बहसें हुईं और समाधान निकाले गए। राष्ट्रीय स्तर पर पहचानबीबिपुर की इस सामाजिक जागरूकता की लहर ने जल्द ही मीडिया, प्रशासन और विभिन्न सामाजिक संगठनों का ध्यान खींचा। इस गांव को कई राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पुरस्कार मिले। कई एनजीओ ने यहां मॉडल के रूप में अध्ययन शुरू किया। गांव के बदलाव को डॉक्यूमेंट्रीज़ और शोध-पत्रों में दर्ज किया गया। अब किताबों मेंः प्रेरणा का स्थायी स्थानआज जब सीबीएसई बोर्ड ने बीबिपुर गांव की इस कहानी को कक्षा आठवीं की किताब में शामिल किया है, तो यह किसी पुरस्कार से कम नहीं। यह कहानी अब देशभर के लाखों छात्र-छात्राओं को पढ़ाई जाएगी। वे जानेंगे कि बदलाव के लिए बड़े-बड़े भाषण या योजनाएं जरूरी नहीं होतीं – बस एक व्यक्ति की दृढ़ इच्छा शक्ति और सामाजिक भागीदारी ही काफी होती है। यह न केवल छात्रों को सामाजिक विज्ञान का पाठ पढ़ाएगी, बल्कि ''समाज विज्ञान'' का असली अर्थ भी समझाएगी। शिक्षा से बदलाव की वापसीबीबिपुर की कहानी बच्चों को यह सिखाएगी कि गांव का विकास केवल सड़क या इमारतों से नहीं होता, बल्कि विचारों से होता है। यह पाठ छात्रों में सामाजिक नेतृत्व, नागरिक जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच का बीज बोएगा। और यही तो शिक्षा का अंतिम उद्देश्य होता है- सोच में परिवर्तन। क्या बाकी गांव सीखेंगे?बीबिपुर एक मॉडल है, परंतु यह अकेला नहीं होना चाहिए। आज देश के हजारों गांव सामाजिक कुरीतियों से जूझ रहे हैं। कहीं बेटियों की भ्रूण हत्या हो रही है, कहीं खुले में शौच आज भी आम है, कहीं शिक्षा का स्तर बेहद कमजोर है। ऐसे में बीबिपुर की कहानी एक आदर्श प्रस्तुत करती है – अगर वे कर सकते हैं, तो हम क्यों नहीं? सरकारों को चाहिए कि ऐसे उदाहरणों को पाठ्यक्रम से आगे ले जाकर नीति-निर्माण का आधार बनाए। पंचायतों को प्रशिक्षित किया जाए, महिला नेतृत्व को बढ़ावा मिले, और गांवों में मूलभूत बदलाव लाने के लिए ऐसे मॉडल को स्थानीय भाषाओं में प्रचारित किया जाए। बीबिपुर अब सिर्फ एक गांव नहीं, एक विचार हैबीबिपुर की सफलता की असली कुंजी सहभागिता, जागरूकता और नेतृत्व है। यह गांव बताता है कि असल क्रांति हथियारों से नहीं, सोच की धार से आती है। यह कहानी यह भी बताती है कि कोई गांव छोटा नहीं होता, अगर उसकी सोच बड़ी हो। आज जब बीबिपुर की कहानी स्कूलों में पढ़ाई जाएगी, तो वह सिर्फ एक पाठ नहीं होगी, बल्कि सपनों के बीज बोने वाली प्रेरणा होगी। हो सकता है, किसी बच्चे के मन में यह कहानी एक चिंगारी जला दे, जो कल किसी और गांव को रोशन कर दे। बीबिपुर अब सिर्फ एक स्थान नहीं, एक आंदोलन, एक प्रेरणा और एक जीवित पाठशाला है- जहां से देश को नई दिशा मिलेगी।

एआई का विस्तार या नौकरी का संकुचनः बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

एआई और ऑटोमेशन केवल तकनीक नहीं हैं, वे कार्य संस्कृति, संगठन संरचना और मानव संसाधन नीति को मूल रूप से बदल रहे हैं। कई रिपोर्टों के अनुसार, एआई से प्रेरित उत्पादकता और लागत में कटौती की प्रवृत्ति बढ़ रही है। उदाहरण के तौर पर, एमेजोन ने 30,000 सॉफ्टवेयर एप्लिकेशनों को एआई की मदद से मात्र छह महीनों में अपग्रेड किया, जो कार्य सामान्यतः डेवलपर्स को एक वर्ष लगता। इससे कंपनी को लगभग 250 मिलियन डॉलर की बचत हुई। इसी प्रकार, माइक्रोसोफ्ट और मेटा जैसी कंपनियों में कोडिंग का 20 से 50 प्रतिशत कार्य एआई से कराया जा रहा है।

भारत जैसे युवाओं वाले और उभरती अर्थव्यवस्था वाले देश में तकनीकी विकास के प्रति उत्साह हमेशा गहरा रहा है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप क्रांति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी तकनीकें समाज, राष्ट्र और अर्थव्यवस्था में तीव्र बदलाव की सारथि बनी हैं। हर वर्ग और क्षेत्र ने इस परिवर्तन को आशा एवं सकारात्मकता के साथ अपनाया है, इस उम्मीद में कि तकनीकी तरक्की के साथ रोज़गार के नए अवसर भी सृजित होंगे। लेकिन हाल ही में आईटी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) द्वारा 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा ने इस उम्मीद पर पानी फ़ेर दिया और इसे बड़ा झटका दिया है। निस्संदेह, छंटनी का यह फैसला आईटी क्षेत्र में आसन्न संकट की आहट को ही दर्शाता है। छंटनी बाबत टीसीएस की दलील है कि इन नौकरियों में कटौती कौशल की कमी और अपने विकसित होते व्यावसायिक मॉडल में कुछ कर्मचारियों को फिर से नियुक्त करने में असमर्थता के चलते की गई है। हालांकि, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का दावा है कि इस कदम के पीछे एआई से प्रेरित उत्पादकता वृद्धि नहीं है। यह संख्या कंपनी के कुल कार्यबल का लगभग 2 प्रतिशत है, और मुख्यतः मध्यम और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्रभावित करेगी। एआई और ऑटोमेशन केवल तकनीक नहीं हैं, वे कार्य संस्कृति, संगठन संरचना और मानव संसाधन नीति को मूल रूप से बदल रहे हैं। कई रिपोर्टों के अनुसार, एआई से प्रेरित उत्पादकता और लागत में कटौती की प्रवृत्ति बढ़ रही है। उदाहरण के तौर पर, एमेजोन ने 30,000 सॉफ्टवेयर एप्लिकेशनों को एआई की मदद से मात्र छह महीनों में अपग्रेड किया, जो कार्य सामान्यतः डेवलपर्स को एक वर्ष लगता। इससे कंपनी को लगभग 250 मिलियन डॉलर की बचत हुई। इसी प्रकार, माइक्रोसोफ्ट और मेटा जैसी कंपनियों में कोडिंग का 20 से 50 प्रतिशत कार्य एआई से कराया जा रहा है। भारत में एआई का प्रसार अभी अमेरिका या यूरोप की तुलना में सीमित है, लेकिन इसकी गति तीव्र है। देश के स्टार्टअप और आईटी क्षेत्र में छंटनियों की संख्या बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, केवल वर्ष 2025 के शुरुआती पांच महीनों में भारत में 3600 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से हटाया गया, जिसमें एआई आधारित लागत नियंत्रण एक प्रमुख कारण रहा। यह स्पष्ट करता है कि एआई के कारण दोहराव वाले कार्यों की उपयोगिता घट रही है और उनकी जगह स्मार्ट तकनीक ले रही है। मौजूदा समय में यह कदम लागत-अनुकूलन पहलों के चलते अन्य आईटी सेवा कंपनियों में भी छंटनी को बढ़ावा दे सकता है। इसमें दो राय नहीं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कारोबार के नियमों में मौलिक बदलाव के चलते, भविष्य के लिये तैयार रहना हर व्यावसायिक उद्यम के एजेंडे में सबसे ऊपर होगा। इस नई हकीकत को देखते हुए, अनेक सवाल सबसे ज्यादा विचलित करने वाले बनकर उभर रहे हैं कि क्या यह तकनीकी बदलाव अनिवार्य रूप से कर्मचारियों की कीमत पर होना चाहिए? एआई युग में नौकरी की अनिश्चितता क्या तकनीक विकास के नाम पर विस्थापन नहीं है? छंटनी की चपेट में युवाओं का भविष्य क्या तकनीकी प्रगति के नाम पर मानव श्रम पर आघात नहीं है? क्या स्मार्ट मशीनें के दौर में भारत में रोजगार को नई चुनौती और इंसानों को हताशा में धकेलना नहीं है? एआई का विस्तार यानी नौकरी का संकुचन क्या भारत के लिए बड़ी चेतावनी की घड़ी बन रहा है? इन प्रश्नों के परिप्रेक्ष्य में देश में बेरोजगारी का संकट किसी से छिपा नहीं है। देश में श्रमबल का कौशल विकास धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है। सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में आईटी पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। लेकिन टीसीएस के इस फैसले से आईटी पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे उन लाखों छात्रों और डिग्री लेकर निकल रहे उत्साही इंजीनियरों में निराशा व्याप्त होगी। भारत में बढ़ता रोजगार संकट केंद्र सरकार से निरंतर हस्तक्षेप की मांग करता है। हाल ही में हरियाणा में हुई एक परीक्षा में लाखों युवाओं की भागीदारी इस बात का संकेत है कि रोजगार की मांग कितनी व्यापक और अवसर कितने सीमित हैं। देश ही नहीं, दुनिया में रोजगार का संकुचन एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। गोल्डमैंन सोच्स की रिपोर्ट के अनुसार, एआई और ऑटोमेशन के चलते दुनिया भर में लगभग 300 मिलियन नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। विश्व आर्थिक मंच का आकलन है कि 2030 तक 92 मिलियन नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन उसी अवधि में 170 मिलियन नई नौकरियां भी पैदा होंगी। यह एक दोधारी तलवार है, जो बदलेगा, बचेगा; जो रुकेगा, वो हाशिए पर जाएगा। टीसीएस का दावा है कि छंटनी का निर्णय भविष्य की जरूरतों के अनुसार संगठन को ढालने की रणनीति का हिस्सा है। कंपनी का ध्यान एआई में निवेश, नए बाजारों में प्रवेश, ग्राहक अनुभव सुधार और कार्यबल मॉडल के पुनर्गठन पर केंद्रित है। हालांकि, यह तर्क उन हजारों कर्मचारियों की व्यथा को शांत नहीं कर सकता जिनकी आजीविका पर इसका सीधा प्रहार हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस निर्णय से न केवल कंपनी के भीतर बल्कि समूचे आईटी क्षेत्र में आशंका, आक्रोश एवं अनिश्चितता का माहौल बन गया है। खासकर युवाओं और आईटी की पढ़ाई कर रहे लाखों छात्रों के लिए यह एक मानसिक झटका है। तकनीकी शिक्षा में दाखिले बढ़ रहे हैं, लेकिन रोजगार के अवसर घटते जा रहे हैं। यह असंतुलन देश की सामाजिक स्थिरता को भी प्रभावित कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें बताती हैं कि विश्व स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत नौकरियां एआई के कारण जोखिम में हैं। भारत में अनुमान है कि 2025 तक 12-18 मिलियन नौकरियां एआई आधारित ऑटोमेशन के चलते प्रभावित हो सकती हैं, विशेषकर आईटी और बीपीओ क्षेत्रों में। एटेमबर्ग के संस्थापक के अनुसार, भारत में 40-50 प्रतिशत व्हाइट कॉलर नौकरियां एआइ से प्रभावित होने के कगार पर हैं, जिससे देश के मध्यवर्ग की आर्थिक स्थिरता को गहरा झटका लग सकता है। टीसीएस की छंटनी ने बेरोजगारी के दौर में बड़ी हलचल मचाई है, हालांकि आईटी और तकनीकी पाठ्यक्रमों में दाखिले बढ़े हैं, लेकिन उनमें व्यावहारिक और भविष्य-उन्मुख कौशल की कमी है। यह असंगति ही भविष्य में अधिक छंटनियों का कारण बन सकती है। एआई हर भूमिका को खत्म नहीं करेगा, बल्कि उसे पुनर्परिभाषित करेगा। जहां दोहराव और विश्लेषण की आवश्यकता है, वहां एआई प्रभावी होगा, लेकिन रचनात्मकता, सहानुभूति और निर्णय क्षमता जैसे गुणों में मानव की भूमिका बनी रहेगी। डॉक्टर, शिक्षक, वकील, पत्रकार जैसे पेशों में एआईएक सहयोगी के रूप में कार्य करेगा, प्रतिस्थापन के रूप में नहीं। मेटा के प्रमुख एआई वैज्ञानिक यान लेकुन के अनुसार, 'एआई अधिकतर कार्यों का केवल एक हिस्सा ही कर सकता है, वह भी पूरी तरह परिपूर्ण नहीं। मानव श्रमिकों का सीधा प्रतिस्थापन संभव नहीं है। निश्चित तौर पर एआई और तकनीकी बदलाव अपरिहार्य हैं। सवाल यह है कि हम इसके लिए कितने तैयार हैं? इसके लिए तीन प्रमुख कदम जरूरी हैं, पहला पुनःकौशल और सतत शिक्षा यानी कार्यबल को भविष्य के अनुरूप प्रशिक्षित करना होगा। डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, एआई एथिक्स, सॉफ्ट स्किल्स जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण अनिवार्य बनाना होगा। दूसरा नीतिगत समर्थन यानी सरकार को एआई नीति, डिजिटल समावेशन और श्रमिक सुरक्षा के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय करने होंगे। रोजगार खोने वालों के लिए पुनर्वास योजनाएं और स्किल अपडेट कार्यक्रम आवश्यक हैं। तीसरा सांस्कृतिक और सामाजिक समायोजन यानी एआई को केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के रूप में भी देखा जाना चाहिए। इसे अपनाने में पारदर्शिता, विश्वास और सहयोग का वातावरण बनाना होगा। तकनीकी बदलाव नई संभावनाएं लेकर आते हैं, लेकिन वे अनायास ही चुनौतियां भी खड़ी करते हैं। टीसीएस की छंटनी से जो संदेश मिलता है वह यही है कि एआई युग में केवल वही टिकेगा जो परिवर्तनशील रहेगा। अब समय आ गया है कि हम तकनीक को केवल उपकरण नहीं, बल्कि नीति और जीवनशैली का हिस्सा मानें। सतत सीखना, अनुकूलन और सामाजिक न्याय, यही तीन स्तंभ हैं, जो भारत को इस तकनीकी क्रांति में न केवल जीवित, बल्कि अग्रणी बना सकते हैं।

ओवरलोड वाहनों के विरूद्ध प्रवर्तन कार्यवाही नियमित की जाये: डीएम

● डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिलाधिकारी जे. रीभा की अध्यक्षता में कलेक्टेट्रट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने व कमी लाने हेतु लोगों को जागरूक किये जाने तथा ओवर स्पीड के द्वारा होने वाली घटनाओं को रोकने के निर्देश दिये। उन्होंने एनएच-35 में साइनेज लगवाये जाने एवं सड़क की मरम्मत एक सप्ताह में कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने हेलमेट/सीटबेल्ट चेकिंग के लिए प्रतिदिन अभियान चालये जाने तथा ओवरलोड वाहनों के विरूद्ध प्रवर्तन कार्यवाही करते हुए प्रसमन शुल्क लगाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी स्कूलों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने हेतु तथा कक्षा-12वीं तक के बच्चों को मोटरसाइकिल, स्कूटी संचालित न करें के सम्बन्ध में रोड सेफ्टी क्लब के द्वारा बच्चों को जागरूक किये जाने के निर्देश जिला विद्यालय निरीक्षक को दिये। सभी ई-रिक्शा में नम्बरिंग कराते हुए शहरी मार्गों में टैझफिम जाम की समस्या के दृष्टिगत क्षेत्रवार ई-रिक्शा को यूनिक नम्बर देकर वनवे व्यवस्था करते हुए संचालित करने के निर्देश दिये। उन्होंने महाराणा प्रताप चौराहे एवं आयुक्त आवास में सड़क किनारे फलों एवं सब्जियों के विक्रेताओं को हटाने अथवा वेण्डिंग जोन में लगाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किये जाने हेतु बाबूलाल चौराहे एवं महाराणा प्रताप चौक में एलईडी पर यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता से सम्बन्धित स्लाइड चलाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने संकट मोचन, अलीगंज, कालूकुआं पर पुलिस चौकी स्थापित किये जाने हेतु चौकी के निर्माण की कार्यवाही शीघ्र करने के निर्देश नगरपालिका एवं सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। उन्होंने चिन्हित ब्लैक स्पाट पर लोक निर्माण विभाग द्वारा दुर्घटनाओं से बचाव हेतु लगाये गये संकेतक, रम्बलस्टिप, सेन्ट्रल लाइन बनाये जाने व अन्य कार्यों का विवरण उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने बिना लाइसेन्स के वाहन चालने, कम उम्र के बच्चों को वाहन चालने, बिना फिटनेस के वाहन संचालन करने, स्कूली वाहन मानक के अनुरूप न पाये जाने पर तथा सड़क पर वाहन चलाते समय स्टंट करने वालों पर कडी कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने परिवहन विभाग द्वारा व्यवसायिक वाहनों विशेषकर टैझक्टर की ट्रालियों में अभियान चलाकर रिफलेक्टर टेप लगाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने भारी वाहनों को प्रतिबन्धित समय में शहर में प्रवेश करने की चेकिंग कराये जाने के भी निर्देश देते हुए इसका कडाई से अनुपालन सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये। बैठक में एआरटीओ, लोक निर्माण विभाग प्रान्तीय खण्ड राजेश कुमार, अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड-1, पीटीओ, सहित क्षेत्राधिकारी पुलिस, तथा सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विश्व मानव दुर्व्यापार विरोधी दिवस पर रेलवे स्टेशन पर चला संयुक्त चेकिंग अभियान

● जन-जागरूकता कार्यक्रम संचालित कर, चलाया गया जागरुकता अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। पुलिस अधीक्षक बांदा श्री पलाश बंसल के निर्देशन में थाना एएचटीयू, एसजेपीयू, डब्लूसीएसओ, जीआरपी, आरपीएफ तथा ग्रामीण परंपरा विकास संस्थान चित्रकूट की संयुक्त टीम व साथी संस्था उ0प्र0 की संयुक्त टीम द्वारा रेलवे स्टेशन बांदा पर विशेष चेकिंग एवं जन-जागरूकता अभियान संचालित किया गया । अभियान के दौरान यात्रियों को मानव तस्करी, बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति व बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक किया गया । यात्रियों को पंपलेट वितरित कर उन्हें मानव तस्करी के विरुद्ध पुलिस के सहयोग तथा ग्रामीण परंपरा विकास संस्थान द्वारा संचालित बाल संरक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी गई । रेलवे स्टेशन पर खड़ी ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों को बच्चा चोरी, मानव तस्करी एवं ज़हरखुरानी जैसे अपराधों के संबंध में सतर्क किया गया एवं बच्चों को अपने परिजनों के साथ रहने की सलाह दी गई । अभियान के दौरान निम्न अधिकारी/कर्मचारी एवं संस्थान प्रतिनिधि उपस्थित रहे- प्रभारी निरीक्षक सुरूचि द्विवेदी, उ0नि0 संदीप कुमार यादव,सहायक उ0नि0 विनय कुमार ,हे0का0 नीरज कुमार ,आरक्षी प्रवेन्द्र कुमार,आरक्षी कृष्णकान्त, आरक्षी अनिल कुमार, म0आ0 स्वेतलाना मौर्य,म0आ0 रेखा यादव,म0आ0 प्रिंयका चौधरी,म0आ0 शाहिदा कौशर, ग्रामीण परंपरा विकास संस्थान चित्रकूट से विनोद कुमार,शिवम यादव ,साथी संस्था उ0प्र0 से प्रमोद तिवारी,रेखा चौधरी मौजूद रहीं।

डीएम ने अन्नपूर्णा खाद बीज भण्डार का आकस्मिक भ्रमण किया

● जिम्मेदारों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लि. (वी-पैक्स) पगरेन्दा विकास खण्ड तिंदवारी तहसील सदर बांदा का आकस्मिक भ्रमण जिलाधिकारी, बांदा श्रीमती जे0रीभा द्वारा किया गया। भ्रमण के दौरान अंसल कुमार, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, सहकारिता, बांदा, संजय कुमार, जिला कृषि अधिकारी, सूर्य प्रकाश, अपर जिला सहकारी अधिकारी आदि उपरिणत रहे। समिति में केन्द्र प्रभारी तथा सचिव उपस्थित मिले। समिति के उर्वरक गोदाम के निरीक्षण में यूरिया 265 बोरी मात्रा 11.925 मै.टन तथा एनपीके 190 बोरी मात्रा 9.500 मै.टन पाया गया। समिति गोदाम के फर्श पर सीलन अधिक पाया गया जिस पर जिलाधिकारी बांदा द्वारा उर्वरक रखने से पहले तिरपाल विषकर उर्वरक रखने हेतु उर्वरक केन्द्र प्रभारी को निर्देशित किया गया। इसके पश्चात ग्राम पंचायत लामा में अन्नपूर्णा खाद बीज भण्डार का आकस्मिक भ्रमण किया गया। केन्द्र पर उर्वरक का स्टाक शून्य पाया गया। स्टाक शून्य के बारे में केन्द्र प्रभारी ने अवगत कराया कि उर्वरक व्यवसाय नही किया जा रहा है जबकि अन्नपूर्णा खाद बीज भण्डार के नाम से उर्वरक लाइसेन्स बना हुआ है। इस पर जिला कृषि अधिकारी को निर्देशित किया गया कि यदि उर्वरक व्यवसाय न करने पर इनका उर्वरक लाइसेन्स निरस्त कर दिया जाय। इसके बाद मण्डी समिति में पीसीएफ कृषक सेवा केन्द्र, डीसीडीएफ उर्वरक बिक्री केन्द्र, केन्द्रीय उपभोक्ता भण्डार उर्वरक बिक्री केन्द्रों का आकस्मिक भ्रमण किया गया। पीसीएफ उर्वरक केन्द्र के गोदाम का निरीक्षण किया गया। गोदाम के फर्श पर सीलन/नमी मिलने पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए फर्श पर तिरपाल / क्रेट बिछाने के बाद उर्वरक की बोरिया रखी जाने के निर्देश दिये गये है। पी0सी0एफ0 के बिक्री केन्द्र प्रभारी द्वारा जिलाधिकारी महोदया, बांदा को अवगत कराया गया कि 80 बोरी मात्रा 4.000 मै0 टन 23 किसानों को वितरण हुआ है तथा 100 बोरी यूरिया मात्रा 4.500 मै0टन का स्टाक उर्वरक केन्द्र को प्राप्त हुआ है। डीसीडीएफ के उर्वरक केन्द्र प्रभारी के अनुसार 100 बोरी मात्रा 4.500 मै0टन यूरिया गुरुवार को प्राप्त हुआ है। जिलाधिकारी द्वारा केन्द्र प्रभारी को पॉस मशीन के माध्यम से नियमानुसार उर्वरक वितरण हेतु निर्देश दिये गये है। साथ ही विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनपद बांदा के किसी भी उर्वरक बिक्री केन्द्र पर उर्वरक का शून्य स्टाक न रहे तथा नियमित रूप से मांग के अनुरूप उर्वरक बिक्री केन्द्रों को उर्वरक प्रेषण कराना सुनिश्चित करें।

रिक्शा चालक से जेडीयू की महिला प्रदेश अध्यक्ष सहित दो लोगों ने ली रंगदारी, मुकदमा दर्ज नेत्री सहित दो महिला गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बड़ोखर बुजुर्ग। जे डी यू पार्टी की उत्तर प्रदेश की महिला प्रदेश उपाध्यक्ष को 29 तारीख को शहर कोतवाल के विरुद्ध लखनऊ जाकर सीएम कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन करना था जिसको लेकर पहले जनपद की पुलिस हाउस अरेस्ट किया फिर गिरवा थाने की पुलिस द्वारा दूसरे थाने के रहने वाले रिक्शा चालक की तहरीर पर नेत्री और उसके महिला साथी के विरुद्ध रंगदारी मांगने और जाती सूचक शब्द कहने को लेकर गिरवा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया और सोमवार की रात्रि को पुलिस शालिनी पटेल और उसकी महिला साथी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। मामला नगर कोतवाली के तिंदवारा गांव निवासी अर्जुन ने तहरीर देकर बताया कि प्रार्थी के पास एक ई-रिक्शा है जिससे सवारी ढोने का काम करता है तथा अपना खर्च चलता है। एक बार मैं अपनी पत्नी रूपा के साथ जिला अस्पताल बांदा गया था वहां पर अपने आप को नेता व पत्रकार बताने वाली शालीनी पटेल तथा उसकी सार्थी ज्योति मौर्य अतर्रा वाली से मुलाकात हो गई, जिसके बाद ये दोनों महिलाएं मेरी पत्नी रूपा को धमकाने लगी कि तुम्हारा पति ई रिक्शा चला कर मोटी कमाई कर रहा है यदि बांदा में तुम्हें ई रिक्शा चलाना है तो 5 लाख रुपए रंगदारी देनी पड़ेगी जब मेरी पत्नी ने जानकारी की तो पता चला कि ये दोनों महिलाएं बहुत दबंग व इनकी ऊपर तक पहुंच है तो मेरी पत्नी रूपा ने मेरी बिना जानकारी के भय बस 5 लाख रुपए दे दिए थे किंतु दोनों महिलाएं 14 जुलाई को बड़ोखर बुजुर्ग बस स्टप (गिरवा) पर मेरी पत्नी रूपा को दुबारा से धमकाया कि अब तुम्हें 10 लाख रुपए और रंगदारी के देने पड़ेंगे नहीं तो तुम्हारे पति को जान से मार देंगे तथा तुम्हारे पति व रिक्शा गायब करवा देंगे तथा मेरी पत्नी को जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए भद्दी-2 गालियां दी। और दोनों दबंग महिलाएं की डर से अब तक शिकायत नहीं की है लेकिन दोनों महिलाएं हम लोगों पर लगातार रंगदारी देने का दबाव बना रही हैं तथा न देने की स्थिति में जान से मारने की धमकी दे रही हैं । अतः निवेदन है कि उक्त दोनों महिलाओं शालिनी पटेल व ज्योति मौर्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत धारा 308 (5) और एस सी एसटी एक्ट 3 (2) 5 के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को जेल भेज दिया गया है लेकिन सबसे सोचने वाली बात यह है की एक रिक्शा चालक के पास इतना पैसा आया कहां से जिसको पुलिस ने बिना जांच के मुकदमा दर्ज कर दिया है।

दबंगों पति-पत्नी को पीटकर किया लहूलुहान, मुकदमा दर्ज

बड़ोखर बुजुर्ग/बांदा। पैसे के लेन देन को लेकर दबंगों ने जब पत्नी को पीटा तो बीच बचाव करने आए पति को भी नहीं बक्सा दबंगों ने जिसको लेकर पीड़िता ने तहरीर देकर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है लेकिन पांचों आरोपी अभी भी फरार हैं। मामला गिरवा थाने के बड़ोखर बुजुर्ग निवासी मुन्नी पत्नी चुनवाद कपरिया ने थाने में तहरीर देकर बताया कि सोमवार को 4 बजे शाम को पीड़िता के दरवाजे मे आकर चन्द्रपाल,अनिल,बब्बू और राजकरन पुत्रगण सरफीदीन,और सरफीदीन पुत्र जगदेव कपारिया निवासी बडोखर बुजुर्ग थाना गिरवां के निवासी है । इस बात पर आकर गाली गलौज करने लगे लाठी-डंडा लेकर कि पीड़िता के भतीजे चन्द्रकमल का झूठा आरोप लगाया कि 10 हजार लिये है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदायें (सिंगल पैकेट सिस्टम) आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं०	108-Sig-Tender-07-2025-26
कार्य का नाम	"कम्प्रेहेन्सिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट ऑफ स्टेटवाल मेक आई० पी० एस० (78 नंबर्स) इन्स्टाल्ड ओवर लखनऊ डिवीजन फॉर थ्री इयर्स"
अनुमानित लागत	रु 3,16,14,649.82/-
निविदा प्रपत्र की कीमत	निल
धरोहर राशि	रु 308100.00/-
कार्य पूरा करने की अवधि	36 माह
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	20/08/2025 at 15:30 बजे तक
बेवसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है	वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/ मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ

ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। • समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेगी।

निविदा सूचना सं० 108-सिग-टेन्डर-07/2025-26 दिनांक: 28.07.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2316/25

दस दिवसीय शिविरि में दी गई असाध्य रोगों से संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ मुख्यालय के अंतर्गत 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी के तत्वावधान में कर्नल (डॉ) दिनेश कुमार पाठक के नेतृत्व में दो एम टी बटालियन एएमसी सेंटर एंड कॉलेज में चल रहे 10 दिवसीय शिविर के दूसरे दिन आज दिनांक 30 जुलाई 2025 को शस्त्र विद्या के अंतर्गत हथियार की जानकारी, मानचित्र का अध्ययन, भूमि कौशल और युद्ध कौशल संबंधित सैन्य प्रशिक्षण के अतिरिक्त डॉ अजय कुमार शुक्ला, एम. डी. द्वारा कैंसर के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई कि एक व्यक्ति का स्वास्थ्य उसके लिए अत्यंत आवश्यक होता है इसलिए विभिन्न असाध्य रोगों से संबंधित जानकारी सावधानियां एवं उपचार के प्रति हमेशा सचेत रहना चाहिए।

कैंप कमांडेंट कर्नल (डॉ) दिनेश कुमार पाठक ने बताया कि इस शिविर में प्रशिक्षण के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी प्रस्तावित है।

दलित बस्ती में सीसी रोड ना होने से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त

बांदा। ब्लाक बड़ोखर खुर्द क्षेत्र अंतर्गत के ग्राम पंचायत मवई बुजुर्ग गैस एजेंसी के पास का है जहां पर दलित बस्ती के रामप्रकाश वर्मा के पास सीसी रोड ना पड़ने के कारण आए दिन हो रहे हादसे आने जाने वाले स्कूली बच्चे गिरकर हो रहे घायल, बता दे की कई सालों से यहां पर रास्ता नहीं बनाया गया है आम रास्ते से निकलने वाले लोग स्कूल व आने जाने वाले बच्चे गिरकर घायल हो रहे हैं । लोगों ने इसके शिकायत कई बार ग्राम पंचायत सचिव व प्रधान को दिया था मगर उन्हें झूठा आश्वासन देकर कहा गया कि आपकी सीसी रोड बनवा दी जाएगी मगर अभी तक सीसी रोड नहीं बनवाया गया है ,वहीं दूसरी तरफ एजेंसी के पहले मेन रोड छोटा प्रजापति के पास सीसी ना पडने की वजह से कीचड़ हो गया है जिसके कारण आए दिन आम रास्ते से निकलने वाले लोग गिरकर घायल हो रहे हैं, किसान व आम आदमी यहां से गैस एजेंसी जाते समय रास्ते में कीचड़ होने की वजह से बाइक सहित गिर जाते हैं,छोटे बच्चे गिरकर घायल हो रहे हैं।

कोल्डचौन हैण्डलस का दो दिवसीय प्रशिक्षण हुआ सम्पन्न

● 30 रखरखाव करने वाले कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। वैक्सीन से बचायी जाने वाली बीमारियों के बचाव हेतु वैक्सीन (टीके) सही तापक्रम पर लाभार्थी को लगे। इसी उद्देश्य प्राप्ति के लिये वैक्सीन का रखरखाव करने वाले कार्मिक (कोल्डचौन हैण्डलस) का दो दिवसीय प्रशिक्षण मुख्य चिकित्सा अधिकारी के सभाकक्ष में दिनांक 28 व 29 जुलाई को आयोजित किया गया। प्रत्येक कोल्डचौन प्वाइंट (पीएचसी/सीएचसी) से दो कोल्ड वैचौन हैण्डलर्स को प्रशिक्षित किया गया। डा. विजेन्द्र सिंह मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बांदा द्वारा सभी कोल्ड चौन हैण्डलर्स को वैक्सीन के रखरखाव, भण्डार एवं परिवहन के दौरान निर्माता से लेकर वैक्सीन को लाभार्थी तक पहुंचाने में 2 से 8 डिग्री तापमान को बनाये रखने के लिये की जाने वाली सभी सावधानियों के बारे में बताया। साथ ही ई-विन पोर्टल के माध्यम से विभिन्न स्तरों पर वैक्सीन की उपलब्धता की स्थिति एवं जिस उपकरण में वैक्सीन रखी गयी है उसके तापमान की ऑनलाइन मॉनिटरिंग ब्लाक, जिला एवं मण्डल स्तर के साथ ही उच्च स्तर पर भी की जाती है। जिससे वैक्सीन की गुणवत्ता प्रभावित होने की सम्भावना नहीं है। सभी कोल्ड चौन हैण्डलर्स के साथ-साथ नवनिर्मित कोल्ड चौन प्वाइंट मटौंध व पैलानी के कोल्ड चौन हैण्डलर्स को पूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त गुणवत्तापरक कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया । डा. विजय शंकर केसरवानी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, डा. वर्षा नायर एसएमओ डब्लूएचओ, रोहित कुमार वीसीसीएम यूएनडीपी, दिगम्बर सिंह प्रतिनिधि डब्लू. जेसीएफ, अवंतिका तिवारी डीएमसी यूनीसेफ एव श्रीमती राधा शर्मा एआरओ (आरआई) द्वारा कोल्ड चौन से सम्बन्धित विभिन्न विषयों की जानकारी सत्रवार दी गई। वैक्सीन कोल्डचौन निर्माता से लेकर लाभार्थी (गर्भवती व बच्चों तक) निर्धारित तापक्रम पर पहुंचे, इस पर विस्तार से जानकारी दी गयी। पीएचसी/ सीएचसी पर रखे उपकरणों (आईएलआर / डीप फ्रीजर), कोल्ड बाक्स व वैक्सीन कैरियर्स के उपयोग व प्रयोग में सावधानियों के विषय में बताया गया। अधिकंाश वैक्सीन गर्मी पाकर खराब न हो पायें इस की जानकारी हेतु वैक्सीन पर लगे संकेतक (वीवीएम) की पहचान आदि के बारे में बताया गया। कोल्ड चौन प्वाइंट से सत्र स्थल एवं डिलेवरी प्वाइंट पर वैक्सीन भेजने पर रखी जाने वाली सावधानियों एवं वैक्सीन के रखरखाव सम्बन्धी समस्त जानकारी दी गयी ।प्रशिक्षण का मूलमंत्र था कि सही तापक्रम पर, सही वैक्सीन, सही मात्रा में सही लाभार्थी को सही समय (उम्र) पर लगायी जाये।

रोड सेफ्टी क्लब द्वारा विद्यालयों में यातायात नियमों की जानकारी दी जाये: डीएम

बांदा। जिलाधिकारी जे.रीभा एवं अध्यक्ष जिला पंचायत सुनील सिंह पटेल की उपस्थिति में जिला विद्यालय परिवहन यान सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने विद्यालय के प्रबंधकों को निर्देश दिए की विद्यालय आने जाने में एक घंटे से अधिक समय बच्चों का न लगने पाए तथा निर्धारित किराया ही लिया जाए। रोड सेफ्टी क्लब द्वारा विद्यालयों में यातायात नियमों की जानकारी तथा सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई जाए, इसके साथ ही विद्यालय में नेत्र स्वास्थ्य परीक्षण आयोजित किया जाए। वाहन चालकों का नेत्र परीक्षण एवं चरित्र सत्यापन अवश्य विद्यालय प्रबंधकों द्वारा कराया जाए। ओवरलोडिंग बच्चों के वाहनों में न की जाए तथा विद्यालय के सभी वाहनों की फिटनेस चेक कराई जाए। विद्यालय छुटने के समय भीड़ अधिक होने पर यातायात नियंत्रण की व्यवस्था कराई जाए। जिन विद्यालयों के वाहनों की फिटनेस समाप्त हो गई है उसे तत्काल ठीक कराया जाए। जो विद्यालय राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे हैं वहां पर साइनेज, स्पीड ब्रेकर बनाए जाए। सभी स्कूली वाहनों पर स्पष्ट नंबर प्लेट सहित प्रत्येक विद्यालय में बच्चों को सड़क सुरक्षा की जानकारी दिलाए जाने के निर्देश जिला विद्यालय निरीक्षक एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिए।

कांग्रेसियों ने जलभराव से जूझ रहे बाशिंदों का जाना हाल

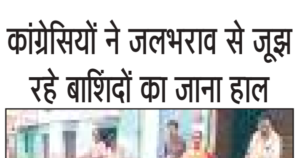

बांदा। बुधवार को शहर के मोहल्ला शंकर नगर, आजाद नगर, लोहिया पुल में जलभराव की समस्या से जूझ रहे मोहल्ला वासियों, राहगीरों से जलभराव की लगातार शिकायत आने पर आज बांदा कंाग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कंाग्रेस प्रतिनिधि मण्डल के साथ उक्त क्षेत्र की समस्या मौके में पहुंच कर देखी। आज मोहल्ला शंकर नगर, आजाद नगर, तथा लोहिया पुल बाँदा मे रेलवे लाइन के दोहरीकरण कार्य के कारण हुई जल निकासी की समस्या का संज्ञान लेते हुए कंाग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कंाग्रेस प्रतिनिधि मण्डल के साथ मौके का निरीक्षण किया। उक्त क्षेत्र वासियों से विचार विमर्श कर पूरी समस्या की जानकारी प्राप्त की गई तथा तय किया गया कि तत्काल जल निकासी की समस्या के निवारण / निस्तारण हेतु जिलाधिकारी बांदा को कल 10 बजे ज्ञापन दिया जाएगा।

सरस्वती मेडिकल कॉलेज में टैबलेट वितरण का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नवाबगंज। उत्तर प्रदेश शासन की ''डिजिशक्ति योजना'' के अंतर्गत आज सरस्वती मेडिकल कॉलेज में एक भव्य वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मेडिकल छात्रों को टैबलेट/स्मार्टफोन वितरित किए गए। यह आयोजन जिलापंचायत अध्यक्ष श्रीमती शकुन सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में जिलापंचायत अध्यक्षा ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन के माध्यम से छात्रों का उत्साहवर्धन किया और डिजिटल भारत की दिशा में इस कदम को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि डिजिटल उपकरणों की यह सौगात विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है। इस अवसर को और भी गरिमामयी बनाया ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रविप्रताप सिंह एवं समाजसेवी शशांक शेखर सिंह 'सनी' की उपस्थिति ने, जिन्होंने विद्यार्थियों के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत किए और डिजिटल शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। समारोह में चिकित्साध्यक्ष डॉ. श्वेतांक अग्रवाल, वित्त अधिकारी रजनीश सिंह, सभी चिकित्सकगण, फैकल्टी सदस्य तथा छात्र-छात्राओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। सभी ने इस पहल का स्वागत किया और इसे युवाओं के डिजिटल सशक्तिकरण के लिए अत्यंत सराहनीय कदम माना। कार्यक्रम के समापन पर सरस्वती मेडिकल कॉलेज ने उत्तर प्रदेश शासन के प्रति आभार व्यक्त किया और डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की।इस दौरान डॉ अभिषेक कुमार,डॉ हरेंद्र,संदीप चौधरी,प्रियांशु श्रीवास्तव सहित कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ शीबा यादव ने किया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियन्ता/सेतु कर्मशाला, उत्तर रेलवे चारबाग, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	निविदा सं.	कार्य का नाम
1.	08/डब्लू./बीडब्लूएस/सीबी/एल.के.ओ./2025-26	अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत लखनऊ मंडल के विभिन्न स्टेशनों (सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, बाराबंकी, उन्नाव) और मुरादाबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों (नगीना, चंदौसी, अमरोहा, रामपुर, गजरौला) में फुट ओवर ब्रिज का निर्माण, संयोजन और लॉन्चिंग।
2.	अनुमानित लागत	रु. 15,56,85,357.28
3.	बोली सुरक्षा राशि	रु. 9,28,400.00
4.	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 12 माह
5.	निविदा खोलने की प्रारम्भिक तिथि	12.08.2025
6.	निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि एवं निविदा खुलने की तिथि तथा समय	निविदा 26.08.2025 को 15:00 बजे तक जमा किए जा सकेंगे एवं निविदा उसी दिन खोली जायेगी।
7.	न्यूनतम पात्रता की शर्तें	
अ	तकनीकी	(i) निविदा कार ने पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी एक कार्य को सफलतापूर्वक पूरा या पर्याप्त रूप से पूरा किया हो, जिस महीने में निविदा आमंत्रित की गयी थी, उससे पहले के महीने के अन्तिम दिन को समाप्त करना होगा। तीन समान कार्य जिनकी लागत, निविदा की विज्ञापित मूल्य के 30 प्रतिशत के बराबर राशि से कम न हो। या दो समान कार्य जिनका लागत, निविदा की विज्ञापित मूल्य के 40 प्रतिशत के बराबर राशि से कम न हो। या एक समान कार्य की लागत, निविदा के विज्ञापित मूल्य के 60 प्रतिशत के बराबर राशि से कम नहीं होनी चाहिए।
ब	वित्तीय	निविदाकर्ता का न्यूनतम औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार V/N (वी/एन) या 'V' (वी) जो भी कम हो जहाँ V (वी) = निविदा की विज्ञापित मूल्य करोड़ रूपये में। N (एन) = कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या, जिसके लिए बोलियां आमंत्रित की गयी है। औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार की गणना, पिछले तीन वित्तीय वर्षों में कुल संविदात्मक भुगतान के औसत के रूप में की जायेगी, लेखा परीक्षित बैलेंस शीट के अनुसार। तथापि, यदि पिछले वर्ष का तुलन-पत्र अभी तक तैयार/लेखापरीक्षित नहीं है, तो औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार की गणना के लिए चौथे पिछले वर्ष की लेखा परीक्षित तुलन-पत्र पर विचार किया जाएगा।
8.	एक समान कार्य	"स्टील ट्रैक में गर्डर, बू गर्डर, प्लेट गर्डर, एफओबी आदि का निर्माण, आपूर्ति, असेंबलिंग, इरेक्शन और लॉन्चिंग/री-गर्डरिंग।"
9.	वेबसाइट का विवरण एवं कार्यालय का नाम जहाँ निविदा का विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in, कार्यालय उप मुख्य अभियन्ता / से. कर्म., उत्तर रेलवे चारबाग, लखनऊ।

नोटः- 1. ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। 2. समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। 3. मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी। 4. निविदा प्रपत्र की लागत जो निविदा प्रपत्र में निर्दिष्ट किया गया है। 5. बोली सुरक्षा राशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग, पैमेंट गेटवे या बैंक गारंटी जैसा कि निविदा प्रपत्र में निर्दिष्ट किया गया है, द्वारा स्वीकृत की जायेगी।

निविदा सू.सं.- 08/डब्लू./बीडब्लूएस/सीबी/एल.के.ओ./2025-26
दिनांक 29.07.2025 2321/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अपर जिलाधिकारी के अशोभनीय व्यवहार को लेकर मनरेगा महासंघ ने दिया राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। आज 30 जुलाई को मनरेगा मजदूर मिस्त्री महासंघ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विश्वकर्मा समाज वरिष्ठ नेता ऋषि संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में अशोक चौराहे से तहसील परिसर तक न्यायिक अधिकारी अनिल कुमार का विरोध प्रदर्शन करते हुए उप जिलाधिकारी युग्नातक त्रिपाठी पांच सूत्रीय ज्ञापन सौपा मनरेगा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि संतोष कुमार शर्मा लखीमपुर अपर जिलाधिकारी न्यायिक अनिल कुमार के कार्यालय पहुंच कर भेंट करने गए तो अपर जिलाधिकारी न्यायिक अनिल कुमार ने नशे में धुत होकर शर्मा को अपमानित किया कहा कि कार्यालय से भाग जाओ नहीं तो तुमको बंद करवा देंगे। शर्मा ने कहा भारत के मजदूर मिस्त्री, वैज्ञानिक विश्वकर्मा, अति पिछड़े अति दलितों, अधिवक्ता पत्रकार बंधुओं खुदरा व्यापारी के उत्थान के लिय कार्य करते है। नशे में धुत अपर जिलाधिकारी न्यायिक अनिल कुमार ने सुरक्षा में तैनात दो सिपाहियों से कार्यालय निकलवा दिया था। मनरेगा के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओ ने अपर जिला अधिकारी न्यायिक अनिल कुमार को बर्खास्त करने के लिय पूरे गोला में पैदल मार्च करके विरोध प्रदर्शन किया। गोला तहसील पहुंचकर उप जिलाधिकारी युग्नातर त्रिपाठी को पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्य न्यायधीश सर्वोच्च न्यायालय भारत सरकार, एवं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित सौंपा जिसमें मांग की गई की अपर जिला अधिकारी न्यायिक अनिल कुमार को बर्खास्त किया जाय। ज्ञापन देते समय प्रदेश अध्यक्ष पंडित वेद प्रकाश शर्मा, जिला अध्यक्ष शाहजहांपुर ओमवीर , जिलाध्यक्ष खीरी रमेश चंद्र, जिला अध्यक्ष सीतापुर डा0 अवधेश कुमार, मिश्रा शर्मा प्रभारी सोशल मीडिया, मिथलेश कुमारी, रामदुलारी मिश्रा, सुभाष मिश्रा, माया देवी ग्राम पंचायत सदस्य, कामिनी राजवंधी, कोले पांडे, एड0 दिनेश मिश्रा, धीरज मिश्रा, संरक्षक भाई लाल शर्मा, रजनीश श्रीवास्तव, बंदना पांडे, राजेंद्र प्रसाद, ओम प्रकाश शर्मा प्रधान सहतपुर, अखिलेश पैलवीं पूर्व जिला पंचायत सदस्य,सैंकड़ों कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहें।

कांवड़ियों से भरी ट्राली को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, दो दर्जन से अधिक घायल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। पसगवा ब्लॉक के जलालपुर एनएच 30 पर एक दर्दनाक हादसा हुआ, जब कावड़ियों से भरी ट्रैक्टर ट्राली को एक अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में दो दर्जन से अधिक कावड़िये घायल हो गए। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस सेवा की टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को सीएचसी पसगवां में भर्ती कराया। डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर 108/102 कैलाश बिष्ट ने बताया कि बुधवार की सुबह 3:17 मिनट पर पसगवा ब्लॉक के जलालपुर गांव के पास एनएच 30 पर यह हादसा हुआ। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने 108 पर कॉल की और बताया कि ट्रैक्टर ट्राली पलट गई है और 27 से 28 लोग घायल हो गए हैं। सूचना मिलते ही 102 और 108 की चार एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को निकटतम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पसगवां में भर्ती कराया। पैरामेडिकल स्टाफ ने घायलों को प्राथमिक उपचार दिया, लेकिन गंभीर रूप से घायल 11 लोगों को शाहजहांपुर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। इनमें विनीत पुत्र राकेश उम्र 23 वर्ष, सुरजीत (16) पुत्र रामकुमार, रवि (14) पुत्र मनीराम, सुमित (14) पुत्र बालक राम, सुधीर (20) पुत्र रामकुमार, संजय (27) पुत्र बालक राम, अशोक (19) पुत्र श्री कृष्णा, ममता (34) पत्नी वेदराम, अजय (20) पुत्र श्री कृष्णा, ज्ञानेंद्र (16) पुत्र श्री कृष्णा और धर्मवीर (2) पुत्र बलराम शामिल हैं। सभी घायल कावड़िये पिहानी हरदोई के निवासी हैं और उन्हें शाहजहांपुर मेडिकल कॉलेज में आगे के इलाज के लिए भेजा गया है।

संक्षिप्त समाचार

गोला मे धूमधाम से निकाली गई जलाभिषेक यात्रा, भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

गोला गोकर्णनाथ खीरी। हर श्रीनाथ मंदिर दरगाह से शिव मंदिर गोला तक जलाभिषेक यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला ने पुष्पों की वर्षा कर शोभायात्रा के भक्तों का स्वागत किया।नगर भाजपा अध्यक्ष सत्रोहन लाल मिश्रा, नगर महामंत्री राजेश राठौर, संजय साहनी, नगर उपाध्यक्ष विजय मिश्रा, मीडिया प्रभारी सीमा सक्सेना, जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा धीरज बाजपेई, नगर मंत्री विमलेश वर्मा, नगर कोषाध्यक्ष गीता विश्वकर्मा, अध्यक्ष महिला मोर्चा शिवम गुप्ता, शक्ति केंद्र संयोजक हरिओम मिश्रा, पूर्व शक्ति केंद्र संयोजक रेखा मिश्रा, नगर उपाध्यक्ष अनिल सक्सेना, अनिल जलोटा, श्याम राजपूत और वरिष्ठ कार्यकर्ता विकास मिश्रा ने भी पुष्पों की वर्षा से भक्तों का जोरदार स्वागत किया। मीडिया प्रभारी सुरेश ठाकुर ने बताया कि जलाभिषेक यात्रा के दौरान भक्तों में भारी उत्साह देखा गया और भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने सक्रिय योगदान से यात्रा को सफल बनाया।

बिना अनुमति के किसान की भूमि अधिकृत करने का प्रयास, मुख्यमंत्री से की शिकायत

गोला गोकर्णनाथ खीरी। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (उप्रसिदा) द्वारा एक किसान की पुश्तैनी भूमि को बिना अनुमति के अधिग्रहित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस मामले में पीड़ित किसान शिवदयाल ने मुख्यमंत्री महोदय उत्तर प्रदेश शासन को जनसुनवाई समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली के माध्यम से पत्र भेजकर भूमि अधिग्रहित न किए जाने की मांग की है। शिकायत के अनुसार, ग्राम कुंभी निवासी शिवदयाल की पुश्तैनी भूमि गाटा संख्या 1149 और रखवा 03640 में है, जिसे उ प्र सीदा द्वारा भूमि अधिग्रहण किए जाने का विज्ञापन हिंदुस्तान समाचार पत्र में 12 जुलाई 2025 को प्रकाशित हुआ था। जबकि उक्त भूमि पर प्रार्थी ने प्लॉटिंग कर चुके हैं और कई प्लॉटों का बैनामा भी कर दिया है। शिवदयाल ने अपने पत्र में कहा है कि उनकी सहमति के बिना भूमि अधिग्रहण करना पूरी तरह से अनुचित है और इससे उनके परिवार को भारी नुकसान होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि उनकी भूमि को अधिग्रहित न किया जाए और उनकी आपत्ति को ध्यान में रखा जाए। इस मामले में आगे की कार्रवाई की प्रतीक्षा है, लेकिन पीड़ित किसान की शिकायत से यह स्पष्ट होता है कि प्रशासन की कार्रवाई से आम जनता को कितनी परेशानी हो सकती है।

सांपों के साथ खिलवाड़ करना पड़ा महंगा, रीलबाज पर वन विभाग ने दर्ज किया केस

गोला गोकर्णनाथ खीरी। वन विभाग ने एक रीलबाज के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। आरोप है कि रीलबाज ने सांपों के साथ खेलकर उनकी जान जोखिम में डाली और वन्य जीव संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन किया। वन विभाग के अनुसार, मामला गोला वन रेंज का है और रीलबाज पर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9/51 के तहत केस दर्ज किया गया है। इस धारा के तहत सात साल तक की सजा का प्रावधान है। वन रेंजर संजीव तिवारी ने बताया कि रीलबाज की गिरफ्तारी जल्द ही संभव है। वन विभाग की इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि वन्य जीवों के संरक्षण के लिए विभाग कितना गंभीर है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

परेली में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आज जरूरतमंद लोग उठाएं लाभ

अजान खीरी। स्वर्गीय ब्रह्मादीन वर्मा की स्मृति में एक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर प्रभात किरण सामाजिक संस्थान द्वारा आरोग्य हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।दिनांक: 31 जुलाई 2025 (आज–दिन: गुरुवार– समय: प्रात: 10:00 बजे से 1:00 बजे तक स्थान: पटेल शांति निकुंज इंटर कॉलेज, परेली खीरी इस शिविर में जरूरतमंद लोग अपना पंजीकरण कराकर नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। यह आयोजन निश्चित ही क्षेत्र के लोगों के लिए एक बड़ा सहारा साबित होगा।

उन्नत खेती के लिए बंगाली कॉलोनी निवासी गौतम चंद से मिलिए

गोला गोकर्णनाथ खीरी। मिलिये उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी की बंगाली कॉलोनी में रहने वाले किसान गौतम चंद्र से, भूमिही न होने के बावजूद उन्होंने किराए पर ली गई सिर्फ 1 एकड़ जमीन पर परवल और कुंदरू की ऐसी खेती शुरू की है, जिससे आज वे सालाना 5 लाख रुपये का टर्नओवर कर रहे हैं। वो भी महज 90 हजार से 1 लाख रुपये की लागत में। वो परवल और कुंदरु के साथ साथ अरबी , बैगन , मिर्ची , प्याज , गोभी लगभग सभी पद्मथपधद्व्रथद्य खेती करते हैं, साथ ही वो बताते हैं की वो मचान विधि से भी खेती करते हैं। गौतम सुबह–सुबह उठकर खुद ही नर और मादा फूलों का हाथों से परागण करते हैं। ये तकनीक न सिर्फ फलों को सूखने से बचाती है, बल्कि पैदावार को दोगुना तक बढ़ा देती है। गौतम का कहना है कि अगर पारंपरिक तरीके से 1–2 क्विंटल उपज होती है, तो हैंड पोलिनेशन से 3–4 क्विंटल तक उत्पादन संभव है। यही वजह है कि आज कई किसान उनकी इस पद्धति को सीखने के लिए उनसे मिलने आते हैं। इस वीडियो में जानिए और सीखिए गौतम की खेती का तरीका।

नगरीकरण के चलते बदली क्षेत्र पंचायत व जिला पंचायत की सीमाएं, आपत्तियां आमंत्रित

लखीमपुर खीरी। डीपीआरओ विशाल सिंह ने बताया कि जनपद के विकासखंड बिजुआ की ग्राम पंचायत भीरा अब नगर पंचायत में बदल गई है। इससे ग्राम पंचायत भीरा की समस्त 20605 जनसंख्या अब नगरीय क्षेत्र में शामिल हो गई है। परिणामस्वरूप क्षेत्र पंचायत बिजुआ के वार्डों की संख्या घटकर अब 112 रह गई है। साथ ही, जिला पंचायत के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों में भी आंशिक परिवर्तन किया गया है। इसी तरह विकासखंड धौरहरा की ग्राम पंचायत जुगनूपुर की 5641 जनसंख्या नगर पंचायत धौरहरा में समाहित कर दी गई है, जिससे ग्राम पंचायत जुगनूपुर तथा क्षेत्र पंचायत धौरहरा के वार्ड प्रभावित हुए हैं। इसके चलते संबंधित जिला पंचायत क्षेत्र से कुल 5641 जनसंख्या घटाकर नया निर्धारण किया गया है, जिसे अब प्रकाशित कर दिया गया है।

सर्व मंगल कामना हेतु श्रवण मास मे देवी मंदिर पर अखंड पाठ का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● अखंड पाठ के समापन के पश्चात कन्या भोज व भंडारे का आयोजन होगा

गोला गोकर्णनाथ खीरी। छोटी काशी गोला क्षेत्र के गांव सेरपुर मे गांव के पश्चिम दुर्गा माता के पौराणिक मन्दिर पर समाज सेवी लालू मिश्र व ग्रामीणो के सहयोग से अखंड पाठ का आयोजन किया जा रहा है। सेरपुर गांव मे देवी मंदिर पर सर्व मंगल कामना हेतु श्रवण मास के चलते अखंड पाठ का आयोजन किया जा रहा है जिसमे कन्या भोज के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया जायेगा।

केयसइ कॉलेज गोला में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस का आयोजन किया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। कृषक समाज इंटर कॉलेज गोला में आज विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस का आयोजन प्रधानाचार्य अनंत प्रकाश सरोज की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि नगर के जाने माने चिकित्सक एवं समाजसेवी विद्यालय के पुरातन छात्र परिषद के सचिव डॉ रविंद्र नाथ वर्मा के द्वारा संपन्न हुआ। डॉ रवींद्र नाथ वर्मा ने बताया कि आज जब हम विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस मना रहे हैं तो यह स्वीकार करें कि प्रकृति संरक्षण की शुरुआत बाहर से नहीं, अंदर से होनी चहिए जल, वायु, वृक्ष, नदियाँ, पर्वत और जीव, ये सभी प्रकृति के अंग हैं जो जीवन को संभव और टिकाऊ बनाते हैं। यदि प्रकृति है, तभी हमारा भविष्य सुरक्षित है, और तभी हमारी संस्कृति जीवंत रह सकती है। हमारी संस्कृति हमेशा वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना पर आधारित रहती है। जहाँ जीव-जंतुओं, वृक्षों और नदियों को भी ईश्वर के रूप में पूजा जाता है। जब हम प्रकृति का सम्मान करते हैं, तो हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को भी जीवित रखते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अनिल कुमार ने बताया कि आज प्रदूषण, वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियाँ सिर्फ पर्यावरण की नहीं, बल्कि मानवता की भी हैं। यदि हमने अभी भी प्रकृति का संरक्षण नहीं किया तो आने वाले वृक्ष को केवल संकट और सूखे विरासत में शामिल करें। इसलिए समय की पुकार है प्रकृति को पूजने नहीं, उसकी रक्षा भी करें प्रधानाचार्य अनन्त प्रकाश सरोज ने बताया कि आईए आज श्रावण के तीसरे सोमवार संकल्प लें एक पेड़ मां के नाम और एक पेड़ धरती मां के नाम पर अंकित कर प्रकृति संरक्षण का संकल्प लें।कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थी सहित लखपत भारती ,ओम प्रकाश, आरती गुप्ता, रागिनी देवी उपस्थित रही एवं संचालन देवेंद्र सिंह ने किया।

भारतीय योग संस्थान में श्रद्धेय प्रकाश लाल जी की पुण्य तिथि मनाई गई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। भारतीय योग संस्थान के संस्थापक परम श्रद्धेय प्रकाश लाल जी की 16 वीं पुण्य तिथि पर लखीमपुर के 32 केंद्रों पर श्रद्धा पूर्वक व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें श्रद्धेय प्रकाश लाल जी के जीवन परिचय, उनकी योग उपलब्धियों और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। नगर स्थिति आदर्श योग साधना केंद्र श्री चित्रगुप्त कायस्थ धर्मशाला गढ़ी रोड पर श्रद्धा पूर्वक हर्षोल्लास सहित जिला प्रधान रमेश कुमार वर्मा एडवोकेट की अध्यक्षता में आर0 पी0 श्रीवास्तव पूर्व वरिष्ठ प्रवक्ता राजकीय इंटर कालेज के मुख्य आथित्य में तथा क्षेत्रीय प्रधान शशिकांत श्रीवास्तव की उपस्थिति में स्मृति दिवस आयोजित हुआ। कार्यक्रम मां सरस्वती व श्रद्धेय प्रकाश लाल जी के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित करते हुए मां सरस्वती वंदना विजय लक्ष्मी अग्रवाल की सुरमई आवाज से प्रारंभ की गई। राजेश श्रीवास्तव एडवोकेट केंद्र प्रमुख ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्रद्धेय प्रकाश लाल जी के जीवन परिचय सहित उनकी योग उपलब्धियों को बताया। मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। केंद्र पर बहुत अच्छी संख्या में साधक साधिकाओं ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसके साथ-साथ नरेश चंद्र वर्मा प्रांतीय प्रधान पूर्वी उत्तर प्रदेश के सानिध्य में डॉक्टर ओ0पी0 श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में रामेश्वरम नाथ मंदिर फॉरेस्ट कॉलोनी में, ब्लॉक कॉलोनी में शिवराम वर्मा जिला मंत्री के पर्यवेक्षण में ज्ञानेंद्र कुमार सिंह, खण्ड विकास अधिकारी के मुख्य आथित्य में योग के साथ पौधरोपण भी हुआ। गुरु नानक इंटर कॉलेज में मुख्य अतिथि विनोद शंकर अवस्थी विधायक जी, कमल किशोर बरनवाल क्षेत्रीय प्रधान, उमाशंकर त्रिवेदी, राजीव वर्मा, गजराम सिंह ने सियाराम मैरिज लॉन में अनिल वर्मा क्षेत्रीय प्रधान, बी0 के0 वंशवर क्षेत्रीय मंत्री, जयकरण सिंह, आर पी यादव वानप्रस्थ क्लब, अरविंद वर्मा क्षेत्रीय प्रधान सिद्धेश्वर नाथ शिव मंदिर सलेमपुर, नैशनल पब्लिक स्कूल, राम नवमी मन्दिर, नर्मदेश्वर महादेव मंदिर राजाजी पुरम में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों का समापन सभी केंद्रों पर शान्ति पाठ व प्रसाद वितरण से हुआ। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों, क्षेत्रीय प्रधानों, केंद्र प्रमुखों और महिला जिला प्रधानों ने पूरी श्रद्धा से स्मृति दिवस को संपन्न कराया। इस अवसर पर महिला जिला प्रधान अर्चना श्रीवास्तव, कामिनी मिश्रा, महिला जिला मंत्री, डॉक्टर सुशीला सिंह महिला जिला संगठन मंत्री सहित सभी प्रभारी गणों ने सम्बन्धित केंद्रों पर पूरे मनोबल से स्मृति दिवस को पूरी श्रद्धा से संपन्न कराया। प्रेम पाल वर्मा, गोपाल जी गुप्त क्षेत्रीय मंत्रियों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रेस वेलफ़ेयर एसोसिएशन रजि. की मासिक बैठक संपन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। प्रेस वेलफ़ेयर एसोसिएशन रजि.मोहम्मदी की मासिक बैठक नगर पालिका सभागार में संपन्न हुई।मासिक बैठक वरिष्ठ पत्रकार हरिश्चंद्र सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई।अध्यक्ष शिवम राठौर ने ग्रुप को और भी सक्रिय करने की बात रखी जिस पर सभी सम्मानित साथियों सहमति जताई मासिक बैठक में संगठन के समस्त पदाधिकारी मौजूद रहे।वही विमल सिंह ने कहा कि हमे समाचार प्रकाशन पर विशेष ध्यान देना चाहिए हमारी यह कोशिश रहना चाहिए कि हमारी कलम से हर पीड़ित को न्याय मिले मो इलियास अली ने संगठन को मजबूत करने की बात रखी। बैठक में विनीत सिंह, रियासत अली, सिदाकत मंसूरी, अमित कुशवाहा, बबली देवी, शादाब खान, तौहीद मंसूरी, इमरान मंसूरी, अर्जुन राठौर, शमशाद खा, असलम रजा, अश्वनी सिंह राजपूत, जशवंत, शारिब अली मंसूरी,अनुज सिंह सहित और भी पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहें।

दिल्ली–मुंबई मार्ग के मथुरा–कोटा रेलखंड पर स्थापित हुआ कवच 4.0

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय रेल द्वारा स्वदेशी रेल सुरक्षा प्रणाली कवच 4.0 को उच्च घनत्व(हाई डेंसिटी) वाले दिल्ली-मुंबई मार्ग के मथुरा-कोटा रेलखंड पर स्थापित कर दिया गया है। यह देश में रेलवे सुरक्षा प्रणालियों के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'आत्मनिर्भर भारत' दृष्टिकोण से प्रेरित होकर कवच ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम को स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित किया है। कवच 4.0 एक अत्याधुनिक तकनीकी प्रणाली है। इसे जुलाई 2024 में टव्व्ह्र (रिसर्च डिज़ाइंस एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गनाइज़ेशन) द्वारा स्वीकृति दी गई थी। कई विकसित देशों को ऐसी ट्रेन सुरक्षा प्रणाली को विकसित और स्थापित करने में 20 से 30 वर्ष लग गए। कोटा-मथुरा रेलखंड पर कवच 4.0 बहुत कम समय में स्थापित किया गया है, जो कि एक बड़ी उपलब्धि है।

स्वतंत्रता के बाद 60 वर्षों तक देश में अंतरराष्ट्रीय मानकों की उन्नत ट्रेन सुरक्षा प्रणालियों को स्थापित नहीं किया गया। अब कवच प्रणाली को हाल ही में चालू किया गया है, ताकि ट्रेन और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। भारतीय रेल अगले 6 वर्षों के भीतर देशभर के विभिन्न रेल मार्गों पर कवच 4.0 को स्थापित करने की तैयारी कर रहा है। अब तक 30,000 से अधिक लोगों को कवच प्रणाली पर प्रशिक्षित किया जा चुका है। IRISET (भारतीय रेल सिग्नल इंजीनियरिंग एवं दूरसंचार संस्थान) ने AICTE से मान्यता प्राप्त 17 इंजीनियरिंग कॉलेजों, संस्थानों, विश्वविद्यालयों के साथ समझौता किया है, ताकि बी. टेक पाठ्यक्रम में कवच को शामिल किया जा सके। कवच से लोको पायलटों को मदद मिलेगी: ब्रेक प्रभावी रूप से लगाने में और कोहरे जैसी कम दृश्यता की स्थिति में सिग्नल देखने के लिए बाहर देखने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें सारी जानकारी केबिन के अंदर लगे डैशबोर्ड पर दिखाई देगी।

क्या है कवच?

▸▸कवच एक स्वदेशी रूप से विकसित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है, जिसे ट्रेनों की गति की निगरानी और नियंत्रण करके दुर्घटनाओं को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है।

▸▸इसे सेफ्टी इंटिग्रिटी लेवल 4 (SIL-4) पर डिजाइन किया गया है, जो सुरक्षा का सर्वोच्च स्तर है।

▸▸कवच का विकास 2015 में शुरू हुआ। इसे 3 वर्षों तक परीक्षण किया गया।

▸▸तकनीकी सुधारों के बाद इसे पहले दक्षिण मध्य रेलवे (ट्टएट) में स्थापित किया गया और 2018 में पहला संचालन प्रमाणपत्र मिला।

▸▸SCR में अनुभवों के आधार पर एक उन्नत संस्करण 'कवच 4.0' विकसित किया गया, जिसे मई 2025 में 160 किमी/घंटा तक की गति के लिए मंजूरी दी गई।

◦ कवच के सभी उपकरण स्वदेशी रूप से निर्मित किए जा रहे हैं।

कवच की जटिलता:

कवच एक अत्यंत जटिल प्रणाली है। इसे कमीशन करना किसी टेलीकॉम कंपनी को खड़ा करने के समान है। इसमें निम्नलिखित उप-प्रणालियां शामिल हैं: 1. RFID टैग्स: प्रत्येक 1 किमी पर और प्रत्येक सिग्नल पर लगाए जाते हैं। ये ट्रेन की सटीक स्थिति बताते हैं।

2. टेलीकॉम टावर्स: हर कुछ किलोमीटर पर ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी और पावर सप्लाई सहित टावर्स लगाए जाते हैं। लोको कवच और स्टेशन कवच लगातार इन टावर्स के जरिए संचार करते हैं।

3. लोको कवच: ट्रैक पर लगे टक्क्क्र टैग्स से जानकारी प्राप्त करता है, उसे टेलीकॉम टावरों तक पहुंचाता है और स्टेशन कवच से रेडियो सूचना प्राप्त करता है। इसे लोको के ब्रेकिंग सिस्टम से भी जोड़ा गया है, ताकि आपात स्थिति में स्वतः ब्रेक लगे।

4. स्टेशन कवच: प्रत्येक स्टेशन और ब्लॉक सेक्शन पर लगाया जाता है। यह लोको कवच और सिग्नल प्रणाली से जानकारी लेकर सुरक्षित गति के लिए निर्देश देता है।

5. ऑप्टिकल फाइबर केबल (OFC): पूरी प्रणाली को जोड़ने के लिए ट्रैक के साथ-साथ ग्क्क्र बिछाई जाती है, जिससे हाई-स्पीड डेटा कम्युनिकेशन संभव होता है।

6. सिग्नलिंग सिस्टम: इसे लोको कवच, स्टेशन कवच, टेलीकॉम टावर आदि से जोड़ा गया है।

इन सभी प्रणालियों को बिना किसी रेल संचालन में व्यवधान के भारी पैसेंजर और माल गाड़ियों की आवाजाही के दौरान स्थापित, जांच और प्रमाणित किया जाता है।

कवच की प्रगति:

1. ऑप्टिकल फाइबर बिछाया गया- 5,856 किमी.

2. दूरसंचार टावर स्थापित - 619

3. स्टेशनों पर कवच स्थापित-708

4 .लोको पर कवच स्थापित-1,107

5. ट्रैकसाइड उपकरण स्थापित-4,001 रूट किलोमीटर

भारतीय रेलवे हर साल सुरक्षा संबंधी गतिविधियों पर 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश करता है। कवच ऐसी कई पहलों में से एक है जो ट्रेनों और यात्रियों की सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई हैं। कवच की त्वरित प्रगति और तैनाती का स्तर रेलवे की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

ओवल में भारत और इंग्लैंड की प्रतिद्वंदिता चरम पर पहुंचने की उम्मीद

एजेंसी

लंदन। भारत और इंग्लैंड ने अभी तक श्रृंखला में अपने जोश और जज्बे का शानदार नमूना पेश किया है और जब यह दोनों टीम गुरुवार से ओवल में शुरू हो रहे पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में एक दूसरे का आमना सामना करेंगी तो उनके बीच प्रतिद्वंदिता अपने चरम पर पहुंचना तय है। भारत ने ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए चौथे टेस्ट मैच को ड्रॉ कराकर पांच मैच की श्रृंखला को जीवंत रखा है। वह पांचवें मैच में श्रृंखला बराबर करने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरेगा। दूसरी तरफ अभी 2-1 से आगे चल रहा इंग्लैंड श्रृंखला जीतने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा। इस श्रृंखला में टेस्ट क्रिकेट में नई जान भी फूंकी है। खचाखच भरे स्टेडियम में खेली जा रही यह श्रृंखला टेस्ट क्रिकेट के लिए भी एक आदर्श विज्ञापन रही है, जिसमें सभी चार मैच पांचवें दिन के अंतिम सत्र तक चले। इस बीच दोनों टीम के खिलाड़ियों के बीच कुछ अवसरों पर नोक झोंक भी हुई जिससे श्रृंखला अधिक रोचक बन गई। चाहे वह लॉर्ड्स में जानबूझकर समय बर्बाद कर रहे जैक क्रॉली के खिलाफ शुभमन गिल का तीखा हमला हो या रविंद्र जडेजा का चौथे टेस्ट के अंतिम दिन बेन स्टोक्स की नाराजगी के बावजूद मैच रद्द करने से इनकार करना हो, दोनों टीम ने एक दूसरे पर हावी होने में कसर नहीं छोड़ी है। ओवल में भी ऐसा कुछ देखने को मिल सकता है जहां का मौसम भी गर्म है। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ओवल के क्यूरेटर ली फोर्टिस के साथ बहस करके माहौल भी तैयार कर दिया है।

उम्मीद है कि श्रृंखला का अंतिम मैच भी रोमांचक होगा, क्योंकि बेन स्टोक्स जैसे प्रेरणादायी कप्तान के नेतृत्व में इंग्लैंड की टीम युवा भारतीय टीम से आगे चल रही है। भारत के नए कप्तान शुभमन गिल ने अभी तक अपनी कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों से प्रभावित किया है।गिल ने श्रृंखला में अब तक 722 रन बनाए हैं और वह एक श्रृंखला में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक रन बनाने के सुनील गावस्कर के रिकार्ड से केवल 52 रन पीछे हैं। यही नहीं उन्हें टेस्ट श्रृंखला में भारतीय कप्तान द्वारा सर्वाधिक रन (732) बनाने के गावस्कर के रिकार्ड (1978-79 बनाम वेस्टइंडीज) को तोड़ने के लिए 11 रन और चाहिए। 25 वर्षीय गिल ने अब तक चार शतक जड़े हैं, जिनमें एक दोहरा शतक और ओल्ड ट्रैफर्ड में पिछले टेस्ट में खेली गई 103 रन की मैच बचाने वाली पारी शामिल है। गिल ने मैनचेस्टर में अपने करियर की सबसे निर्णायक पारी खेली और न केवल एक बल्लेबाज़ बल्कि एक कप्तान के रूप में भी अपनी प्रतिष्ठा में चार चांद लगाए।

बुमराह का पांचवें टेस्ट से बाहर रहना तय, आकाशदीप ले सकते हैं जगह

एजेंसी

लंदन। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का कार्यभार प्रबंधन के तहत इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से ओवल में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच से बाहर रहना तय है और आकाशदीप उनकी जगह अंतिम एकादश में शामिल हो सकते हैं। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। दुनिया के नंबर एक गेंदबाज 31 वर्षीय बुमराह ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए चौथे टेस्ट मैच में लय में नहीं दिखे, जहां उन्हें अपनी गति पर संघर्ष करना पड़ा और वे सफलता हासिल करने में असफल रहे। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, ''भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने बुमराह को बता दिया है कि यह फैसला उनकी पीठ को चोट से बचाने और भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कमर में दर्द के कारण चौथे टेस्ट से बाहर रहे आकाश दीप को अंतिम एकादश में बुमराह की जगह शामिल किया जा सकता है। इससे पहले मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि टीम संयोजन के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया गया है और बुमराह सहित सभी गेंदबाज फिट हैं। मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट के बाद गंभीर ने कहा था, ''हमने आखिरी टेस्ट के लिए टीम संयोजन पर कोई बातचीत नहीं की है। जसप्रीत बुमराह खेलेंगे या नहीं, इस पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। जो भी खेलेगा, वह देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेगा। चौथे टेस्ट में भारत के 358 रन के जवाब में इंग्लैंड ने 669 रन का विशाल स्कोर बनाकर 311 रन की बढ़त हासिल की थी। भारत यह मैच ड्रा करने में सफल रहा था। बुमराह ने चौथे टेस्ट की पहली पारी में 33 ओवर फेंके। उन्होंने पहली बार किसी एक पारी में इतने ओवर किए। बुमराह ने 103 रन देकर दो विकेट लिए। यह उनके करियर में पहला अवसर था जब उन्होंने एक टेस्ट पारी में 100 से अधिक रन दिए। इस श्रृंखला के दौरान उनकी रफ्तार में कमी भी देखी गई। इसके बावजूद उन्होंने श्रृंखला के जो तीन टेस्ट मैच खेले उनमें 14 विकेट लिए जो टीम के एक अन्य प्रमुख तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के बराबर हैं।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र कैबिनेट ने दिव्या देशमुख को विश्व कप जीतने पर बधाई दी

मुंबई। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने मंगलवार को एक प्रस्ताव पारित करके महिला शतरंज विश्व कप जीतने वाली सबसे कम उम्र की शतरंज खिलाड़ी बनने पर दिव्या देशमुख को बधाई दी। यह प्रस्ताव राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस की अध्यक्षता वाली कैबिनेट में पेश किया गया, जिसमें उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार तथा अन्य मंत्री शामिल थे। नागपुर की रहने वाली 19 वर्षीय खिलाड़ी दिव्या देशमुख सोमवार को महिला विश्व कप जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनी थी। उन्होंने जॉर्जिया के बातुमी में खेली गई प्रतियोगिता के फाइनल के टाई-ब्रेकर में हमवतन कोनेरू हम्पी को हराया था। फडणवीस ने सोमवार को घोषणा की थी कि महाराष्ट्र सरकार इस ग्रैंडमास्टर को उनकी शानदार उपलब्धि के लिए सम्मानित करेगी।

सीएएफए नेशंस कप में ताजिकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा भारत

नयी दिल्ली। भारत को सीएएफए नेशंस कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप बी में रखा गया है जहां उसका पहला मुकाबला 29 अगस्त को दुशांबे में मेजबान ताजिकिस्तान से होगा। इस ग्रुप की अन्य दो टीम ईरान और अफगानिस्तान हैं। आठ सितंबर तक चलने वाला यह मध्य एशियाई क्षेत्रीय टूर्नामेंट, एएफसी एशियाई कप 2027 क्वालीफायर फाइनल राउंड से पहले भारत के लिए तैयारी का काम करेगा। भारत ग्रुप चरण के अपने अगले दो मैच एक सितंबर को ईरान और चार सितंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ खेलेगा। इस टूर्नामेंट में आठ टीम भाग लेंगी। प्रत्येक ग्रुप की विजेता टीमें ताशकंद में फाइनल में जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमें दुशांबे में तीसरे स्थान के लिए भिड़ेंगी। ग्रुप ए के मैच ताशकंद में खेले जाएंगे। इस ग्रुप में मेजबान उज्बेकिस्तान, किर्गिज गणराज्य, तुर्कमेनिस्तान और ओमान शामिल हैं। इस टूर्नामेंट में भारत और ओमान दो मेहमान टीमें हैं। ईरान गत विजेता है, जिसने 2023 के फाइनल में उज्बेकिस्तान को 1-0 से हराया था।

कोको गॉफ की संघर्षपूर्ण जीत, फर्नांडीज पहले दौर में बाहर

मॉन्ट्रियल। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ ने तीन सेट तक चल कड़े मुकाबले में जीत दर्ज करके नेशनल बैंक ओपन डब्ल्यूटीए टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बनाई लेकिन पिछले सप्ताह डीसी ओपन का खिताब जीतने वाली स्थानीय खिलाड़ी लेयला फर्नांडीज पहले दौर में बाहर हो गई। फर्नांडीज को ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट ने केवल एक घंटे 15 मिनट में 6-4, 6-1 से हरा दिया। विश्व की 24वें नंबर की इस खिलाड़ी ने रविवार को वाशिंगटन में अपने करियर का चौथा डब्ल्यूटीए खिताब जीता था और वह मॉन्ट्रियल में कोर्ट पर वापसी से पहले अतिरिक्त आराम की उम्मीद कर रही थीं। इसलिए उन्होंने हार के बाद इस टूर्नामेंट के कार्यक्रम की आलोचना भी की। गॉफ ने हमवतन अमेरिकी डेनियल कोलिन्स के खिलाफ 23 डबल-फॉल्ट किए लेकिन वह आखिर में 7-5, 4-6, 7-6 (2) से जीत हासिल करने में सफल रही, जो फ्रेंच ओपन फाइनल के बाद उनकी पहली जीत है। चौथी वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा ने बियांका एंड्रीस्कू के टखने में चोट लगने के कारण मैच से हट जाने से तीसरे दौर में जगह बनाई। सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी को तीसरे सेट के टाईब्रेकर में जापान की आओई इतो से हार का सामना करना पड़ा, जबकि आठवीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने रेबेका मैरिनो को 6-1, 6-2 से हराया।

पंजाब नेशनल बैंक का पहली तिमाही का मुनाफा 48 प्रतिशत घटकर 1,675 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का चालू वित्त वर्ष (2025-26) की पहली तिमाही का एकल शुद्ध लाभ 48 प्रतिशत घटकर 1,675 करोड़ रुपये रहा है। बैंक ने गत वित्त वर्ष (2024-25) की पहली तिमाही में 3,252 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। पीएनबी ने बुधवार को शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय 32,166 करोड़ रुपये से बढ़कर 37,232 करोड़ रुपये हो गई। इस अवधि में बैंक की ब्याज आय भी बढ़कर 31,964 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 28,556 करोड़ रुपये थी। बैंक का परिचालन लाभ बढ़कर 7,081 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 6,581 करोड़ रुपये था। आलोच्य तिमाही में हालांकि बैंक का कर व्यय दोगुना होकर 5,083 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में यह 2,017 करोड़ रुपये था। बैंक की परिसंपत्ति की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। अप्रैल-जून तिमाही के अंत तक बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) घटकर कुल ऋण का 3.78 प्रतिशत रह गईं जो एक वर्ष पूर्व इसी तिमाही में 4.98 प्रतिशत थीं। इसी प्रकार, बैंक का शुद्ध एनपीए या खराब ऋण भी घटकर 0.38 प्रतिशत रह गया, जो एक वर्ष पूर्व इसी तिमाही में 0.6 प्रतिशत था। बैंक का प्रावधान और आकस्मिक व्यय उल्लेखनीय रूप से घटकर 323 करोड़ रुपये रह गया, जबकि एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में यह 1,312 करोड़ रुपये था।

गोवा ने पांच वर्ष में 'कसीनो' से 1,661 करोड़ रुपये की आवर्ती शुल्क कमाया : सावंत

पणजी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने राज्य विधानसभा में कहा कि गोवा सरकार ने पिछले पांच वर्ष में तटीय और अपतटीय 'कसीनो' से आवर्ती शुल्क के रूप में 1,661 करोड़ रुपये से अधिक अर्जित किए गए। सदन में मंगलवार को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में सावंत ने तटीय राज्य में संचालित सभी लाइसेंस प्राप्त 'कसीनो' से वार्षिक आवर्ती शुल्क के रूप में एकत्रित राजस्व का वर्षवार विवरण प्रदान किया। वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक माइकल लोबो द्वारा पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। राज्य में छह अपतटीय कैसीनो और 12 से अधिक तटीय 'कसीनो' हैं। आंकड़ों के अनुसार, राज्य ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान वार्षिक आवर्ती शुल्क के रूप में 186.35 करोड़ रुपये कमाए।

हरदीप ने रचा इतिहास अंडर-17 ग्रीको-रोमन कुश्ती के 110 किग्रा वर्ग में बने विश्व चैंपियन

नई दिल्ली। एथेंस (ग्रीस) में आयोजित अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारत के हरदीप ने 110 किलोग्राम ग्रीको-रोमन वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। फाइनल मुकाबले में हरदीप ने ईरान के यज़दान रज़ा डेलरूज़ को कड़े मुकाबले में क्लाइटेरिया के आधार पर हराया, क्योंकि मैच 3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ था। हरदीप ने क्वालिफिकेशन राउंड में कजाखस्तान के बाकतुर सोवेतखान को 2-0 से हराया। राउंड ऑफ 16 में उन्होंने पोलैंड के माटेउस यारोस्लाव टोमेल्का को 4-2 से मात दी। इसके बाद क्वार्टरफाइनल में यूक्रेन के अनातोली नोवाचेंको को 9-0 से पराजित किया। सेमीफाइनल में हरदीप ने तुर्किए के एमरुल्लाह कापकान को 4-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया और अंततः ऐतिहासिक स्वर्ण पदक अपने नाम किया। हरदीप की यह जीत भारत के युवा कुश्ती प्रतिभाओं के लिए एक प्रेरणा है।

टेस्ट रैंकिंग्स में स्टोक्स और जडेजा की बड़ी छलांग अभिषेक शर्मा बने नंबर-1 टी20 बल्लेबाज़

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और भारत के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने हाल ही में खेले गए इंग्लैंड-भारत चौथे टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईसीसी पुरुष टेस्ट रैंकिंग्स में बड़ी छलांग लगाई है। स्टोक्स ने टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग्स में तीन स्थान की छलांग लगाकर तीसरा स्थान हासिल कर लिया है, जो दिसंबर 2022 के बाद उनकी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। उन्होंने मैच में 141 रन की पारी के साथ पहली पारी में पांच विकेट भी झटके थे। इससे वे बल्लेबाजों की सूची में आठ स्थान चढ़कर 34वें और गेंदबाजों में 42वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जडेजा ने 107* रन की जुझारू पारी और चार विकेट की मदद से ऑलराउंडर रैंकिंग्स में शीर्ष पर अपनी बादशाहत और भी पुख्ता कर ली है। वे अब 422 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे नंबर पर मौजूद बांग्लादेश के मेहदी हसन से 117 अंक आगे हैं। उन्होंने बल्लेबाजों की सूची में पांच स्थान चढ़कर 29वां स्थान और गेंदबाजों में एक स्थान ऊपर चढ़कर 14वां स्थान हासिल किया है। इंग्लैंड के जो रूट ने ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट में 150 रन की शानदार पारी खेली, जिससे वे बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर मौजूद केन विलियमसन से 37 अंकों की बढ़त बनाए हुए हैं। इंग्लैंड के ओपनर बेन डकेट पांच स्थान ऊपर चढ़कर 10वें और ज़ैक क्रॉली दो स्थान ऊपर चढ़कर 43वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ओली पोप भी एक स्थान ऊपर चढ़कर 24वें स्थान पर आ गए हैं। भारत के ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर, जिन्होंने जडेजा के साथ 203 रनों की नाबाद साझेदारी की और 101* रन बनाए, आठ स्थान की छलांग लगाकर बल्लेबाजों की रैंकिंग में 65वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने दो विकेट भी लिए और ऑलराउंडर लिस्ट में भी आठ स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर आ गए हैं। तेज गेंदबाज जॉफ्रा आर्चर ने चार साल बाद टेस्ट क्रिकेट में लौटते हुए तीन विकेट लिए और गेंदबाजों की रैंकिंग में 38 स्थान ऊपर चढ़कर 63वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं, क्रिस वोक्स एक स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर आ गए हैं। भारतीय युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने पहली बार आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया है। ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड, जो पिछले एक साल से टॉप पर थे, वेस्ट इंडीज सीरीज़ में नहीं खेले और उनकी रैंकिंग गिर गई। ऑस्ट्रेलिया के जोश इंग्लिस ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ 172 रन बनाए और छह स्थान ऊपर चढ़कर 9वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं, टिम डेविड 12 स्थान ऊपर चढ़कर 18वें और कैमरन ग्रीन 64 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर 24वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है।

आयुष शेट्टी मकाऊ ओपन के क्वार्टर फाइनल में, ध्रुव-तनिषा भी आगे बढ़े

मकाऊ। भारत के युवा खिलाड़ी सातवें वरीय आयुष शेट्टी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बुधवार को यहां चीनी ताइपे के हुआंग यू काई को सीधे गेम में हराकर मकाऊ ओपन बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व के 31वें नंबर के खिलाड़ी शेट्टी ने 66वीं रैंकिंग वाले हुआंग को केवल 31 मिनट में 21-10, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। मिश्रित युगल में विश्व में 18वें स्थान पर काबिज और यहां पांचवीं वरीयता प्राप्त ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की जोड़ी भी आगे बढ़ने में सफल रही। इस भारतीय जोड़ी ने थाईलैंड के रत्चपोल मक्कासितोर्न और नट्टामोन लाइसुआन को 26 मिनट तक चले मुकाबले में 21-10, 21-15 से हराया। पुरुष एकल में सतीश कुमार करुणाकरण का सफर समाप्त हो गया। उन्हें प्री-क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के जस्टिन होह से 37 मिनट में 19-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा।

उच्च न्यायालय में सुनवाई से पहले माइक्रोसॉफ्ट ने नायरा की सेवाएं कीं बहाल

नयी दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन ने रूस की पेट्रोलियम कंपनी रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी की सेवांए बहाल कर दी हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। दिल्ली उच्च न्यायालय में निर्धारित सुनवाई से ठीक पहले यह फैसला किया गया है। माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन ने यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के बाद नायरा एनर्जी को सेवाएं देना बंद कर दिया था। इस पर भारतीय रिफाइनरी नायरा एनर्जी ने दिल्ली उच्च न्यायालय में माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ मुकदमा किया है जिस पर बुधवार को सुनवाई निर्धारित है। स्थिति से परिचित सूत्रों ने हालांकि बताया कि सुनवाई से पहले, माइक्रोसॉफ्ट ने नायरा के लिए ईमेल, माइक्रोसॉफ्ट टीम्स और अन्य सेवाओं तक पूर्ण पहुंच बहाल कर दी। कंपनी ने 28 जुलाई को बयान में कहा था, ''नायरा एनर्जी ने महत्वपूर्ण सेवाओं के अचानक और एकतरफा निलंबन के बाद माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। माइक्रोसॉफ्ट नायरा एनर्जी की अपने डेटा, मालिकाना उपकरणों और उत्पादों तक पहुंच को रोक रही है जबकि ये पूरी तरह से भुगतान किए गए लाइसेंस के तहत हासिल किए गए हैं। यूरोपीय संघ ने इस महीने की शुरुआत में यूक्रेन के साथ युद्ध को लेकर रूस के खिलाफ नए उपायों के तहत नायरा पर प्रतिबंध लगाए थे। रोसनेफ्ट की नायरा एनर्जी लिमिटेड, जिसे पहले एस्सार ऑयल लिमिटेड के नाम से जाना जाता था में 49.13 प्रतिशत हिस्सेदारी है। नायरा गुजरात के वडिनार में दो करोड़ टन सालाना क्षमता वाली एक तेल रिफाइनरी और 6,750 से ज्यादा पेट्रोल पंप का संचालन करती है। नायरा ने कहा, ''माइक्रोसॉफ्ट का यह फैसला यूरोपीय संघ (ईयू) के प्रतिबंधों की एकतरफा व्याख्या पर आधारित है, और कॉरपोरेट अतिक्रमण के लिए एक खतरनाक मिसाल कायम करता है। भारत के ऊर्जा परिवेश पर इसके प्रभावों को लेकर गंभीर चिंताएं भी उत्पन्न होती हैं। कंपनी ने कहा था कि उसने दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर अपने अधिकारों की रक्षा और आवश्यक डिजिटल बुनियादी ढांचे तक लगातार पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अंतरिम राहत देने और सेवाएं फिर से शुरू करने की मांग की है। उसने कहा, इन कदमों का उद्देश्य भारतीय उपभोक्ताओं और हितधारकों के प्रति अपने दायित्वों को पूरा करने की नायरा की क्षमता में किसी भी संभावित व्यवधान को रोकना है। नायरा एनर्जी ने कहा कि हालांकि ये प्रतिबंध विशेष रूप से यूरोपीय संघ की ओर से हैं, लेकिन अमेरिका स्थित कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने नायरा एनर्जी से सेवाएं वापस लेने का फैसला किया है जबकि ऐसा करने के लिए अमेरिकी या भारतीय कानून के तहत कोई बाध्यता नहीं है।

जायडस वेलनेस का पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 13.4 प्रतिशत घटकर 127.9 करोड़ रुपये

एजेंसी

नयी दिल्ली। जायडस वेलनेस लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 13.4 प्रतिशत घटकर 127.9 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी का गत वित्त वर्ष 2024-25 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में मुनाफा 147.7 करोड़ रुपये रहा था। जायडस वेलनेस ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 860.9 करोड़ रुपये रही जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 841 करोड़ रुपये थी। इस दौरान उसका कुल व्यय 694.4 करोड़ रुपये की तुलना में बढ़कर 718.6 करोड़ रुपये हो गया। जायडस वेलनेस के पास ग्लूकोन-डी, न्यूट्रालाइट, कॉम्प्लान, शुगर फ्री, नाइसिल और एवरयूथ नेचुरल्स सहित कई ब्रांड हैं।

मोदी दो अगस्त को 9.7 करोड़ किसानों को 20,500 करोड़ रुपये की पीएम-किसान की 20वीं किस्त जारी करेंगे

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उत्तर प्रदेश के वाराणसी में 20,500 करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 20वीं किस्त दो अगस्त को जारी करेंगे। इससे देशभर के 9.7 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। सरकार की प्रमुख प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना 2019 में पेश की गई थी। अबतक इस कार्यक्रम के तहत 19 किस्तों के माध्यम से 3.69 लाख करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में डाले जा चुके हैं। कृषि मंत्रालय ने मंगलवार को बयान में कहा, '' पीएम-किसान की अगली किस्त दो अगस्त को जारी की जाएगी। 20वीं किस्त में 9.7 करोड़ किसानों को करीब 20,500 करोड़ रुपये की राशि का अंतरण किया जाएगा। प्रधानमंत्री अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान इस किस्त को जारी करेंगे। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा के लिए नयी दिल्ली स्थित कृषि भवन में एक तैयारी बैठक की। बैठक में कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एम. एल. जाट और कृषि मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। पीएम-किसान योजना के तहत पात्र किसानों को 2,000 रुपये की तीन समान किस्तों में सालाना 6,000 रुपये मिलते हैं जो सीधे उनके बैंक खातों में डाले जाते हैं। इस पहल का उद्देश्य कृषि योग्य भूमि रखने वाले छोटे और सीमांत कृषक परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। किसानों को 20वीं किस्त प्राप्त करने के लिए अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

केआरटी का रीट आईपीओ पांच अगस्त को खुलेगा, मूल्य दायरा 95-100 रुपये प्रति शेयर

मुंबई। रियल एस्टेट कंपनी सत्व ग्रुप और ब्लैकस्टोन द्वारा प्रायोजित नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट (केआरटी) ने बुधवार को अपने 4,800 करोड़ रुपये के रीट आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 95-100 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया। केआरटी ने बयान में कहा कि यह निर्गम पांच अगस्त को खुलकर सात अगस्त को बंद होगा। इस आईपीओ में केआरटी द्वारा 4,800 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। केआरटी ने आईपीओ लाने और रीट को शेयर बाजारों पर सूचीबद्ध करने के लिए मार्च की शुरुआत में पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास दस्तावेजों का मसौदा (डीआरएचपी) दाखिल किया था। यह प्रमुख शहरों में स्थित उसकी 30 प्रमुख कार्यालय संपत्तियों से धन जुटाने की रणनीति का हिस्सा है। शुरुआत में, कंपनी ने सार्वजनिक निर्गम के जरिये कुल 6,200 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई थी। पिछले महीने, इसने निवेशकों से 1,400 करोड़ रुपये जुटाए। इसके बाद निर्गम का आकार घटाकर 4,800 करोड़ रुपये कर दिया गया है। केआरटी सकल परिसंपत्ति मूल्य (लगभग 62,000 करोड़ रुपये) के हिसाब से देश का सबसे बड़ा रीट बनने के लिए तैयार है। पिछले वित्त वर्ष में इसकी शुद्ध परिचालन आय 3,432 करोड़ रुपये रही थी। केआरटी के पास छह शहरों, मुख्यतः मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद में 29 संपत्तियों में 4.6 करोड़ वर्ग फुट से अधिक कार्यालय संपत्तियां हैं।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

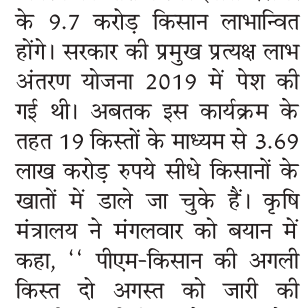

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 510 से 560 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इस तरह चांदी के भाव में भी आज 1,100 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। कीमत में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,430 रुपये से लेकर 1,00,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 92,100 रुपये से लेकर 92,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,17,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,430 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,100 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 92,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242

Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सार्इ का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

प्रधानमंत्री के वाराणसी दौरे की तैयारियों का मुख्य सचिव और डीजीपी ने की वर्चुअल बैठक

- अधिकारियों ने अब तक की तैयारियों की ली जानकारी, सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित वाराणसी दौरे की तैयारियों पर प्रदेश शासन की भी नजर है। प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने दो दिन शहर में रहकर तैयारियों को परखने के बाद जिला प्रशासन के अफसरों के साथ जनप्रतिनिधियों को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिया था। इसके बाद बुधवार को प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री के प्रस्तावित काशी आगमन को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक हुई। बैठक में प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी)भी जुड़े। उत्तर प्रदेश के दोनों शीर्ष अफसरों ने वर्चुअल समीक्षा बैठक में अब तक हुई तैयारियों की बिंदुवार जानकारी ली। वाराणसी परिक्षेत्र के मंडलायुक्त एस राजलिंगम व पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने प्रधानमंत्री के वाराणसी आगमन के दौरान प्रस्तावित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। दोनों अफसरों ने प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान की गयी तैयारियों को मुख्य सचिव के समक्ष रखा। इस दौरान मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों से प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान अपनी तैयारी पूरी तन्मयता से करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन अच्छे से करने को कहा। मुख्य सचिव ने कहा कि बारिश को ध्यान में रखते हुए सभी तैयारियां की जाएं ताकि गाड़ियों के आवागमन में कोई दिक्कत नहीं होने पाये। उन्होंने पूरे कार्यक्रम के दौरान ट्रैफिक डायवर्जन तथा मूवमेंट को लेकर उचित व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया गया। डीजीपी राजीव कृष्ण ने प्रधानमंत्री के शहर में मौजूदगी के पहले से सुरक्षा के मजबूत प्रबंध के साथ किसी भी स्तर पर कोई कोताही नहीं बरतने के निर्देश दिए। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने मुख्य सचिव तथा डीजीपी के समक्ष पुलिस प्रशासन की तैयारियों को बताया। उन्होंने लोकनिर्माण विभाग को प्रधानमंत्री के रूटों पर सड़क किनारे की जा रही बैरिकेडिंग को पूरी मजबूती से करने के लिए निर्देशित किया। मंडलायुक्त एस राजलिंगम ने सभी संबंधित विभागों से प्रधानमंत्री के प्रस्तावित आगमन के दौरान की गयी तैयारियों का जायजा लेते हुए नगर निगम को पूरे शहर में तथा डीपीआरओ को ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार सफाई अभियान चलाने को निर्देशित किया। उन्होंने सभा स्थल पर मोबाइल टॉयलेट, बाथरूम तथा पीने के पानी का उचित प्रबंध करने के लिए भी निर्देशित किया। वर्चुअल बैठक में डीआईजी वैभव कृष्ण, डीएफओ वाराणसी स्वाति सिंह, एडीएम सिटी आलोक वर्मा, अपर नगर आयुक्त सविता यादव समेत सभी संबंधित विभागों के अफसर जुड़े रहे।

वाराणसी में तितली गिरोह का सरगना और साथी मुठभेड़ में गिरफ्तार

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में लंका थाना क्षेत्र में पुलिस टीम ने तितली गैंग के सरगना और उसके साथी को मुठभेड़ में दबोच लिया। मुठभेड़ में घायल सरगना को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। गिरफ्तार बदमाशों के पास से चोरी के उपकरण, एक तमंचा, कारतूस, बाइक बरामद की गई। एडीसीपी काशी जोन सरवणन टी. ने बुधवार पत्रकारों को मुठभेड़ में पकड़े गए बदमाशों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीती देर रात सूचना मिली कि तितली गैंग के दो शातिर चोर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए निकले हैं। इस सूचना पर भेलूपुर और लंका पुलिस की संयुक्त टीम ने बदमाशों की लोकेशन के आधार पर लौटूबीर पुलिया के पास चेकिंग करने लगी। इस दौरान दो संदिग्ध युवक बाइक से आते दिखे। पुलिस टीम ने उन्हें रूकने का संकेत किया। इस पर बाइक सवार फायर करते हुए भागने लगे। दोनों बदमाशों का पीछा कर पुलिस टीम ने जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई। इसमें एक बदमाश के पैर में गोली जा लगी और दोनों बाइक समेत गिर पड़े। पुलिस टीम ने दोनों बदमाशों को पकड़ते हुए पूछताछ की। गिरफ्तार बदमाशों में नगवा लंका निवासी सचिन रावत और भगवानपुर लंका निवासी समीर सोनकर हैं। एडीसीपी के अनुसार सचिन रावत 'तितली गैंग' का मुख्य संचालक है, जो चोरी की घटनाओं के साथ-साथ अन्य आपराधिक गतिविधियों में लिप्त है। सचिन के ऊपर 16 मुकदमे और उसके साथी पर नौ मुकदमे पहले से दर्ज हैं। एडीसीपी ने बताया कि तितली गैंग में आठ दस अपराधी शामिल हैं। मुठभेड़ में पकड़े गए दोनों बदमाशों ने अन्य साथियों के साथ मिलकर कुछ दिन पहले भेलूपुर दुर्गाकुंड इलाके में बंद मकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया था।

वाराणसी की मुस्लिम महिलाओं ने ऑपरेशन सिन्दूर की सफलता पर प्रधानमंत्री को भेजीं राखी

- मुस्लिम महिलाओं ने ढोलक की थाप पर प्रधानमंत्री के लिए गाए गीत
- भारतीय संस्कृति, परम्परा व उच्च चरित्र का प्रतीक है सिन्दूर: नाजनीन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में ऑपरेशन सिन्दूर की सफलता पर मुस्लिम महिलाओं ने खुशी जताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राखियां भेजी हैं। मुस्लिम महिलाओं ने ऑपरेशन सिन्दूर के लोगो के साथ सितारा व गोटा आदि से सजाकर यह राखियां अपने हाथों से बनाई हैं।मुस्लिम महिलाओं ने राखी भेज कर प्रधानमंत्री के विरोधियों को स्पष्ट संदेश दिया कि वो मोदी से रिश्तों से बंधी हैं।

बुधवार को मुस्लिम महिला फाउंडेशन एवं विशाल भारत संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में लमही स्थित सुभाष भवन में जुटी मुस्लिम महिलाओं ने ढोलक की थाप पर प्रधानमंत्री के लिए गीत गाये। इस मौके पर फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नाज़नीन अंसारी ने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर के जरिए प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को घुटने पर लाकर बहन बेटियों का सिन्दूर उजाड़ने वालों को सबक सिखाया। उन्होंने कहा कि सिन्दूर की कीमत एक भाई से बढ़कर और कौन जान सकता है, जो हर कीमत पर अपनी बहन के सम्मान और उसके सिन्दूर की रक्षा के लिए अपनी जान की बाजी लगा देता है। सिन्दूर भारत की महान संस्कृति, परम्परा और उच्च चरित्र का प्रतीक है। नाजनीन ने कहा कि जो भारत की संस्कृति को मानता ही नहीं, जिनके घरों में सिन्दूर का सम्मान नहीं है, ऐसे लोग इसका विरोध करके पाकिस्तान को लाभ पहुचायेंगे। ऑपरेशन सिन्दूर का विरोध करना राष्ट्रद्रोह है। सेना से गोपनीय बातों को पूछना दुश्मनों को लाभ पहुंचाने की तरह है। विशाल भारत संस्थान की राष्ट्रीय महासचिव डॉ. अर्चना भारतवंशी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश की लाज रखी। जिन्होंने सिन्दूर उजाड़ा था, उनको दोजख में भेज दिया। प्रधानमंत्री एक भाई की तरह बहनों का ख्याल रखते हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2011 से हर वर्ष संस्थान की ओर से नरेन्द्र मोदी को राखी भेजी जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी पर डॉक्टरेट करने वाली डॉ. नजमा परवीन ने कहा कि भारत के इतिहास का गौरवशाली पल था, जब ऑपरेशन सिन्दूर सफल हुआ। तीन तलाक खत्म करके मुस्लिम महिलाओं को सम्मान से जीने का अधिकार प्रधानमंत्री मोदी ने दिया और ऑपरेशन सिन्दूर के जरिये पाकिस्तान के आतंकियों को यह संदेश दिया कि एक भी बहन का सिन्दूर उजड़ा तो पूरा पाकिस्तान उजाड़ दिया जाएगा। कार्यक्रम में खुर्शीदा बानो, नगीना बेगम, डॉ मृदुला जायसवाल, आसमा ज़बी, महरुननिशा, रोशनजहां, मुन्नी, गुलशन बानो, नरगिस, जमीला, रुखसार, रमता, सुनीता, मैना, पार्वती, सरोज ने भागीदारी की।

प्रधानमंत्री के वाराणसी दौरे से पूर्व जनप्रतिनिधियों के साथ राज्यमंत्री स्वच्छता के लिए सड़क पर उतरे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में दो अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन व सेवापुरी विधानसभा के बनौली में होने वाली जनसभा को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है। प्रधानमंत्री के आने के पहले ही उनके संसदीय क्षेत्र को चमकाने की तैयारी है। प्रधानमंत्री मोदी के जनसभा स्थल, आसपास और शहर में भाजपा काशी क्षेत्र के अगुवाई में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें जिला और महानगर इकाई के साथ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और राज्यमंत्री भी कदमताल कर रहे हैं। प्रदेश के आयुष मंत्री डॉ दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बुधवार को शहर के लहुराबीर चौराहे पर स्थित आजाद पार्क और आसपास स्वच्छता अभियान में झाड़ू लगाकर श्रमदान किया। अभियान में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी पूरे उत्साह से भागीदारी की। स्वच्छता अभियान में भाग लेने के बाद आयुष मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के जनसभा में और स्वच्छता अभियान में नागरिकों से भागीदारी की अपील की। इसके पहले आयुष मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी की जनसभा को लेकर वाराणसी शहर दक्षिणी विधानसभा में भाजपा काशी विश्वनाथ मंडल के कार्यकर्ताओं के साथ भदऊ चुंगी में एक कार्यकर्ता के घर बैठक की। बैठक में आयुष मंत्री ने कहा कि काशी विश्वनाथ मंडल काशी की आत्मा है। राजनीति हो या सामाजिक, प्रत्येक कार्यक्रम में मंडल सबसे आगे रहता है। आगामी 2 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी का 51वीं बार वाराणसी आगमन हो रहा है। उनके जनसभा में अधिक से अधिक संख्यां में लोगों की उपस्थिति हो। इसकी चिंता हम सबको करनी है। जनसभा में मातृशक्ति की उपस्थिति बडी संख्या में हो इसके लिए सम्पर्क कर सबको निमंत्रण दे।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर
समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

बागपत जिलाधिकारी ने झाड़ू लगाकर किया सफाई अभियान का नेतृत्व

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बागपत। स्वच्छता को जनांदोलन बनाने की लिए उप्र के जनपद बागपत के जिलाधिकारी ने झाड़ू उठा ली है। बुधवार को गांव सिसाना में स्वयं झाड़ू लगाकर सफाई अभियान में श्रमदान किया। सफाई कर्मियों का हौसला बढ़ाया। ग्राम प्रधानों को चेतावनी भी दी है। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने बुधवार को स्वछता अभियान का निरीक्षण किया है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव को स्पष्ट निर्देश दिए कि गांव में नियमित रूप से सफाई अभियान संचालित किया जाए। इस दौरान सिसाना में बस अड्डे के नजदीक ग्रामीणों द्वारा नाले में डाले जा रहे कूड़े की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि किसी भी दशा में गंदगी और अव्यवस्था की स्थिति स्वीकार्य नहीं होगी। गंदगी से बीमारियां फैलती हैं जो आर्थिक एवं शारीरिक दोनों तरीके से प्रभावित करती है। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही उनके निस्तारण के निर्देश दिए। जिला पंचायती राज अधिकारी अरुण अत्री को भी निर्देशित किया कि ग्राम पंचायतों का नियमित निरीक्षण कर ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं मिलना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने सफाईकर्मियों का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और कहा कि ''स्वच्छता केवल एक विभाग का दायित्व नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।'' इस अभियान में मुख्य विकास अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव, जिला पंचायती राज अधिकारी अरुण अत्री, डिप्टी कलेक्टर अमरचंद वर्मा, ग्राम्य विकास विभाग के परियोजना निदेशक राहुल वर्मा सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी गांव के विभिन्न हिस्सों में जाकर स्वच्छता कार्यो में भाग लिया और झाड़ू लगाकर ग्रामीणों को स्वछता के लिए प्रेरित किया।

जिला उद्योग प्रोत्साहन विभाग ने घोषित किया प्रशिक्षण कार्यक्रम की तिथि

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के तहत सभी ट्रेडो के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में दस दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगा है। उसकी तिथियां घोषित कर दी गई है। आवदेन करने वाले अभ्यर्थी अपने दस्तावेजों के साथ कार्यालय पहुंचें। यह जानकारी बुधवार को जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र प्रयागराज ने दी है। जिला उद्योग प्रोत्साहन कार्यालय प्रयागराज द्वारा जारी सूचना ?के मुताबिक एससी, एसटी, ओबीसी प्रशिक्षण का कार्यक्रम की तिथि 1 अगस्त है। जबकि एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण कार्यक्रम 2 अगस्त को है। इसी तरह विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना ट्रेड दर्जी 4 अगस्त को है। हलवाई एवं टोकरी बुनकर के लिए 5 अगस्त निर्धारित किया गया है। लोहार, बढ़ई, नाई एवं राजमिस्त्री का प्रशिक्षण 6 अगस्त है। इसी तरह कुम्हार, सोनार, धोबी एवं मोची के प्रशिक्षण के लिए 7 अगस्त की तिथि निर्धारित की गई है। सभी योजनाओं एवं ट्रेड के लिए छूटे हुए अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण 8 अगस्त को किया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए पोर्टल पर ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों पर स्कोर कार्ड के आधार पर चयन उक्त तिथियों पर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र प्रयागराज उपायुक्त के कार्यालय 05 नया कटरा में सम्पन्न होगा। उन्होंने बताया कि जिन अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया है। उन्हें अपने सभी दस्तावेज आधार कार्ड की कॉपी, बैंक पासबुक, शैक्षिक प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र की छाया के साथ समय से कार्यालय में उपस्थित हों।

चंबल के बीहड़ों में बदलाव का नया दौर बंजर जमीन पर फलों की मीठी खुशबू

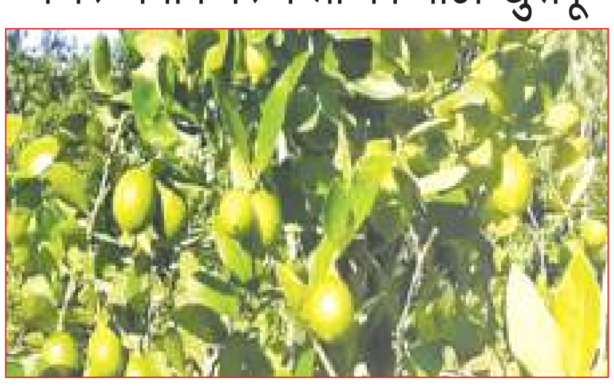

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। चंबल का बीहड़, जो कभी डकैतों की शरणस्थली के रूप में खौफ का दूसरा नाम माना जाता था, अब बदलाव की नई इबारत लिख रहा है। जिस धरती पर कभी गोलियों की गूंज सुनाई देती थी, आज वहीं फलों की मिठास घुल रही है। पंचनद क्षेत्र के बबाइन गांव के उन्नतशील किसान अजय तिवारी ने बीहड़ की बंजर और कंटीली जमीन को हरा-भरा कर सबको चौंका दिया है। केला, अनार, नींबू, संतरा और मौसमी जैसे फलों की पैदावार कर उन्होंने यह साबित कर दिया कि जज्बा हो तो असंभव भी संभव हो जाता है।

अजय तिवारी का जन्म चंबल-यमुना घाटी के सेंगनपुर गांव में हुआ। ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े अजय बचपन से ही नए-नए प्रयोगों के शौकीन रहे। विषम हालात और प्रतिकूल मौसम के बावजूद उन्होंने अपनी निजी भूमि पर फैली बिलायती बबूल और कंटीली झाड़ियों को साफ किया और बागवानी शुरू की। कठिन परिश्रम के बल पर उन्होंने कम समय में ही फलों की अच्छी पैदावार कर सबको चकित कर दिया। अजय तिवारी बताते हैं कि यह उनकी उम्मीदों को सफलता का मूर्त रूप है। चंबल-यमुना-सिंध-पहुज और क्वारी नदियों के संगम पर फैले बीहड़ कभी भी खेती के लिए मुफीद नहीं रहे। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, बंजर जमीन और पूर्व में दस्युओं के आतंक ने यहां खेती को लगभग नामुमकिन बना दिया था। आज उनकी सफलता न केवल किसानों में नई ऊर्जा भर रही है, बल्कि पलायन को भी रोकने का संदेश दे रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग से 9 किलोमीटर दूर बबाइन के समीप बीहड़ में अजय तिवारी ने अपने जज्बे से यह साबित कर दिया कि हौसला हो तो आसमां में भी सुराख हो सकता है। यह बदलाव चंबल घाटी के लिए एक नए युग की शुरुआत है और उन किसानों के लिए प्रेरणा है जो प्रतिकूल परिस्थितियों को बहाना बनाकर खेती से किनारा कर लेते हैं।

जयंती पर होगा संत तुलसीदास की प्रतिमा का अनावरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

चित्रकूट। रामचरित मानस के रचयिता संत तुलसीदास की 528वीं जयंती के अवसर पर राजापुर में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया जायेगा। इस मौके पर कथावाचक मुरारी बापू और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उपस्थित रहने की संभावना है। तुलसीदास के गृह स्थल चित्रकूट के राजापुर में उनकी 528 वी जयंती गुरुवार को मनायी जायेगी जिसमें कथावाचक मुरारी बापू और अन्य दिव्य संतो के अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी भाग लेने की संभावना है। इस अवसर पर तुलसीदास की प्रतिमा का अनावरण किया जायेगा।

रामचरित मानस की रचना कर भगवान राम के पावन चरित्र को विश्व व्यापी बनाने वाले संत गोस्वामी तुलसी दास की जन्म चित्रकूट के राजापुर में आत्मा राम दुबे नाम के एक गरीब ब्राह्मण के परिवार में संवत 1554 में हुआ था। तुलसीदास जन्म से ही विलक्षण थे। रोने की बजाय इनके मुंह से राम राम निकला था और जन्म के समय से ही इनके मुख में पूरे बत्तीस दाँत मौजूद थे।

जन्म के कुछ ही दिनों बाद इनकी माँ हुलसी देवी का देहांत हो जाने के कारण तुलसी को मनहूस समझ कर इनके पिता ने घर से निकाल दिया। चुनिया नाम की महिला तुलसी का पालन पोषण करने लगी। उसी समय राजापुर आये चित्रकूट के संत नरहरिदास तुलसी को अपने आश्रम चित्रकूट ले आये और दीक्षा दे अपना शिष्य बना लिया। गुरु नरहरिदास ने शास्त्रों के गहन अध्ययन के लिए तुलसी को काशी भेज दिया। तुलसी की शादी उनकी जन्मस्थली राजापुर के पास ही महेवा ग्राम में दीनबंधु पाठक की सुपुत्री रत्नावली से हो गयी।

एक बार जब रत्नावली अपने मायके में थी तब तुलसी उनके वियोग में इस कदर पागल हुए की रात के समय भयंकर बाढ़ में बह रही यमुना में बहे जा रहे एक शव को पेड़ का तना समझकर उसी के सहारे अपनी ससुराल पहुंच गए। आधी रात में ससुराल पहुंचे तुलसी के बार बार पुकारने पर भी जब किसी ने उनकी आवाज नहीं सुनी तो वे खिड़की से लटक रहे सांप को रस्सी समझ कर ऊपर चढ़ कर कमरे में सोई हुई रत्नावली के पास पहुंच गए। अपने ऊपर तुलसी की ऐसी आसक्ति देखकर रत्ना इतनी व्यथित हुई की उन्होंने तुलसी को झिड़कते हुए डांट लगाई ल्ल अस्थि चर्म मय देह मम तामे ऐसी प्रीत; ऐसी जो श्री राम मह होत न तव भव भीति।। रत्ना के इन शब्दों ने जैसे मोहनिद्रा में सोए हुए तुलसी को जगा दिया उस दिन से तुलसी का सिर्फ एक ही मकसद रह गया इस दुनिया के रिश्ते नातों को छोड़ भगवान राम के साथ एकाकार होना। अब तुलसी नारी शरीर की आसक्ति से मुक्त हो परमात्मा से अपने दिल के तार जोड़ने लगे। राम से मिलने की आस में तुलसी एक बार फिर चित्रकूट आ गए और अपने ईष्ट के दर्शनों की प्रतीक्षा करने लगे। तुलसी चित्रकूट में अपनी कुटिया में रहते मन्दाकिनी तट में बैठ प्रवचन करते और राम के इन्तजार में समय बिताने लगे। एक दिन जब तुलसीदास चित्रकूट में मन्दाकिनी नदी के किनारे बने चबूतरे में बैठे प्रवचन कर रहे थे तब भगवान राम और लक्ष्मण वहां से गुजरे लेकिन तुलसीदास उन्हें पहचान नहीं पाए। उसी रात तुलसी को सपने में हनुमान ने दर्शन दिया और उनसे इच्छा पूरी होने के बारे में पूछा तो तुलसी ने कहा की उन्हें तो किसी के दर्शन नहीं हुए। तब हनुमान ने तुलसी से कुछ दिन और इंतजार करने को कहा। थोड़े दिनों बाद जब तुलसी एक दिन उसी चबूतरे में बैठे चन्दन घिस श्रद्धालुओं को लगा रहे थे तभी भगवान राम लक्ष्मण और सीता सहित वहां आये और तुलसी दास से चन्दन लगवाने लगे। तुलसी कहीं फिर न चूक जाएँ इसलिए हनुमान तोते के रूप में बोले चित्रकूट के घाट में भई संतन की भीड़; तुलसी दास चन्दन घिसे तिलक देत रघुबीर। हनुमान जी की कृपा ने तुलसी दास को चित्रकूट में राम लक्ष्मण के दर्शन कराये थे। संवत 1631 में 77 वर्ष की उम्र में तुलसी दास ने हनुमान जी की प्रेरणा से राम के चरित्रों को दुनिया के सामने रखने के लिए एक ग्रन्थ लिखने का निश्चय किया और दो वर्ष सात माह और 26 दिनों की मेहनत से राम चरित मानस के रूप में अगहन शुक्ल सप्तमी संवत सोलह सौ तैंतीस में दुनिया के सामने आई। तुलसी के इस ग्रन्थ ने राम को घर घर पहुंचा दिया। काशी में राम चरित मानस की रचना पूरी करने के बाद तुलसीदास अपनी जन्म भूमि राजापुर लौट आये और यहीं रहकर राम का गुणगान करने लगे। हर कहीं राम चरित मानस की चर्चा हो रही थी। यह चर्चा चोरों ने भी सुनी और उन्होंने यह ग्रन्थ चुराकर मालामाल होने के इरादे से रामचरित मानस चोरी कर ली। चोर यमुना पार कर पाते इससे पहले ही चोरी का पता चल गया और नाव से भाग रहे चोरों का पीछा किया गया। इससे पहले कि लोग चोरों तक पहुंच पाते उन चोरों ने राम चरित मानस की पोटली यमुना में फेंक दी। यमुना की गहराइयों में इस पोटली को ढूंढ़ निकालना बेहद मुश्किल था। इसे खोजने के लिए काफी बड़े जाल का इस्तेमाल किया जा रहा था फिर भी पोटली को ढूंढने में काफी वक्त लग गया। अथक प्रयास के बाद रामचरित मानस की पोटली यमुना से निकाली जा सकी। घंटो पानी में पड़े रहने के कारण इस ग्रन्थ के ऊपर और नीचे के पृष्ठ गल गए। तुलसी की जन्मस्थली राजापुर में आज भी उनके हाथों लिखे गए इस ग्रन्थ का एक भाग (अयोद्धया कांड) सुरक्षित रखा है जिसके दर्शन करने पूरे देश ही नही बल्कि संसार से लोग यहां आते हैं। आज तुलसी राजापुर ही नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र के गौरव हैं। तुलसी दास के शिष्यों की ग्यारहवीं पीढ़ी के लोग आज इस अनुपम कृति को अपने पास एक धरोहर के रूप में संजो कर रखे हैं। कभी अपने परिवार में ही उपेक्षित कर दिये गये अबोध बालक राम बोला आज तुलसी दास के नाम से पूरे देश में किसी भगवान की तरह ही पूजे जाते हैं।